फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 81 प्रभात जयपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBiT

South Asian Dance has remained hidden ...

"Hard boundaries like these serve neither the art nor the artiste, either that all that is classical is rubbish or that all that is not sacred should be thrown out,"- Aadya Kaktikar

Why Do We Do This At All?

Why Do We Blow Out Candles, Throw Bouquets, and Shake Hands? The Hidden Histories Behind Everyday Traditions

गत दो दशकों से बिहार के हर चुनाव की शुरुआत नीतीश से होती थी और अंत भी उन्हीं पर होता था

पर अब गिरते स्वास्थ्य के कारण नीतीश के लिए कठिन हो गया है, जदयू को उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए बाध्य करना

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार के प्रभुत्व के कारण बिहार की राजनीति चिरपरिचित और जाने -माने तरीके से ही आगे बढ़ रही थी। अब उनके पीछे हटने से जातीय समीकरणों, गठबंधन की चालों और राजनीतिक अस्तित्व की जद्दोजहद का ऐसा खुला मैदान तैयार हो गया है, जो एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) को भी नया रूप दे सकता है। हालांकि, नीतीश ने चुनाव से खुद को पूरी तरह अलग नहीं किया है, लेकिन गिरते स्वास्थ्य के कारण उनके लिए अपनी पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड), को फिर से मुख्यमंत्री की कुर्सी तक ले जाना मुश्किल हो रहा है।

पिछले बीस वर्षों से बिहार में हर चुनाव नीतीश कुमार के नाम से शुरू होकर उन्हीं पर खत्म होता था। पार्टियां, गठबंधन, जातीय जोड़-तोड़, सब कुछ उन्हीं के इर्द-गिर्द घूमता था। लेकिन 2025 का चुनाव उनके स्वास्थ्य कारणों से उनके राजनीतिक सफर के अंतिम चरण जैसा लग रहा है।

- वर्तमान चुनाव में राजनीतिक दल त्रिकोणीय संघर्ष में उलझे हैं और अब बिहार की राजनीति एक ही नेता के चारों तरफ ही नहीं घूमेगी, बल्कि कई सितारे उभरे हैं, अपने-अपने प्रभाव क्षेत्र को बढ़ाने के लिए।
- भाजपा ने अपना दांव कुशवाहा जाति पर लगाया है, जिसके नेता सम्राट चौधरी को अपने मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में प्रस्तुत कर रही है।
- भाजपा के मुख्यमंत्री पद के लिए दूसरा विकल्प है, एक्स्ट्रीमली बैकवर्ड क्लास (ईबीसी) के नेता (36 प्रतिशत जनसंख्या) हरी सहनी
- जदयू की एक दिक्कत यह है, कि हालांकि, उसकी मूल ताकत बिहार में ईबीसी वोट बैंक है, किन्तु उसके चार में से तीन नेता सवर्ण हैं।
- जदयू की समस्या यह भी है कि नीतीश ने अपने व्यक्तित्व के कारण पार्टी को बांधे रखा और किसी को इतना ताकतवर नहीं बनने दिया कि उनकी जगह ले सके।

नीतीश के धीरे-धीरे सक्रिय राजनीति से पीछे हटने के साथ, बिहार की राजनीति की गति और परिणाम दिशा तय करने वाले एक नेता द्वारा छोड़ा गया खालीपन एकदम सामने नज़र आने लगा है।

इस खालीपन ने सत्ता की लड़ाई को त्रिकोणीय संघर्ष बना दिया है। भाजपा इस जगह को भरने की कोशिश में है, जदयू अपने परंपरागत वोटबैंक को बचाने की जद्दोजहद कर रही है, और छोटी पार्टियां अपना हिस्सा बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास में लगी हैं। इसका नतीजा सिर्फ यह तय नहीं करेगा कि बिहार में कौन सरकार बनाएगा, बल्कि यह भी कि, जाति, नेतृत्व की महत्वाकांक्षाओं और चुनावी गणित के दबावों के बीच एन.डी.ए. एकजुट रहेगा है या बिखर जाएगा।

इसने एक ऐसे चुनाव का मंच तैयार कर दिया है, जो किसी एक बड़े नेता द्वारा नहीं, बल्कि प्रतिस्पर्धी नेताओं के एक समूह द्वारा परिभाषित होगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री मोदी ने गुजराती नववर्ष की शुभकामनाएं दीं

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को गुजरातवासियों को गुजराती नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं दी ।

- राहुल गांधी ने भी गुजराती नववर्ष की शुभकामना दी। दोनों नेताओं ने एक्स पर सभी के लिए सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी एक पोस्ट में अपने संदेश में कहा, "यह नव वर्ष हर घर में सुख, शांति, समृद्धि और आनंद लाए। गुजरात की उपजाऊ मिट्टी और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से धन्य प्रदेश के मेहनती लोगों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। आपकी भावना और जीवंतता सदैव चमकती रहे।"

गांधी ने एक्स पर पोस्ट अपने संदेश में कहा, "यह नव वर्ष हर परिवार के लिए सुख, शांति और समृद्धि लाए। गुजरात के लोगों की समृद्ध संस्कृति और मेहनती भावना वास्तव में प्रेरणादायक है-वे निरंतर ऐसे ही आगे बढ़ ते रहें।" गांधी की शुभकामनाएं राज्य के निवासियों के कल्याण और प्रगति के लिए उनकी सच्ची आशाएं व्यक्त करती हैं।

छः दिन में चौथी बार ट्रंप ने दोहराया कि मोदी ने उनसे फोन पर नया वादा किया

वादा है, "भारत अब रूस से तेल की खरीद लगातार कम कर रहा है"

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के बार-बार के इन दावों के बाद एक कूटनीतिक और राजनीतिक संकट उत्पन्न हो गया है, जिसमें उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया था कि भारत रूस से कच्चे तेल की खरीद में काफी नमी करेगा। कांग्रेस ने कहा कि "जो मोदी छिपाते हैं, वह ट्रंप उजागर करते हैं।"

- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता दूसरी तरफ बार-बार यह कह रहे हैं कि उनके पास ऐसी कोई जानकारी नहीं है कि मोदी ने ट्रंप से ऐसा कोई वायदा किया हो।
- उन्होंने यह टिप्पणी वाइट हाउस पर दिवाली का दिया जलाते हुए ट्रंप प्रशासन के शीर्ष अधिकारियों और प्रमुख भारतीयों के सामने की।
- विपक्ष ने इस घटनाक्रम पर कटाक्ष किया कि मोदी छुपाते हैं और ट्रंप उजागर करते हैं।

हालांकि मोदी ने ट्रंप के दीवाली शुभकामनाओं का गर्मजोशी से स्वागत किया, उन्होंने तेल आयात के विवादास्पद मुद्दे पर चुप्पी साधे रखी, जिससे विपक्षी नेताओं और विश्लेषकों के बीच बहस और आलोचना का दौर शुरु हो गया है।

जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने फिर से दावा किया कि भारत "रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेगा" तो कांग्रेस ने हमला बोला और कहा कि यह चौथी बार है जब अमेरिकी नेता ने भारत की नीति की घोषणा की है।

विपक्षी पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा, "जो वह छिपाते हैं, वह ट्रंप उजागर करते हैं।"

यह हमला उस समय हुआ जब ट्रंप ने मोदी से बात की और उन्हें दीवाली की शुभकामनाएं दीं।

कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा, "प्रधानमंत्री ने आखिरकार सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने उन्हें कॉल किया और दोनों ने एक-दूसरे से बात की। लेकिन प्रधानमंत्री ने सिर्फ यही कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ने दीवाली की शुभकामनाएं दीं। लेकिन जहां मोदी छिपाते हैं, वहीं ट्रंप उजागर करते हैं।" रमेश ने एक्स पर कहा, "अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि दीवाली की शुभकामनाएं देने के अलावा, उन्होंने रूस से भारत के तेल आयात पर बात की और यह आश्वासन लिया कि ये आयात बंद कर दिए जाएंगे। यह छः दिनों में चौथी बार है जब अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत की नीति की घोषणा की है।

जयराम ने कहा, पहले, राष्ट्रपति ट्रंप ने 10 मई की शाम को ऑपरेशन सिंदूर को बंद करने की घोषणा कर दी, वो भी भारत के प्रधानमंत्री मोदी से पहले।

बुधवार सुबह एक पोस्ट में, मोदी ने कहा, "धन्यवाद राष्ट्रपति ट्रंप, आपकी कॉल और दीवाली की शुभकामनाओं के लिए।"

मोदी ने कहा, "यह रोशनी का त्योहार है, आशा है कि हमारी दोनों महान लोकतांत्रिक प्रणालियाँ दुनिया को रोशन करती रहेंगी और सभी प्रकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार में महागठबंधन में पड़ी दरार

12 सीटों पर घटक दलों ने एक दूसरे के खिलाफ प्रत्याशी उतारे

पटना, 22 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले ही महागठबंधन के भीतर सियासी दरारें खुलकर सामने आ चुकी हैं और सहयोगी दल 12 विधानसभा क्षेत्रों में एक- दूसरे के खिलाफ मोर्चा खोल चुके हैं।

ज़मीनी हकीकत यह है कि जिस महागठबंधन ने मिलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को चुनौती देने का सपना देखा था वो अब आपसी संघर्ष से जूझ रहा है।

इनमें से 7 सीटों पर मतदान दूसरे चरण, 11 नवंबर को होना है, जबकि 5 सीटों पर पहले चरण, 6 नवंबर को मतदान होगा। दूसरे चरण के लिये नामांकन वापसी की अंतिम तारीख गुरुवार , 23 अक्टूबर है, लेकिन अब तक इन उम्मीदवारों के हटने के कोई संकेत नहीं हैं।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, वामदल और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के बीच सीधी टक्कर कई सीटों पर देखने को मिल रही है। सीट बंटवारे में राजद को 143 और कांग्रेस को 61 सीटें मिली थीं, लेकिन जमीनी कार्यकर्ता और स्थानीय नेताओं ने अपनी ही पार्टी की घोषणा को दरकिनार कर दिया है। राजद के छह प्रत्याशी कांग्रेस के खिलाफ चुनाव मैदान में डटे हुये हैं।

- इन 12 में से 6 सीटों पर तो राजद और कांग्रेस आमने-सामने हैं।
- सीट शेयरिंग फॉर्मूला के तहत राजद 143 व कांग्रेस 61 सीटों, वामदल 33, मुकेश सहनी की वीआईपी 15 और इंडियन इन्क्लूसिव पार्टी 3 सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। पर, राजद व कांग्रेस के स्थानीय नेताओं व कार्यकर्ताओं ने पार्टी नेतृत्व की बात नहीं मानी और वे चुनाव मैदान में उतर गए हैं।
- विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सत्तारूढ़ एनडीए को लाभ होगा।

सुल्तानगंज विधानसभा क्षेत्र से राजद के चंदन कुमार सिन्हा कांग्रेस प्रत्याशी लालन कुमार के खिलाफ चुनावी मैदान में हैं। प्राणपुर विधानसभा क्षेत्र से राजद की इशरत परवीन और कांग्रेस के तौकीर आलम खड़े हैं। वैशाली विधानसभा क्षेत्र से राजद के अजय कुशवाहा कांग्रेस के संजीव सिंह के खिलाफ, कहलगांव विधानसभा क्षेत्र से राजद के रजनीश भारती कांग्रेस के प्रवीण कुशवाहा के खिलाफ, वारसलीगंज विधानसभा क्षेत्र से राजद की अनीता देवी कांग्रेस के सतीश कुमार उर्फ़ मंटन सिंह के खिलाफ और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भीलवाड़ा के धुवाला में नया औद्योगिक क्षेत्र बनेगा

जयपुर, 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए भीलवाड़ा जिले की माण्डल तहसील के ग्राम धुवाला में राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम लिमिटेड (रीको) के लिएभूमि आवंटन के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रीको को 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटन को मंजूरी दी।

मुख्यमंत्री ने रीको को ग्राम धुवाला में नवीन औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना के लिए 82.60 हैक्टेयर भूमि आवंटन की स्वीकृति प्रदान की है। यह भूमि राजस्थान औद्योगिक क्षेत्र आवंटन नियम, 1959 के नियम 11ए के अंतर्गत गैर प्रदूषणकारी औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की शर्त पर आवंटित की गई है।

संजय अग्रवाल व वी.के. सिंह सँभालेंगे राजस्थान की कानून-व्यवस्था

चौंतीस आईपीएस का तबादला, आनंद श्रीवास्तव डीजीएसओजी, सचिन मित्तल जयपुर पुलिस कमिश्नर बने

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 22 अक्टूबर । राज्य सरकार ने आदेश जारी कर बुधवार को भारतीय पुलिस सेवा (आई.पी.एस.) के 34 अधिकारियों का तबादला किया है। आई.पी.एस. संजय अग्रवाल और वी.के.सिंह को राजस्थान में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जयपुर पुलिस कमिश्नर के पद से बीजू जॉर्ज जोसेफ को हटाकर अब सचिन मित्तल को यह जिम्मा दिया गया है। जोसेफ को मित्तल की जगह अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कार्मिक के पद पर लगाया है। साथ ही आई.पी.एस. दिनेश एम.एन. को एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) जयपुर का एडीजी बनाया गया है।

- दिनेश एमएन को एंटी टैररिस्ट स्क्वॉड एटीएस तथा एजीटीएफ का अतिरिक्त महानिदेशक बनाया, विशाल बंसल अतिरिक्त महानिदेशक एमओजी बने।

आदेश के मुताबिक संजय कुमार अग्रवाल को महानिदेशक पुलिस तथा वी.के. सिंह को अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, कानून एवं व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) के पद पर जिम्मेदारी सौंपी है। वर्ष 1993 बैच के आई.पी.एस. गोविंद गुप्ता को महानिदेशक ए.सी.बी. के पद पर लगाया गया है। इससे पहले वे जेल महानिदेशक थे। इसी प्रकार वर्ष 1994 बैच के आई.पी.एस. अनिल पालीवाल को सरकार ने डीजी प्रशिक्षण एवं यातायात में लगा दिया है। वे अभी तक टेलीकॉम और ट्रैफिक में अपनी सेवा दे रहे थे। 1994 बैच के आईपीएस आनंद श्रीवास्तव को महानिदेशक स्पेशल ऑपरेशन्स (एसओजी) के पद पर लगाया है। पहली बार एसओजी-एटीएस में डीजी का पद बनाया गया है।

वर्ष 1994 बैच के आई.पी.एस. अशोक राठौड़ को जेल महानिदेशक की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। मालिनी अग्रवाल को महानिदेशक एवं कमांडेड जनरल, गृह रक्षा, राजस्थान जयपुर, डॉ. प्रशाखा माथुर को अतिरिक्त महानिदेशक आयोजना, आधुनिकीकरण व कल्याण, राजस्थान के पद पर लगाया है। सुष्मित विश्वास को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक रेल्वेज राजस्थान, संजीव कुमार नर्जरी को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक कम निदेशक राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर, विशाल बंसल को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, विशेष प्रचलन समूह (एस.ओ.जी.) के पद की जिम्मेदारी सौंपी है।

इसी प्रकार डॉ. हवा सिंह घुमरिया को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अपराध शाखा, राजस्थान, एस.सेंगाथिर को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सतर्कता राजस्थान, पी. रामजी को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जेल राजस्थान, रूपिन्दर सिंघ को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक आर्म्ड बटालियन एवं राज्य आपदा प्रतिसाद बल (एसडीआरएफ) के पद का जिम्मा सौंपा है।

भूपेन्द्र साहू को अतिरिक्त पुलिस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वाराणसी एयरपोर्ट पर इंडिगो विमान की आपात लैंडिंग

वाराणसी, 22 अक्टूबर। कोलकाता से श्रीनगर जा रही इंडिगो एयरलाइंस की उड़ान संख्या 6ई-6961 को बुधवार शाम ईंधन रिसाव (फ्यूल लीक) की सूचना के बाद वाराणसी लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी।

- विमान में ईंधन रिसाव की सूचना के बाद यह कदम उठाया गया।

पायलट ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वाराणसी के हवाई यातायात नियंत्रण (एटीसी) से संपर्क कर लैंडिंग की अनुमति मांगी। अनुमति मिलने पर विमान को शाम 4:10 बजे सुरक्षित रूप से रनवे पर उतारा गया।

गोमती जोन पुलिस के अनुसार, विमान में सवार सभी 166 यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं। यात्रियों को सुरक्षित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विश्व के सबसे जाने-माने म्यूज़ियम लूव्र में चोरी की ऐतिहासिक घटना एक टीवी इवेंट बनी

चोरी की वारदात की कमियाँ, खास बातों पर टीवी में बहस चल रही है, जैसे कोई क्रिकेट मैच पर एक्सपर्ट कमैंट आते हैं

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित संग्रहालयों में से एक लूव्र को चोरों के एक संगठित गिरोह ने लूट लिया और उन्होंने उन्नीसवीं सदी के अनमोल क्राउन जूल्स चुरा लिए।

चोरी किए गए आभूषण दुनिया के सबसे कीमती आभूषण हैं। जो न केवल लाखों में हैं, बल्कि अपने आप में अनूठे हैं, जिनकी जगह कोई नहीं ले सकता। ये आभूषण उन्नीसवीं सदी में फ्रांसीसी शाही परिवार के सदस्यों के थे जब कुलीन वर्ग अपनी महिमा और शक्ति के शिखर पर थे।

हीरे और पन्नों से जड़े ये आभूषण, जो यूरोप के प्रमुख आभूषण निर्माताओं की बारीक कारीगरी का नमूना थे, उस समय तो वे अद्वितीय थे ही, पर आज के दौर में चमत्कार से कम नहीं हैं। चोरों ने जिस तरह से चोरी को अंजाम दिया, उससे फ्रांसीसी पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों भारी शर्मिंदगी उठानी पड़ी है।

- घटना चोरी की अद्भूत थी, क्योंकि रात के अंधेरे में नहीं, दिन के उजाले में म्यूज़ियम खुलने के बाद हुई।
- चोरी गए आभूषण व अन्य आर्टिफैक्ट्स उस काल के थे, जब फ्रांस अपने वैभव के चरम पर था, उन्नीसवीं शताब्दी में।
- एक्सपर्ट इस बात पर एकमत से थे कि बेशकीमती हीरा-पन्ना जटित आभूषण बरामद हो जायेंगे, हालांकि, कई टीमें बनाकर भेजी जा चुकी हैं, चोरी को अंजाम देने वालों को पकड़ने के लिए।

यह कृत्य रात के अंधेरे में नहीं किया गया, बल्कि यह चोरी सुबह के समय संग्रहालय के खुलने के आधे घंटे के अंदर, पेरिस के एक व्यस्त हिस्से के बीच हुई। हालांकि, कुछ संयोग भी थे।

अपनी जल्दबाजी या कहें कि लापरवाही में, चोरों ने सम्राज्ञी यूजीन का अनमोल ताज गिरा दिया, जो नेपोलियन की पत्नी थीं, और वह सड़क पर पड़ा हुआ मिला। इस ताज में 1350 से अधिक हीरे और लगभग 57 पन्ने थे।

यह चोरी कोई गुप-चुप घटना नहीं थी, बल्कि यह खुलेआम दिन के उजाले में हुई थी, पेरिस के केंद्रीय इलाके में क्वाई फ्रैंकोइस मितराँ पर, जहाँ एक बड़ी मोबाइल सीढ़ी लूव्र की दीवारों पर लगाई गई थी, ताकि ऊपरी मंजिल के कक्ष तक पहुंचा जा सके, जहां आभूषण प्रदर्शित थे।

यूरोप भर में और प्रमुख आभूषण विक्रेताओं को इस चोरी के बारे में चेतावनी भेजी गई है ताकि इन अमूल्य कलाकृतियों के खरीद-फरोख्त को जल्दी से ट्रैक किया जा सके। हालांकि, जिस विशेषज्ञता से पूरी चोरी की योजना बनाई गई और अंजाम दी गई, इससे यह साफ है कि चोर बेहद सतर्क होंगे।

इस दुस्साहसी चोरी में चोरों ने एक ट्रक पर लदी सीढ़ी का इस्तेमाल करके संग्रहालय की पहली मंजिल की खिड़की तक पहुँचे और फिर बिजली से चलने वाले कटर से खिड़की को काटकर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद, वे एक गैलरी से होकर यात्रा की और उस कक्ष तक पहुंचे जहाँ आभूषण प्रदर्शित थे।

यह डकैती तो शर्लक होम्स को भी निश्चित रूप से हैरान करती, अगर लूव्र की चोरी का यह मामला बीसवीं सदी की शुरुआत में उनके पास आता और वॉटसन उनके सामने बैठे होते तो वे भी हैरान होते। दुर्भाग्यवश, यह घटना सौ साल बाद हुई, और अब यह केवल शर्लक होम्स सोसाइटी ही है, जो अब अपने इन-हाउस सत्रों में सक्रिय हो सकती है।

होम्स के जमाने में तो जब टीवी पत्रकारिता अस्तित्व में नहीं थी, लेकिन अभी कई यूरोपीय और अमेरिकी टीवी चैनल्स पुराने आभूषण चोरों से बातचीत कर रहे हैं, जो इस पूरे योजना के विशेषज्ञ दृष्टिकोण को साझा कर रहे हैं।

ये पुराने चोर वे पूरी योजना और कार्यान्वयन की सराहना तो करते हैं, वे कई गलतियों और असफलताओं की ओर भी इशारा करते हैं, जो चोरों को पकड़ने में मदद कर सकती हैं। उन्होंने एक मोटरसाइकिल छोड़ी है, जिसे चोरों ने जलाने की कोशिश की थी।

चुराए गए आभूषणों में नेपोलियन की रानी यूजीन और फ्रांसीसी शाही परिवार के अन्य सदस्यों के आभूषण शामिल हैं। खोए हुए आभूषण मुख्य रूप

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गृहमंत्री अमित शाह को जन्मदिन की हार्दिक बधाई'

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को आज 61वें जन्मदिन की हार्दिक बधाई दी।

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गृहमंत्री को एक्स पर 61 वें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर साझा किए गए एक संदेश में, शाह के जनसेवा के प्रति अटूट समर्पण और भारत के आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। " गृह मंत्री अमित शाह जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जनसेवा के प्रति उनका समर्पण और प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा और सम्मान सुनिश्चित करने के लिए उनके अथक प्रयास वास्तव में सराहनीय हैं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन प्रदान करे।"

विचार बिन्दु

मनुष्य अपना स्वामी नहीं, परिस्थितियों का दास है। –भगवतीचरण वर्मा

राजस्थान में कृषि शिक्षा को केंद्र के अधीन अथवा उपभोक्ता संरक्षण क़ानून के अंतर्गत लाना अब बेहद जरुरी!

राज्य में कृषि शिक्षा की जो दुर्दशा राज्य सरकार ने की है वैसी पूर्व में कभी नहीं देखी गयी। ढाई दशक से दोनों पार्टिओं की सरकारों ने इस दुर्दशा को बढ़ाने में योगदान दिया। प्रशासन में सचिव वित्त, सचिव कृषि और उनके सहयोगिओं ने इस अवनति प्रक्रिया में सम्बंधित मंत्रिओं और मुख्य मंत्री का भरपूर सहयोग किया।

इसलिए यदि दोषी माना जाये तो सम्पूर्ण शासन–प्रशासन व्यवस्था ही इस विध्वंश के लिए जिम्मेदार है।

खामिजामा इसका बहुत बड़ा है देश द्रोह जैसा, एक तो धोखा उन छात्रों और उनके अभिवावकों के साथ जो विज्ञापन के अनुसार कृषि शिक्षा ग्रहण करने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिए और जिस पर पेरेंट्स ने चार वर्षों तक उस शिक्षा का वित्तीय भार झेला हो सकता है, कईओं ने कर्ज भी लिया हो किसी ने अपनी खेती कुछ वर्ष के लिए किसी से आर्थिक सहयोग के बदले उसे एक अवधि के लिए दे दी हो और कुछ ने संभवतः अपनी पुश्तैनी खेती इस खातिर बेच भी दी हो, इन सबसे बेखबर और बेफिक्र राज्य की शासन व्यवस्था समुचित शिक्षा संसाधन उपलब्धता जुटाने में निष्क्रिय और असफल रही।

यह लेख लिखने के लिए मैंनें कृषि शिक्षित छात्रों के बहुत सीमित एम्प्लॉयमेंट अवसरों या कहें नगण्य अवसरों की एक अंग्रेजी अखवार टाइम्स ऑफ़ इंडिया दिनांक अक्टूबर 6 में छपी खबर पढ़ने के उपरान्त उत्पन्न मानसिक पीड़ा स्वरुप लिखा। खबर का आधार नेशनल इंस्टीटूशनल रैंकिंग फ्रेम वर्क के आंकलन को आधार बनाते हुए भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद् के डिप्टी डायरेक्टर जनरल डॉ आर.सी. अग्रवाल द्वारा विस्तृत विश्लेषण करते हुए लिखी गई। पूरा व्योरा पढ़ने पर आभास हुआ कि राजस्थान में कृषि शिक्षा व् अनुसन्धान के बारे ये कितनी सटीक और सत्य प्रतीत होती है। खबर के अनुसार केवल 29 प्रतिशत कृषि स्नातक ही कैंपस प्लेसमेंट के अंतर्गत विभिन्न पदों के लिए योग्य पाए गए। रिपोर्ट आगे भी बहुत कुछ कहती है विशेष तौर पर कि अधिकांश प्रत्याशी प्रैक्टिकल और स्किल्स परफॉर्म करने में नाकाम थे। इसका आशय है कि अध्ययन की अवधि में प्रैक्टिकल और प्रैक्टिस दक्षता व् आधुनिक उपकरणों पर कार्य अनुभव में वे सभी अयोग्य साबित हुए।

अभी यह एक आंकलन रिपोर्ट है आगे ऐसी रिपोर्टें और पब्लिश होंगी। तब कृषि शिक्षा में गिरावट की भयावता जनता और किसान सभी जानेगे। सरकार तो इस गिरावट की जननी है ऐसी रिपोर्टें छपती रहें कोई परवाह नहीं, जब तक कि देश और राज्य वर्ष 1964–65 की स्तिथि में नहीं पहुँच जाते और केंद्र के प्रधान तथाकथित सेवक मय अपने कृषि मंत्री और कुछ पूर्व कृषि वैज्ञानिकों को लेकर अन्य देशों में कटोरा लेकर नहीं निकलते ?

यदि भारत को कृषि संपन्न और सुद्रण बनाये रखना है तो यह काम केंद्र की परिधि में ही वांछनीय है। यह ऐसा महत्वपूर्ण महकमा है जिसे हम देश की रीढ़ कह सकते हैं। देश की समस्त जनता की उदरपूर्ति और स्वास्थ्य यदि ठीक से साध लिया गया तो सभी अन्य संसाधनों को सुचारु चलाने के लिए कोई भी व्यक्ति अपने शरीर और उदर को नहीं देखेगा।

राजस्थान की सरकार के बारे में तो मैं विश्वास से कह सकता हूँ कि यही दशा रही तो प्रदेश भविष्य में कृषि उत्पादन श्रेणी में नीचे से पहली पायदान पर होगा। इस लेख के पाठक मेरी यह बात संजो के रख लें जिससे वह समय आने पर वे कह सकें कि एक लेखक ने ऐसी स्तिथि के लिए पूर्व में चेताया था।

जब वैसी स्तिथि सामने होगी उस समय कृषि विश्व विद्यालयों की प्रयोगशालाओं में उपस्तिथि देशी और विदेशी उपकरण जंग खाकर कवाड़ में नीलाम हो जायेंगे। तब की सरकारें संभवतः फिर से वर्ल्ड बैंक अथवा ऐसी ही कोई और अन्तर्राष्ट्रीय संस्था से कर्ज या आर्थिक सहायता की गुहार करेंगी। लेकिन भारत में तब कोई स्वामीनाथन अथवा बोरलॉग सरीखा वैज्ञानिक उपलब्ध नहीं होगा।

देश कितनी ही तरक्की कर ले तरक्की के स्थायुत्व और सतत विकास का रास्ता तब तक नहीं खुलेगा जब तक कृषि शिक्षा, अनुसन्धान और उसके खेतों तक प्रसार की कड़ियाँ निर्माण होकर सुद्रण नहीं बनेंगी। ऐसा तभी संभव होगा जब सम्पूर्ण कृषि शिक्षा, अनुसन्धान और तकनीक प्रसार के कार्य को केंद्र अपने हाथ में नहीं लेता।

इसलिए यदि भारत को कृषि संपन्न और सुद्रण बनाये रखना है तो यह काम केंद्र की परिधि में ही वांछनीय है। यह ऐसा महत्वपूर्ण महकमा है जिसे हम देश की रीढ़ कह सकते हैं। देश की समस्त जनता की उदरपूर्ति और स्वास्थ्य यदि ठीक से साध लिया गया तो सभी अन्य संसाधनों को सुचारु चलाने के लिए कोई भी व्यक्ति अपने शरीर और उदर को नहीं देखेगा।

मैं जो ऐसा अनुभव कर पा रहा हूँ उसका मुख्य कारण है मेरा भुक्तभोगी होना। वर्ष 1962 के बाद के समय मैनें अपने परिवार सहित अमेरिका का लाल गेंहू खाया है जिसे परिवार का कोई सदस्य घंटों राशन की दूकान पर लाईन में खड़े होकर प्राप्त करता था। आज की पीढ़ी ऐसी अवस्था की पीड़ा को तबतक अनुभव नहीं सकती जबतक वे एक बार ऐसी स्तिथि से न गुजरें।

अंत मैं मेरी केंद्र सरकार से गुजारिश है कि वह राजस्थान प्रदेश की सम्पूर्ण कृषि शिक्षा, अनुसन्धान और सम्बंधित टेक्नोलॉजी ट्रांसफर का ताना–बाना अविलम्ब अपने अधीन करे। यदि ऐसा करना असंभव हो तो इस शिक्षा, अनुसन्धान और तकनिकी प्रसार कार्य को 'उपभोक्ता संरक्षण क़ानून' के अंतर्गत किया जाय ताकि अपने अधिकार के लिए सम्बंधित लोग संघर्ष कर सकें और अधिकारों पर कुठाराघात करने वालों को उत्तरदायी ठहरा कर उन पर समुचित आर्थिक दंड दिलवा सकें।

मेरा यह सुझाव सम्पूर्ण कृषि क्षेत्र के बचाव, उन्नयन और विकास के लिए श्रेयकर रहेगा और प्रदेश का किसान सभी दृष्टिओं से अधिक लाभान्वित होगा। आशा करता हूँ कृषि के बारे में मेरे इन दो सुझावों पर सरकार निष्पक्ष विचार कर निर्णय लेगी।

बिघटन होते ओर न देखें वांछित कार्यवाही अपेक्षित है। श्रीराम किसानी और किसानों की भली करें।

–अतिथि सम्पादक,
प्रो.वीर बहादुर सिंह,
पूर्व कुलपति एवं डीन डेरी व् खाद्य प्रौद्योगिकी,
महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्व विद्यालय, उदयपुर राजस्थान

राशिफल गुरूवार 23 अक्टूबर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

कार्तिक मास, कृष्ण पक्ष, द्वितीया तिथि, गुरूवार, विक्रम संवत 2082, विशाखा नक्षत्र रात्रि 4:51 तक, आयुष्मान योग शुक्रवार प्रातः 5:00 तक, बालव करण दिन 9:32 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 10:06 से वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–तुला, चन्द्रमा–तुला, मंगल–तुला, बुध–तुला, गुरू–मिथुन, शुक्र–कन्या, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि और रवियोग रात्रि 4:51 से आरम्भ होगा। सायन वृश्चिक में सूर्य प्रवेश प्रातः 9:21 पर करेगा। आज चन्द्र दर्शन, उत्तर श्रृंगोन्नति, भैया दूज, यम द्वितीया, चित्र गुप्त पूजा, कलम दवात पूजा है। आज विश्वकर्मा दिवस है। आज से राष्ट्रीय कार्तिक मास आरम्भ होगा और हेमन्त ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ सूर्योदय से 7:59 तक, चर 10:47 से 12:11 तक, लाभ अमृत 12:11 से 2:59 तक, शुभ 4:24 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 1:30 से 3:00 तक। सूर्योदय 6:35, सूर्यास्त 5:55

मेष
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सिंह
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

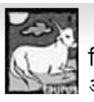

वृष
मित्रों/रिश्तेदारों से चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। वाणी पर संयम रखना ठीक रहेगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

कुंभ
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक–मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। घर–परिवार में महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है।

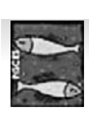

मीन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान उत्पन्न हो सकते हैं। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

भारतीय संस्कृति में प्रकृति संरक्षण का प्रतीक है "गोवर्धन पूजा"

गोवर्धन पूजा को अन्नकूट महोत्सव भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भोजन का पहाड़। इस दिन भक्तजन 56 प्रकार के व्यंजन छप्पन भोग तैयार कर भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत को अर्पित करते हैं

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

दीपोत्सव की आलोकमय श्रृंखला में दीपावली के अगले दिन मनाई जाने वाली गोवर्धन पूजा भारतीय संस्कृति का ऐसा पर्व है जो केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, संरक्षण और सह–अस्तित्व की चेतना का उत्सव है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि मनुष्य का जीवन प्रकृति के वरदानों पर टिका है, और उनका सम्मान करना ही सच्चा धर्म है। बृज क्षेत्र में स्थित गोवर्धन पर्वत न केवल पौराणिक दृष्टि से, बल्कि सांस्कृतिक और पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही वह पर्वत है, जिसे भगवान श्रीकृष्ण ने द्वापर युग में अपनी छोटी उंगली पर उठाकर बृजवासियों को भीषण वर्षा से बचाया था। इस कथा में निहित संदेश केवल दैवी चमत्कार का नहीं, बल्कि यह प्रकृति की शक्तियों के प्रति आदर और संतुलन का प्रतीक है।

विष्णु पुराण के अनुसार, जब ब्रजवासी वर्षा देव इंद्र की पूजा करते थे, तब बालक कृष्ण ने उन्हें समझाया कि वर्षा और समृद्धि का वास्तविक स्त्रोत गोवर्धन पर्वत और प्रकृति है, जो पशु–पक्षियों, पेड़–पौधों और मनुष्यों को जीवनदायिनी ऊर्जा प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि इंद्र नहीं, इस पर्वत की पूजा करो, जो तुम्हें जीवन देता है। यही वह क्षण था जब मानव ने पहली बार ईश्वर के साथ–साथ प्रकृति को भी पूज्य मानने की परंपरा को अंगीकार किया।

पौराणिक मान्यता के अनुसार, जब भगवान श्रीराम लंका विजय हेतु सेतु निर्माण का कार्य कर रहे थे, तब उन्होंने वानर सेना को पर्वत और विशाल पत्थर लाने का आदेश दिया। हनुमान जब द्रोणगिरी पहुंचे तो वहाँ गोवर्धन पर्वत मिले, जिन्होंने विनम्रतापूर्वक श्रीराम की सेवा में जाने की अनुमति दी किंतु शर्त रखी कि उन्हें भगवान के दर्शन अवश्य कराए जाएं।

हनुमान गोवर्धन को लेकर समुद्र तट की ओर जा ही रहे थे कि तभी संदेश मिला कि पुल निर्माण पूरा हो गया है। उन्होंने गोवर्धन को ब्रजभूमि में स्थापित कर दिया। हनुमान ने भगवान राम से प्रार्थना की और प्रभु ने आश्वासन दिया कि द्वापर युग में श्रीकृष्ण रूप में अवतार लेकर वे स्वयं गोवर्धन की पूजा करेंगे। यही वचन श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने की दिव्य लीला के रूप में पूर्ण हुआ। गोवर्धन परिक्रमा हिंदू आस्था में अत्यंत पवित्र मानी जाती है। लगभग 21 किलोमीटर लंबी परिक्रमा भगवान श्रीकृष्ण के प्रति भक्ति, श्रद्धा और प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है। भक्तजन गोवर्धन पर्वत की परिक्रमा कर अपने जीवन से अहंकार, पाप और नकारात्मकता को दूर करने का संकल्प लेते हैं। यह यात्रा आत्मशुद्धि, संयम और आध्यात्मिक उन्नित का माध्यम मानी जाती है। परिक्रमा के दौरान हर कदम प्रकृति के प्रति कृतज्ञता, जीवों के प्रति करुणा और ईश्वर पर पूर्ण विश्वास का संदेश देता है।

गोवर्धन पूजा को अन्नकूट महोत्सव भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है भोजन का पहाड़। इस दिन भक्तजन 56 प्रकार के व्यंजन छप्पन भोग तैयार कर भगवान श्रीकृष्ण और गोवर्धन पर्वत को अर्पित करते हैं। यह अर्पण केवल धार्मिक भाव से नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति आभार प्रकट करने का माध्यम है। खेतों की उपज, जल, पशुधन और पृथ्वी की उर्वरता सब कुछ उसी प्राकृतिक चक्र का परिणाम हैं।

यह पर्व इन सभी की रक्षा और सम्मान करने का संदेश देता है। ब्रजभूमि सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों में यह पर्व अनूठे उल्लास के साथ मनाया जाता है। लोग गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत के प्रतीक स्वरूप आकृतियाँ बनाते हैं, उन्हें पुष्पों और रंगों से सजाते हैं, और कीर्तन–भजन करते हुए परिक्रमा करते हैं। यह परंपरा धरती माता और गौमाता के प्रति भारतीय श्रद्धा की जीवंत अभिव्यक्ति है।

दीपावली के अगले दिन ब्रजभूमि में मंदिरों में अन्नकूट प्रसादी का आयोजन होता है। श्रद्धालु अपने घरों में गोबर से बने गोवर्धन की पूजा करते हैं और सामूहिक भंडारों में प्रसाद वितरित करते हैं। प्रमुख मंदिरों में भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की मूर्तियों का दूधाभिषेक किया जाता है तथा मंदिरों को पुष्पों और दीपों से सजाया जाता है। ब्रजवासियों के लिए यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि अपने आराध्य श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं को स्मरण करने का अवसर है। स्थानीय लोकगीतों और भजनों में गोवर्धन की महिमा का वर्णन होता है। गिरिराज धरण की जय हो का जयघोष आज भी प्रकृति की शक्ति के प्रति भारतीय आस्था का जीवंत प्रतीक है।

गोवर्धन पर्वत का इतिहास महाभारत काल से भी जुड़ा है। द्रोणाचल पर्वत के पुत्र गोवर्धन की सुंदरता देखकर पुलस्त्य ऋषि ने उसे काशी में स्थापित करने का मन बनाया। किंतु ब्रजभूमि पर पहुँचते ही गोवर्धन वहीं स्थिर हो गया। ऋषि के श्राप से उसे प्रतिदिन तिल–तिल घटने का अभिशाप मिला, और आज भी कहा जाता है कि गोवर्धन पर्वत का आकार धीरे–धीरे कम होता जा रहा है। यह कथा प्रतीकात्मक रूप से बताती है कि यदि मनुष्य प्रकृति के साथ अपने अहंकार के कारण छेड़छाड़ करेगा, तो वह धीरे–धीरे उसका क्षय कर देगा। श्रीकृष्ण द्वारा उसी गोवर्धन पर्वत को उठाकर इंद्र के घमंड का दमन करना यह संदेश देता है कि प्रकृति से विरोध नहीं, सहयोग ही जीवन का मूलमंत्र है। गोवर्धन पूजा हमें यह सिखाती है कि मनुष्य का अस्तित्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश इन पंचतत्वों पर निर्भर है। इन्हीं तत्वों का संतुलन ही सृष्टि के जीवन चक्र को संचालित करता है। जब मनुष्य अहंकारवश इन तत्वों का शोषण करने लगता है, तब प्रकृति प्रतिशोध के रूप में आपदाओं, अतिवृष्टि या अनावृष्टि के रूप में चेतावनी देती है।

गोवर्धन पर्व की कथा इसी चेतावनी का रूपक है। जब इंद्र के घमंड से उत्पन्न मूसलाधार वर्षा ने ब्रज को डुबो दिया, तब कृष्ण ने पर्वत उठाकर जीवों की रक्षा की। यह रक्षा केवल भौतिक नहीं, बल्कि नैतिक भी थी। उन्होंने समाज को सिखाया कि प्रकृति की पूजा करो, क्योंकि वही तुम्हारा वास्तविक रक्षक है।

आज जब जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग और पर्यावरणीय असंतुलन जैसी चुनौतियाँ सामने हैं, तब गोवर्धन पूजा का संदेश और भी प्रासंगिक हो उठता है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि विकास का अर्थ केवल भौतिक प्रगति नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ संतुलित सह–अस्तित्व है।

यदि हम अपने पर्यावरण को प्रदूषित करेंगे, वनों को नष्ट करेंगे, जल स्त्रोतों को सूखने देंगे, तो अंततः वही संकट हमारे अस्तित्व को चुनौती देगा। गोवर्धन पूजा का यह संदेश आज के युग में प्रकृति पूजन से प्रकृति संरक्षण तक का सामाजिक अभियान बन सकता है। गोवर्धन पूजा भारतीय जीवनदर्शन की उस मूल भावना का प्रतीक है जहाँ धर्म, संस्कृति और पर्यावरण एक–दूसरे से गहराई से जुड़े हैं। यह पर्व केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि मानवता के लिए प्रकृति संरक्षण का सार्वभौमिक संदेश है। ब्रज की गोवर्धन परिक्रमा हो या छप्पन भोग का अर्पण, यह सब उस ऋण को चुकाने का प्रयास है जो मनुष्य प्रकृति से लेता आया है। श्रीकृष्ण की सीख आज भी उतनी ही प्रासंगिक है कि प्रकृति हमारी पूज्य माता है, उसका आदर और संरक्षण ही सच्चा धर्म है। गोवर्धन पूजा इस चेतना का शाश्वत उत्सव है।

–भजनलाल शर्मा,
मुख्यमंत्री, राजस्थान

उच्च शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग : मुद्दे, चुनौतियां और संभावनाएं

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जो कभी विज्ञान फिक्शन का विषय हुआ करता था, आज उच्च शिक्षा के परिदृश्य को तेजी से बदल रहा है

प्रो. अशोक कुमार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), जो कभी विज्ञान फिक्शन का विषय हुआ करता था, आज उच्च शिक्षा के परिदृश्य को तेजी से बदल रहा है। शिक्षण और सीखने के तरीके को बेहतर बनाने की अपार क्षमता के कारण, AI अब केवल एक तकनीकी उपकरण नहीं, बल्कि शैक्षणिक विकास का एक शक्तिशाली उत्प्रेरक बन गया है। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान भी इस परिवर्तन को अपना रहे हैं, जिससे छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए नए अवसर खुल रहे हैं। हालांकि, इस क्रांति के साथ–साथ कई नैतिक, संरचनात्मक और शैक्षणिक चुनौतियां भी सामने आ रही हैं, जिन पर विचार करना अत्यंत आवश्यक है।

उच्च शिक्षा में AI का उपयोग और अवसर

AI, उच्च शिक्षा के कई पहलुओं में क्रांतिकारी बदलाव ला रहा है:–

1. व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव

AI –संचालित प्लेटफॉर्म प्रत्येक छात्र की सीखने की गति, शैली और ज्ञान के स्तर के अनुरूप सामग्री और प्रतिक्रिया प्रदान कर सकते हैं। यह शिक्षकों को एक ही पाठ्यक्रम के भीतर भिन्न–भिन्न आवश्यकताओं वाले छात्रों को प्रभावी ढंग से समर्थन देने की अनुमति देता है। उदाहरण के लिए, AI ट्यूटरिंग सिस्टम छात्रों को उनके कमजोर क्षेत्रों की पहचान करके वास्तविक समय में सहायता प्रदान करते हैं।

2. प्रशासनिक दक्षता और कार्यभार में कमी

AI, प्रवेश प्रक्रिया, छात्र सहायता, पाठ्यक्रम पंजीकरण और ग्रेडिंग जैसे दोहराव वाले प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित कर सकता है। इससे शिक्षकों का समय बचता है, जिसे वे शोध, पाठ्यक्रम विकास और छात्रों के साथ अधिक सार्थक बातचीत में लगा सकते हैं। चैटबॉट्स छात्रों के सामान्य प्रश्नों का 24/7 उत्तर देकर तत्काल सहायता प्रदान करते हैं।

3. मूल्यांकन और प्रतिक्रिया

AI, असाइनमेंट और परीक्षाओं के स्वचालित मूल्यांकन में मदद करता है, जिससे ग्रेडिंग की प्रक्रिया तेज और अधिक सुसंगत हो जाती है। यह न केवल समय बचाता है, बल्कि छात्रों को जल्दी और विस्तृत प्रतिक्रिया भी सुनिश्चित करता है, जिससे वे अपनी गलतियों को तुरंत सुधार सकें।

4. सुगमता और समावेशिता

AI –आधारित उपकरण जैसे कि टेक्स्ट–टू–स्पीच, ऑटो–ट्रांसलेशन और क्षेत्रीय भाषा समर्थन शिक्षा को अधिक सुलभ बनाते हैं। इससे ग्रामीण क्षेत्रों के छात्रों और विशेष आवश्यकता वाले छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा प्राप्त करना आसान हो जाता है, जिससे शैक्षणिक असमानता कम होती है।

5. अनुसंधान में सहायता

AI उपकरण, जैसे कि डेटा विश्लेषण और पैटर्न पहचान एल्गोरिदम, शोधकर्ताओं को बड़े डेटासेट को संसाधित करने और नए ज्ञान उत्पन्न करने में मदद करते हैं, जिससे शोध की गति और गहराई बढ़ती है।

प्रमुख मुद्दे और चुनौतियां :–

AI के लाभों के साथ ही कई गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं, जिनका समाधान करना जरूरी है:–

1. शैक्षणिक ईमानदारी और साहित्यिक चोरी

जनरेटिव AI टूल जैसे कि ChatGPT छात्रों को आसानी से असाइनमेंट और निबंध तैयार करने की अनुमति देते हैं। यह शैक्षणिक ईमानदारी के संकट को जन्म देता है, जहाँ छात्र सीखने की प्रक्रिया को दरकिनार कर देते हैं। शिक्षकों को अब यह सुनिश्चित करने के लिए मूल्यांकन के तरीकों को फिर से डिज़ाइन करना होगा कि वे छात्रों के मौलिक विचार और आलोचनात्मक सोच का परीक्षण करें।

2. नैतिक पूर्वाग्रह और निष्पक्षता

AI सिस्टम को जिस डेटा पर प्रशिक्षित किया जाता है, यदि वह डेटा पूर्वाग्रही हो, तो AI भी समाज में मौजूदा असमानताओं और भेदभाव को दोहरा सकता है। उदाहरण के लिए, एक भर्ती AI, ऐतिहासिक रूप से कम प्रतिनिधित्व वाले समूहों के खिलाफ पक्षपात कर सकता है। उच्च शिक्षा संस्थानों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके अनुप्रयोग निष्पक्ष और न्यायसंगत हों।

3. डेटा गोपनीयता और सुरक्षा

AI –आधारित प्रणालियों को छात्र प्रदर्शन, व्यवहार पैटर्न और व्यक्तिगत जानकारी सहित संवेदनशील डेटा की बड़ी मात्रा को एकत्र और विश्लेषण करने की आवश्यकता होती है। इस डेटा की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करना एक बड़ी चुनौती है, क्योंकि साइबर सुरक्षा जोखिमों का खतरा हमेशा बना रहता है।

4. डिजिटल विभाजन और पहुंच की असमानता :–

AI प्रौद्योगिकियों को लागू करने के लिए महंगे बुनियादी ढांचे, तेज इंटरनेट और उन्नत उपकरणों की आवश्यकता होती है। यह डिजिटल विभाजन को और गहरा कर सकता है, जहाँ आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि वाले छात्रों को इन अवसरों से वंचित होना पड़ सकता है।

5. मानव स्पर्श संस्थापन:

AI शिक्षकों के कार्यभार को कम कर सकता है, लेकिन इस बात का खतरा भी है कि छात्र–शिक्षक के बीच व्यक्तिगत और भावनात्मक संबंध कमजोर हो सकते हैं। शिक्षा केवल सूचना का आदान–प्रदान नहीं है; यह आलोचनात्मक सोच, रचनात्मकता और सामाजिक–भावनात्मक कौशल के विकास के लिए मानव संपर्क पर भी निर्भर करती है।

6. शिक्षक तैयारी और : AI

अधिकांश शिक्षक AI टूल के प्रभावी उपयोग और उनके नैतिक निहितार्थों से पूरी तरह परिचित नहीं हैं। AI को सफलतापूर्वक एकीकृत करने के लिए, शिक्षकों और छात्रों दोनों के लिए AI साक्षरता और प्रशिक्षण में बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता है।

भविष्य की संभावनाएं और आगे की राह (Prospects and Way Forward)

AI उच्च शिक्षा के भविष्य को आकार देने के लिए असीम संभावनाएं प्रस्तुत करता है, बशर्ते हम चुनौतियों का समाधान विवेकपूर्ण तरीके से करें।

1. नवाचार और नए कौशल (Innovation and New Skills)

AI, आलोचनात्मक सोच, जटिल समस्या–समाधान, रचनात्मकता और अनुकूलनशीलता जैसे 21वीं सदी के कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पाठ्यक्रम को बदलने का अवसर प्रदान करता है। छात्र AI को एक उपकरण के रूप में उपयोग करना सीखेंगे, न कि केवल एक प्रतिस्थापन के रूप में।

2. जिम्मेदार AI के लिए शासन (Governance for Responsible AI)

संस्थानों को AI के उपयोग के लिए स्पष्ट नैतिक दिशानिर्देश और नीतियां विकसित करनी होंगी। इन नीतियों को निष्पक्षता, पारदर्शिता और डेटा गोपनीयता के सिद्धांतों पर आधारित होना चाहिए, ताकि AI का उपयोग समावेशी और न्यायसंगत तरीके से हो सके।

3. सहयोगी शिक्षण मॉडल :–

AI को शिक्षक का विकल्प नहीं, बल्कि एक सहकर्मी माना जाना चाहिए। भविष्य का मॉडल एक हाइब्रिड दृष्टिकोण होगा, जहाँ AI प्रशासनिक और दोहराव वाले कार्यों को संभालता है, जबकि शिक्षक छात्रों को मार्गदर्शन, प्रेरणा और मानवीय अंतर्दृष्टि प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं ।

सरकारों और HEIs को AI –आधारित प्रौद्योगिकियों और डिजिटल बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाना होगा। इक्विटी सुनिश्चित करने के लिए, लक्षित हस्तक्षेपो के माध्यम से वंचित छात्रों के लिए संसाधनों तक पहुंच सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है।

निष्कर्ष– उच्च शिक्षा में AI का आगमन एक अपरिवर्तनीय क्रांति है। यह शिक्षा के दायरे को विस्तृत करने, व्यक्तिगत अनुभवों को बेहतर बनाने और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने की अभूतपूर्व क्षमता रखता है। हालांकि, इसकी सफल और नैतिक तैनाती के लिए सावधानीपूर्वक योजना, मजबूत नैतिक ढांचे और शिक्षकों के निरंतर प्रशिक्षण की आवश्यकता है। अगर AI को जिम्मेदारी के साथ और मानव–केंद्रित दृष्टिकोण के साथ अपनाया जाए, तो यह निश्चित रूप से भविष्य की शिक्षा को मजबूत, सुलभ और न्यायसंगत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं है, बल्कि मानव क्षमता को अधिकतम करना है, और AI इस लक्ष्य को प्राप्त करने का एक शक्तिशाली साधन हो सकता है।

–प्रो. अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष
राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर

'पुलिस तकनीक के साथ करेगी अपराध पर प्रहार, अपराधियों का बचना नामुमकिन'

जेईसीसी में 8 दिवसीय नव विधान प्रदर्शनी का हुआ भव्य समापन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जेईसीसी, सीतापुरा में आयोजित नव विधान-न्याय की पहचान प्रदर्शनी का मंगलवार की शाम भव्य समारोह के साथ सफलतापूर्वक समापन हो गया। इस 8 दिवसीय प्रदर्शनी में नए आपराधिक कानूनों की बारीकियों को आधुनिक पुलिस नवाचारों के माध्यम से जनता तक पहुंचाया गया। प्रदर्शनी की कुल डिजिटल और भौतिक पहुँच 1.8 करोड़ से अधिक रही, जो इसकी ऐतिहासिक सफलता को दर्शाती है।

समारोह में गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम मुख्य अतिथि रहे और उनके साथ विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत तथा पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा सहित महानिदेशक आनंद श्रीवास्तव संजय अग्रवाल, मालिनी अग्रवाल, निदेशक आरपीए एवं अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस एस. सेंगाथिर अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढम ने सीतापुरा स्थित जेईसीसी में ''नव विधान-न्याय की पहचान'' प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

न्याय में सुलभता और अपराध पर कठोर प्रहार

मुख्य अतिथि जवाहर सिंह बेढम ने कहा कि नए कानूनों से न्याय मिलने में सुलभता और समयबद्धता आई है, जिससे अपराधों के ग्राफ में भारी कमी आई है। उन्होंने जोर दिया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पदभार ग्रहण करने के बाद यही प्राथमिकता थी कि राजस्थान अपराध मुक्त बने और अपराधियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

बेढम ने राजस्थान पुलिस की पूरी टीम को बधाई दी कि उन्होंने सिस्टम को अपग्रेड कर अपराध के खिलाफ प्रभावी प्रहार किया है।बेढम ने कहा नए कानून में तकनीकी साक्ष्य पर बल है, जिससे गवाहों के मुकरने की संभावना कम हो जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि डिजिटल तरीके से साक्ष्य उपलब्ध होने पर अपराधियों को कड़ी सजा मिलेगी और कोई भी अपराधी अब बच नहीं पाएगा।

टेक्नोलॉजी, कनेक्टिविटी और मॉनिटरिंग पर जोर

विशिष्ट अतिथि भास्कर ए. सावंत ने कहा कि एक चुस्त-दुरुस्त आपराधिक न्याय प्रणाली स्थापित करने के लिए टेक्नोलॉजी, कनेक्टिविटी और हार्डवेयर अपग्रेड आवश्यक हैं, जिसमें यूआईटी की अहम भूमिका है। उन्होंने पुलिस को आपराधिक न्याय प्रणाली का सबसे बड़ा स्तंभ बताया और आश्वस्त किया कि तंत्र को मजबूत करने के लिए आने वाले प्रस्तावों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। सावंत ने मॉनिटरिंग की आवश्यकता पर जोर दिया, जिसके लिए राज्य और जिला स्तर पर सिंपल डैशबोर्ड होना चाहिए ताकि तंत्र की प्रभावशीलता सुनिश्चित की जा सके।

शताब्दी का सबसे बड़ा परिवर्तन

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने प्रदर्शनी को शताब्दी का सबसे बड़ा परिवर्तन बताया, जो औपनिवेशिक कानून को बदलकर देश को अपने लोगों द्वारा बनाए गए कानून दे रहा है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शनी इस बदलाव के पीछे की सोच को दर्शाती है। डीजीपी ने पुलिसकर्मियों की सराहना की कि उन्होंने ऑनलाइन माध्यम से भी जुड़कर नए कानून की बारीकियों को समझा। उन्होंने जोर दिया कि यह समापन नहीं, बल्कि एक नई शुरुआत है, जिसमें पुलिस पारदर्शिता और तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों को त्वरित और बेहतर न्याय दिलाना सुनिश्चित करेगी। शर्मा ने राजस्थान पुलिस सेवार्थ कटिबद्धता का संकल्प दोहराया। आरंभ में आरपीए निदेशक एडीजीपी एस सेंगाथिर ने स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रदर्शनी की विषयवस्तु और उपलब्धियों के बारे में बताया।

रिकॉर्ड 2 लाख सहभागिता रही

जेईसीसी सीतापुरा में आयोजित नव विधान -न्याय की पहचान प्रदर्शनी देश में लागू हुए तीन नए आपराधिक कानूनों की समझ को आधुनिक पुलिस नवाचारों के माध्यम से जनता तक पहुंचाने का एक सफल मंच बनी।

जिसमें भौतिक और ऑनलाइन माध्यम से 1.67 करोड़ से अधिक लोगों की रिकॉर्ड-तोड़ भागीदारी दर्ज की गई। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक एस. सेंगाथिर ने प्रदर्शनी का उद्घाटन 13 अक्टूबर को केंद्रीय गृह एव सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा जेईसीसी में किया गया था। उद्घाटन समारोह में भौतिक रूप से 15 हजार और ऑनलाइन माध्यम से 1.25 लाख लोगों ने भाग लिया।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एवं राजस्थान पुलिस अकादमी के निदेशक एस. सेंगाथिर ने आठ दिनों तक चली मुख्य प्रदर्शनी (14 अक्टूबर से 21 अक्टूबर) में करीब 58 हजार लोगों ने भौतिक रूप से अवलोकन किया। इसमें 14,000 शैक्षिणक संस्थानों के प्रतिनिधि, 13,200 व्यावसायिक-सोश्यल समूह एवं सरकारी कर्मचारी, 2,700 सीएलजी-सुरक्षा सखी सदस्य और 11800 पुलिसकर्मी शामिल थे। प्रदर्शनी की महत्ता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 22 उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों, 140 एपीपी/वकीलों और 170 डॉक्टरों सहित 550 विशेष अतिथियों ने भी इसे देखा।

सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त धूम

प्रदर्शनी की पहुँच केवल भौतिक परिसर तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी इसने धूम मचाई।

विभिन्न हैंडल्स से कुल 200 पोस्ट किए गए, जिन्होंने 16.7 मिलियन (1.67 करोड़) से अधिक व्यूज प्राप्त किए। इनमें इंस्टाग्राम पर 7 मिलियन, फेसबुक पर 5.2 मिलियन, ट्विटर पर 2.8 मिलियन और यूट्यूब पर 1.7 मिलियन व्यूज शामिल हैं, जो इसकी व्यापक सफलता को दर्शाते हैं।

तकनीक और सिमुलेशन बने मुख्य आकर्षण

प्रदर्शनी का एक प्रमुख आकर्षण आधुनिक पुलिस तकनीक और सिमुलेटर रहे, जिन्होंने आगंतुकों को पुलिस प्रशिक्षण का सीधा अनुभव दिया।

पुलिसकर्मी और आमजन दोनों ही इन उपकरणों के उपयोग को लेकर काफी उत्साहित थे। फायरिंग सिमुलेटर पर लगभग 16 हजार लोगों ने अभ्यास किया, जबकि वाहन सिमुलेटर का अनुभव लगभग 8 हजार लोगों ने लिया। इसके अलावा पुलिस कार्यप्रणाली से संबंधित क्विज प्रतियोगिताओं में 18 हजार लोगों ने भाग लिया।

कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में फर्जी दस्तावेजों की मदद से बैठाया था डमी कैंडिडेट

उदयपुर पुलिस ने कराया सोडाला थाने में आरोपित डमी कैंडिडेट के खिलाफ मामला दर्ज

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान कांस्टेबल भर्ती परीक्षा में एआई टेक्नीक से पकड़े गए डमी कैंडिडेट से उदयपुर पुलिस की पूछताछ में अपने भाइयों की जगह डमी कैंडिडेट के रूप में बैठकर वह तीन भर्ती परीक्षा देना सामने आया है । उसने परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठने के लिए फर्जी दस्तावेज का प्रयोग किया था। इस संबंध में उदयपुर पुलिस की ओर से जयपुर के सोडाला थाने में आरोपित डमी कैंडिडेट के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल में जुटी है।

थानाधिकारी बलवीर सिंह ने बताया कि उदयपुर के (नगर पूर्व) के सीओ छगन पुरोहित ने मामला दर्ज करवाया है कि कांस्टेबल भर्ती परीक्षा-2025 की लिखित परीक्षा 13 सितम्बर को आयोजित हुई थी। उदयपुर के एग्जाम सेंटर पर कांस्टेबल भर्ती परीक्षा देने पवन कुमार शर्मा (25) निवासी राजाखेड़ा जिला धौलपुर पहुंचा था। बायोमेट्रिक इंप्रेशन करने पर पवन कुमार कांस्टेबल भर्ती परीक्षा का मूल कैंडिडेट था।

एआई टेक्निकल के जरिए पवन कुमार के पूर्व में दी गई भर्ती परीक्षा किसी ओर नाम से देना सामने आया। उदयपुर की प्रताप नगर थाना पुलिस ने डमी कैंडिडेट के रूप में पहले भर्ती परीक्षा देने का पता चलने पर पकड़ा था।

उदयपुर पुलिस की पूछताछ में आरोपित पवन कुमार ने कई अहम खुलासे किए। पूछताछ सामने आया कि साल-2022 में जयनारायण विश्वविद्यालय जोधपुर की ओर से बीएड की पीटीईटी की परीक्षा आयोजित हुई थी। भर्ती परीक्षा में उसने छोटे भाई अखिलेश शर्मा की जगह डमी अभ्यर्थी के रूप में धौलपुर के महाराणा सरकारी स्कूल में परीक्षा दी थी। साल-2022 में राजस्थान पुलिस कांस्टेबल की लिखित भर्ती परीक्षा का आयोजन हुआ था।

उस भर्ती परीक्षा में भी छोटे भाई अखिलेश शर्मा के नाम से डमी कैंडिडेट के रूप में जयपुर के कालवाड़ रोड स्थित एग्जाम सेंटर पर परीक्षा दी। जून-2025 को महावीर वर्धमान ओपन यूनिवर्सिटी कोटा ने बीएसटीसी लिखित परीक्षा-2025 का आयोजन किया था। भर्ती परीक्षा में आरोपी पवन कुमार ने अपने ताऊ के लड़के जितेंद्र कुमार शर्मा की जगह डमी अभ्यर्थी बैठकर 22-गोदाम हवा सड़क स्थित यश विद्या मंदिर सीनियर सेकेंड स्कूल में एग्जाम दिया। तीनों भर्ती परीक्षा में डमी कैंडिडेट बैठने के लिए सही दस्तावेज में हेरफेर किया था।

पूर्व मंत्री के नाबालिग बेटे ने ऑडी कार से मारी स्विफ्ट कार को टक्कर

हादसे में घायल हुए युवक-युवती, विरोध करने पर मारपीट करने का आरोप

जयपुर। प्रताप नगर थाना इलाके में एनआरआई सर्किल पर एक स्विफ्ट कार को तेज रफ्तार ऑडी कार ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में स्विफ्ट सवार युवक सहित दो लोग घायल हो गए। हादसे के बाद जब दोनों ने ऑडी कार को रुकवाकर बात करनी चाही तो चालक ने उनके साथ मारपीट कर दी। ऑडी कार ने दो अन्य कारों को भी ठोक दिया था। हरियाणा नंबर की ऑडी कार राजस्थान के पूर्व मंत्री रहे राजकुमार शर्मा का नाबालिग बेटा चला रहा था। जो जगतपुरा में निजी स्कूल का छात्र है और उसकी कार में उसके साथ दो सहपाठी भी बैठे थे। टक्कर इतनी तेज थी कि ऑडी कार के एयर बैग भी खुल गए।

- **पीड़ितों की शिकायत पर पुलिस ने 5 घंटे तक दर्ज नहीं की एफ.आई.आर, पुलिस कमिश्नर के हस्तक्षेप के बाद दर्ज हुआ मामला**

पुलिस के अनुसार पीड़ित पुलकित पारीक निवासी इंदिरा गांधी नगर खोह नागोरियान ने बताया कि अपनी दोस्त सुरभि निवासी रामनगरिया के भाई बीमार होने के कारण उन के इलाज के लिए ब्लड लेकर एनआरआई सर्किल से ठाकुरिया हॉस्पिटल जा रहे थे। दोपहर करीब 2.11 बजे उनकी स्विफ्ट कार को एनआरआई सर्किल पर एक ऑडी कार ने तेज गति से आते हुए उनकी कार को पीछे से टक्कर मारी। जिसके कारण उन्हें और सुरभि को गंभीर चोटें आई। पारीक ने बताया कि टक्कर के बाद उन्होंने और सुरभि ने ऑडी कार के चालक को रोका। इस पर चालक ने उससे और सुरभि से मारपीट शुरू कर दी। ऑडी कार के चालक को मौके पर भीड़ ने पकड़ लिया। जब चालक से उसका नाम-पता पूछा तो उसने खुद को पूर्व एमएलए राजकुमार शर्मा का बेटा बताया। उसने धमकाते हुए कहा कि मेरा तुम लोग कुछ नहीं कर सकते और रही तुम्हारी गाड़ी की बात तो वह हम ठीक करवा देंगे।

पीड़ित पुलकित पारीक ने रिपोर्ट में बताया कि ऑडी कार चलाने वाला युवक खुद को युवराज शर्मा पुत्र राजकुमार शर्मा बता रहा था। उसकी उम्र करीब 15-16 साल बताई जा रही है। पुलकित के अनुसार युवराज ने उन्हें धमकी दी कि मैं एमएलए का बेटा हूं, तुम कुछ नहीं बिगाड़ सकते। घायल पुलकित ने बताया कि प्रताप नगर थाना पुलिस ने उन्हें अस्पताल तक नहीं पहुंचाया, और उन्हें प्राइवेट वाहन से इलाज के लिए जाना पड़ा। उनका आरोप है कि पुलिस ने मौके से आरोपी को छोड़ दिया और 5 घंटे तक एफआईआर दर्ज नहीं की। बाद में पीड़ित ने पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ को शिकायत दी। उनके हस्तक्षेप के बाद ही थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई।

मुख्यमंत्री से मिला प्रतिनिधि मंडल

जयपुर । भारतीय मजदूर संघ के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर आंगनबाड़ी, मिड-डे मील, आशा सहयोगिनी, एनबीसी, परिवहन एवं बिजली कर्मचारियों के मुद्दों पर अपना पक्ष रखा। मुख्यमंत्री ने विशेष रूप से एनबीसी, आशा सहयोगिनी, आशा कर्मचारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, विद्युत् ठेका मजदूर, सर्व शिक्षा लोक जुम्बिश व विशेष शिक्षा एवं असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के हित में ठोस कदम उठाने का आश्वासन दिया। प्रदेश महामंत्री हरिमोहन शर्मा ने कहा कि वर्तमान में मजदूरों की स्थिति अत्यंत दयनीय होती जा रही है।

हाईकोर्ट ने छह करोड की जी.एस.टी. चोरी के आरोपी को दी जमानत

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने छह करोड रुपए से अधिक की जीएसटी चोरी के मामले में आरोपी प्रेम कुमार को जमानत पर रिहा करने के आदेश हैं। जस्टिस चन्द्र प्रकाश श्रीमाली की एकलपीठ ने यह आदेश आरोपी की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि मामले में आरोपी के खिलाफ पेश आरोप पत्र की सुनवाई में समय लगने की संभावना है। वहीं मामले में अभियोजन साक्ष्य हैं, वह इलेक्ट्रॉनिक प्रकृति है और उनके साथ छेडछाड का अंदेशा नहीं है। इसके अलावा आरोपी के खिलाफ पहले से कोई भी आपराधिक प्रकरण लंबित नहीं है। ऐसे में उसे जमानत पर रिहा किया जा सकता है।

- **अदालत ने कहा कि ''इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य से छेड़छाड़ का अंदेशा नहीं है।''**

जमानत याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की कंपनी मैसर्स केशव सीमेंट एजेंसी ने 28 फीसदी जीएसटी अदा कर सीमेंट कंपनी से सीमेंट खरीदी थी। उस पर आरोप है कि उसने बिना माल भेजे केवल इनवॉइस के आधार पर छह करोड रुपए से अधिक की टैक्स चोरी की है। याचिका में कहा गया कि मामले में जिन दो कंपनियों को बिल जारी किए गए, उसके आधार पर दोनों कंपनियों ने टैक्स अदा कर दिया। वहीं यदि याचिकाकर्ता के खिलाफ टैक्स चोरी का मामला बनता है तो वह पांच करोड़ रुपए से अधिक का नहीं हो सकता और पांच करोड़ रुपए तक का आरोप जमानती अपराध की श्रेणी में आता है। इसके बावजूद भी विभाग ने संपूर्ण बिलों की राशि को जीएसटी की राशि जोड़कर छह करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी का बनाकर याचिकाकर्ता को गिरफ्तार कर लिया।

जमानत याचिका का विरोध करते हुए जीएसटी विभाग की ओर से कहा गया कि याचिकाकर्ता ने बिना माल भेजे फर्जी इनवॉइस के आधार पर इनपुट टैक्स क्रेडिट पास ऑन करके गैर कानूनी लाभ उठाया है। वहीं उसकी फर्म को करीब साढ़े छह करोड़ रुपए की टैक्स क्रेडिट ट्रांसफर हुई है। ऐसे में उसे जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने आरोपी को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं।

चाकू गोदकर युवक की हत्या करने वाले दो बदमाश गिरफ़्तार

जयपुर। जयसिंहपुरा खोर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच दिन पहले युवक की हत्या के मामले में फरार दो आरोपितों को गिरफ़्तार किया है। जो बारात का पीछा करते हुए शादी समारोह में घुसे थे और फिर सरिए से जानलेवा हमले के दौरान चाकू से गोदकर अल्ताफ नाम के युवक की हत्या कर भागे थे। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के साथ ही फरार साथियों की तलाश कर रही है। थानाधिकारी राजेश शर्मा ने बताया कि 15 अक्टूबर को जानलेवा हमले के दौरान चाकू से गोदकर अल्ताफ नाम के युवक की हत्या के मामले में आरोपित मोहम्मद अमन (25) निवासी फकीरों की डूंगरी ब्रह्मपुरी हाल सड़वा जयसिंहपुरा खोर और जफर (30) निवासी रहमत कॉलोनी सड़वा जयसिंहपुरा खोर को गिरफ्तार किया है।

शर्मा ने बताया कि 15 अक्टूबर की रात को अल्ताफ (26) पुत्र शहजाद निवासी फकीरों की डूंगरी ब्रह्मपुरी की चाकू से गोदकर हत्या के बाद से दोनों आरोपी फरार थे।

चयन के बाद भी नियुक्ति नहीं देने पर जवाब मांगा

हाईकोर्ट ने पद रिक्त रखने का आदेश देते हुए तकनीकी शिक्षा सचिव और उद्यमिता विभाग से जवाब मांगा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कौशल नियोजन व उद्यिमता विभाग में कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती-2024 में चयन के बावजूद नियुक्ति से वंचित करने पर तकनीकी शिक्षा सचिव और उद्यिमता विभाग से जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने भर्ती में याचिकाकर्ताओं के लिए पद रिक्त रखने को कहा है। जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकलपीठ ने यह आदेश हिमांशु मिश्रा व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- **कनिष्ठ अनुदेशक भर्ती-2024 में चयन के बावजूद नियुक्ति से वंचित रखने का मामला**

याचिका में अधिवक्ता सुनील कुमार सिंगोदिया ने अदालत को बताया कि विभाग ने 11 मार्च, 24 को कनिष्ठ अनुदेशक के पदों पर भर्ती निकाली थी। जिसमें शैक्षिणक और तकनीकी योग्यता के साथ अभ्यर्थी के पास संबंधित ट्रेड में मान्यता प्राप्त संस्थान से वैतनिक अनुभव जरूरी रखा गया। विभाग की ओर से मेरिट के आधार पर भर्ती का परिणाम घोषित कर याचिकाकर्ता को परिणाम में पास कर दिया। वहीं बाद में उन्हें यह कहते हुए नियुक्ति से वंचित कर दिया कि उनके पास वैतनिक कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र नहीं है। इसे चुनौती देते हुए कहा गया कि याचिकाकर्ताओं को अनुभव अवधि के दौरान नकद भुगतान होता था और इसका रिकॉर्ड वेतन ब्यौरा रजिस्टर में दर्ज है। इसके अलावा भर्ती में वैतनिक अनुभव की शर्त लगाना भी गलत है, क्योंकि सेवा नियमों में सिर्फ अनुभव होना ही पर्याप्त माना गया है।

ऐसे में याचिकाकर्ताओं को नियुक्ति से वंचित करना गलत है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ताओं के लिए पद रिक्त रखने को कहा है।

देश के अमर शहीदों से प्रेरणा लेकर कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवा करें : डीजीपी राजीव शर्मा

राजस्थान पुलिस अकादमी में राज्य स्तरीय पुलिस शहीद दिवस समारोह आयोजित

जयपुर । देश की सुरक्षा और शांति के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों को मंगलवार 21 अक्टूबर को पुलिस शहीद दिवस के अवसर पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने राष्ट्र सेवा में वीरगति प्राप्त करने वाले 191 पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों के बलिदान को याद किया। वहीं कार्यक्रम की समाप्ति के बाद रक्तदान शिविर एवं पौधारोपण कार्यक्रम हुआ। शर्मा ने इस दौरान सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मियों से शहीदों के बलिदान से प्रेरणा लेकर ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ देश की सेवा करने का संकल्प लेने का आव्हान किया।

पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने आर.पी.ए. में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

डीजीपी ने अपने संबोधन में बताया कि 66 वर्ष पहले 21 अक्टूबर 1959 के दिन लद्दाख के दुर्गम क्षेत्र में भारतीय पुलिस के जवानों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए थे। उन्हीं अमर जवानों की शहादत को याद करने और उनसे प्रेरणा लेने के लिए हर वर्ष 21 अक्टूबर को यह दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि पुलिस के इन वीर जवानों का बलिदान भारतीय पुलिस के कार्यों की उच्चतम परम्पराओं का प्रतीक है, जो देशभर में पुलिस जवानों के समक्ष कर्तव्यनिष्ठा का अनुपम आदर्श प्रस्तुत करता है।

डीजीपी शर्मा ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम में एक सितम्बर 2023 से 31 अगस्त 2024 की अवधि में राष्ट्र सेवा में वीरगति प्राप्त करने वाले 191 पुलिस अधिकारियों और कार्मिकों के नाम वाचन किए तथा राजस्थान पुलिस परिवार की ओर से उन्हें भावांजलि अर्पित की। उन्होंने राजस्थान के शहीद पुलिसकर्मी एएसआई सुरेंद्र कुमार, हैड कांस्टेबल प्रसादी लाल, प्रह्लाद राम, कांस्टेबल अतर सिंह, राम सिंह, देवनारायण गुर्जर और अक्षय कुमार सहित अन्य राज्यों के शहीदों व बीएसएफ, सीआईएसएफ, सीआरपीएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, फायर सर्विसेज-होमगार्ड्स तथा आरपीएफ के जवानों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

राजस्थान पुलिस अकादमी में आयोजित मुख्य श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सर्वप्रथम शहीद पुलिसकर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित की गई। इसके पश्चात राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी गई तथा गार्ड ऑफ ऑनर के माध्यम से शहीदों के प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। इस अवसर पर डीजीपी राजीव शर्मा और पूर्व डीजीपी ओमप्रकाश गल्होत्रा, डीजीपी प्रशिक्षण अशोक राठौर, सेवानिवृत्त पुलिस निरीक्षक संग्राम सिंह, आईबी के ज्वाइंट डायरेक्टर रमाकांत शर्मा, सीबीआई के अतिरिक्त निदेशक संजय दुबे, एडीजी एवं आरपीए के निदेशक एस. सेंगाथिर, तथा जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। समारोह में बड़ी संख्या में वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस कर्मी और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

- **शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि, रक्तदान एवं पौधारोपण कार्यक्रम का भी हुआ आयोजन**

शहीद दिवस के उपलक्ष्य में राजस्थान पुलिस अकादमी परिसर में रक्तदान शिविर और पौधारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर डीजीपी राजीव शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने पौधे रोपकर हरियाली और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी, प्रशिक्षु और स्टाफ सदस्यों ने भाग लेकर शहीद पुलिस कर्मियों को समर्पित रक्तदान किया।

आरपीए में कार्यक्रम के बाद जवाहरलाल नेहरू मार्ग स्थित त्रिमूर्ति सर्किल के पुलिस स्मारक पर भी श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। यहाँ डीजीपी राजीव शर्मा और कमिश्नर बीजू जार्ज जोसेफ ने पुलिस शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर अमर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस दौरान पुलिस कमिश्नरेट जयपुर के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

गोविन्ददेव जी मंदिर में हुआ गोवर्धन पूजन

पंच दिवसीय प्रकाश पर्व के चौथे दिन बुधवार को आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में गोवर्धन पूजन हुआ। महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में मंदिर के पश्चिमी प्रांगण स्थित तुलसी मंच पर गोवर्धन पूजा एवं गौ-बछड़ा पूजन किया गया। आरती और भोग के बाद श्रद्धालुओं को अन्नकूट प्रसादी वितरित की गई।

बूंदी में पटाखे फेंकने के विवाद में 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या

दोस्तों के साथ दीपावली मनाने घर से बाहर गया था, जहां पटाखा फेंकने पर झगड़ा हो गया था

बूंदी, (निसं)। शहर के सदर थाना क्षेत्र में सोमवार रात्रि को शहर के एक परिवार की दीपावली की खुशियां उसे समय मातम में बदल गई, जब सिलोर रोड पर पटाखा फेंकने को लेकर हुए विवाद में एक 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई।

सदर थाना अधिकारी रमेश आर्य ने जानकारी देते हुए बताया कि शहर के रावला का चौक नाहर का चोहट्टा निवासी विष्णु सैनी पुत्र हेमराज अपने दोस्तों के साथ दीपावली मनाने घर से बाहर गया हुआ था, जहां पटाखा फेंकने को लेकर हुए झगड़े में कुछ युवकों ने उसको चाकू मार दिया जिसकी इलाज के दौरान उसकी जिला अस्पताल में मौत हो गई।

पुलिस ने घटना का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया।

- एक करोड़ की सहायता राशि एवं आरोपियों की गिरफ्तारी पर अड़े परिजन, समझाइश पर मामला शांत हुआ

सदर थानाधिकारी ने बताया कि रात्रि को थाना क्षेत्र में चाकूबाजी में युवक की हत्या की सूचना मिलते ही जिला अस्पताल पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया, जहां सुबह नौ बजे परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करा कर शव परिजनों को सौंप दिया। वहीं परिजनों द्वारा पुलिस को दी रिपोर्ट में बताया कि विष्णु गोपाल सिंह प्लाजा पेट्रोल पंप में पेट्रोल भरने का कार्य करता था रात्रि 9:30 बजे उसके दोस्त सुरजीत व आदित्य व एक अन्य दोस्त घर पर आए और उसे अपने साथ लेकर चले गए। रात्रि को विष्णु के फोन से लखन का फोन आया कि विष्णु को चाकू मार दिया है। अस्पताल में आ जाओ जहां विष्णु मृत अवस्था में मिला। परिजनों ने आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने व परिवार के इकलौते सहारे की मौत होने पर एक करोड़ के मुआवजे की मांग की है। वहीं समाज के लोगों ने मुआवजा नहीं देने व आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने तक शव लेने से मना कर दिया।

सूचना पर तहसीलदार अर्जुन लाल मीणा थाना अधिकारी कोतवाली भंवर सिंह मौके पर पहुंचे और परिजनों से समझाइश करने का प्रयास शुरू किया। इसके बाद नियम अनुसार अधिक से अधिक आर्थिक सहायता दिलाने एवं आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के ठोस आश्वासन के बाद परिजन माने व शव को अपने साथ ले गए।

वहीं सदर थाना पुलिस के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए कुछ युवकों को डिटेन किया है जिनसे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बूंदी शदर के प्रबुद्धजनों ने लगातार बढ़ रही चाकूबाजी की घटनाओं एवं युवा पीढ़ी द्वारा चाकू रखने के क्रेज पर चिंता जताते हुए शहर में मोटरसाइकिलों पर समूह के रूप में घूमने वाले युवाओं की गहनता से तलासी लेने व कठोर कार्रवाई की मांग की है।

मामले की गंभीरता को समझते हुए जिला पुलिस अधीक्षक राजेंद्र कुमार मीणा के निर्देश पर गठित पुलिस टीम व डीएसटी टीम ने अथक प्रयास करते हुए मामले में त्वरित कार्रवाई कर 24 घंटे में ही घटना का पर्दाफाश करते हुए एक आरोपी को बापर्दा गिरफ्तार किया एवं दो विधि के विरूद्ध संघर्षरत किशोर को निरूद्ध किया है।

30 लाख के जेवर चुराने वाले दो जने गिरफ्तार

- घर में आने-जाने के दौरान रेकी की थी, अन्य वारदातों का भी खुलासा हुआ

बीकानेर, (निसं)। अरजनसर क्षेत्र में हुई चोरी का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। एक सप्ताह में पुलिस ने न सिर्फ चोरी करने वालों को बल्कि चोरी हुए जेवरात भी बरामद कर लिए हैं। 30 लाख रुपए से ज्यादा की इस चोरी के मामले में महाजन पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जिस घर से चोर ने तीस लाख रुपए के गहने चोरी किए थे, उसका पहले से वहां आना-जाना था। इतना ही नहीं वो खुद कुछ दिन पहले ही जेल से जमानत पर बाहर आया था।

स्वरूप कंवर पत्नी जालम सिंह राजपूत निवासी आरसीपी कॉलोनी अरजनसर ने पुलिस को रिपोर्ट दी थी कि पंद्रह अक्टूबर को दिन में करीब बारह से एक बजे के बीच अज्ञात चोरों ने घर में रखे संदूक का ताला तोड़कर 1 लाख 17 हजार रुपए नगद व पुत्रवधु मंजू कंवर व मेरे सोने-चांदी के करीब 30 लाख रुपए कीमत के जेवरात चोरी कर ले गए। महाजन पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों मालम सिंह व काला सिंह उर्फ संदीप को गिरफ्तार कर पूछताछ की। इसके बाद दोनों ने चोरी स्वीकार कर लिया।

आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह पुत्र निहाल सिंह निवासी चक 61 जी बी पुलिस थाना रामसिंहपुर तहसील अनूपगढ़ जिला श्री गंगानगर के द्वारा पुलिस थाना रामसिंहपुर में मोबाइल चोरी की। आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह ने पुलिस थाना अनूपगढ़ के गांव पतरोड़ा तथा अनूपगढ मंडी में रेडीमेड व मकान में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह की ओर से पुलिस थाना छत्तरगढ़ के गांव खरबारा से मोटरसाइकिल चोरी करना बताया आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह ने पुलिस थाना जय नारायण व्यास कॉलोनी से टेम्पो चोरी स्वीकार की। आरोपी संदीप उर्फ काला सिंह के द्वारा अलग-अलग थानों मे करीब 9 प्रकरण दर्ज है तथा वर्तमान में आरोपी पुलिस थाना छत्तरगढ़ थाने का भगोड़ा है। आरोपी मालमसिंह अरजनसर गांव का ही रहने वाला है जो पीड़िता के परिवार से पूर्व से ही परिचित था, जो करीब ढाई साल जेल में रहकर कुछ महीने पहले ही जमानत पर बाहर आया है। दोनों आरोपी पूर्व से ही जानकार हैं। बीकानेर शहर में किराए का मकान लेकर रहते हैं। योजना बनाकर वारदात का अंजाम देते हैं।

20 साल के युवक को सोते-सोते साइलेंट अटैक आया, मौत

- पिता ने चाय के लिए आवाज दी तो उठा ही नहीं, बाहर से लौट कर सोया था

बीकानेर, (निसं)। 20 साल के युवक को सोते-सोते अटैक आ गया। पिता ने उसे चाय पीने के लिए आवाज दी तो वो उठा ही नहीं। परिजन उसे अस्पताल लेकर गये, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला बीकानेर के कोटगेट थाना इलाके की वाल्मिकी बस्ती की छोटी गुवाड़ का है। परिजनों ने देर रात मर्ग दर्ज करवाई है। कोटगेट पुलिस ने मर्ग दर्ज करके मामले की जांच शुरू की है। जांच हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण को सौंपी गई है।

हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण ने बताया कि वाल्मीकि बस्ती में रहने वाले अभिषेक तेजी (20) पुत्र श्रवण तेजी की मौत हो गई है। प्रथम दृष्टया मामला साइलेंट अटैक का माना जा रहा है। हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण ने बताया कि पिता श्रवण ने रिपोर्ट में कहा कि बेटा अभिषेक हमेशा की तरह शाम को घर लौटा और अपने कमरे में जाकर सो गया था। इसके बाद उन्होंने चाय बनाई और अभिषेक को आवाज दी। कोई जवाब नहीं आने पर वो बेटे के कमरे में गए और उसे जगाने का प्रयास किया। रिपोर्ट में बताया कि कोई हलचल नहीं होने पर श्रवण घबरा गए और मदद के लिए पड़ोसियों को बुलाया। इसके बाद पीबीएम अस्पताल लेकर गए। प्राथमिक जांच के बाद डॉक्टरों ने अभिषेक को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने आशंका जताई है कि सोते हुए ही उसे साइलेंट अटैक आया है। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

भोपालगढ़ डीएसपी भूराराम खिलेरी एपीओ

- भाजपा मंडल महामंत्री के साथ मारपीट करने का मामला
- मामले में दो पुलिसकर्मी पहले ही लाइन हाजिर हो चुके हैं

जोधपुर, (कासं)। जिले के भोपालगढ़ में भाजपा के मंडल महामंत्री हेमंत शर्मा के साथ पुलिस द्वारा मारपीट कर डिटेन करने के मामले में राज्य सरकार ने भोपालगढ़ वृत्ताधिकारी भूराराम खिलेरी को एपीओ कर दिया है। इस दौरान उनका मुख्यालय जयपुर में रखा गया है। इस मामले में दो पुलिसकर्मियों को पहले ही लाइन हाजिर किया जा चुका है। इसके साथ ही सरकार ने अधिकारियों को सख्त संदेश दिया है कि यदि पार्टी के पदाधिकारी या कार्यकर्ता को बिना कारण परेशान किया गया तो सरकार बख्शेगी नहीं।

भाजपा जोधपुर देहात जिलाध्यक्ष त्रिभुवन सिंह भाटी ने बताया कि कुछ दिनों पहले भोपालगढ़ मंडल के महामंत्री हेमंत शर्मा द्वारा फेसबुक पर पुलिस को लेकर कुछ टिप्पणियां की थी। इस पर पुलिस ने शुक्रवार रात को उन्हें घर से उठाया और थाने में मारपीट की। इसको लेकर एतराज जताया गया था। पहले एएसआई गोविंदराम और हैड कांस्टेबल दिलीप को हटाया गया था। पूरे प्रकरण की शिकायत मुख्यमंत्री तक की गई और डिप्टी एसपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। इसके बाद पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने उन्हें एपीओ कर दिया। मंगलवार शाम को जैसे ही डीजीपी कार्यालय से डीएसपी खिलेरी को एपीओ करने का आदेश जारी हुआ भाजपा युवा कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए। भाजपा नेताओं ने पटाखे फोड़े, नारेबाजी की और एक-दूसरे को मिठाई खिलाई। कार्यकर्ताओं ने कहा कि यह फैसला उनकी शिकायतों और लंबे समय से चल रहे संघर्ष का नतीजा है।

इस घटना को लेकर जिलाध्यक्ष भाटी शनिवार को अपनी कार्यकारिणी के सदस्यों के साथ भोपालगढ़ थाने गए थे। उन्होंने वहां गहरी नाराजगी जताई और पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि वह यह बात मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे। भाटी की नाराजगी को देखते हुए एसपी नारायण टोगस ने एडिशनल एसपी भोपाल सिंह को थाने में भेजा था। वहां भाटी ने उन्हें खरी-खोटी सुनाई। इसके बाद दो पुलिस कर्मियों को थाने से हटाया गया। भाजपा नेताओं ने डिप्टी एसपी पर आरोप लगाया था कि वह उनके कार्यकर्ताओं को निशाना बना रहे हैं।

एम्स में नाम की गफलत में दूसरे को चढ़ाया खून, दस दिन बाद मौत

- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर में एक ही नाम के दो मरीज भर्ती थे

जोधपुर, (का.सं.)। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) जोधपुर में गलत मरीज को खून चढ़ाने से उसकी मौत हो गई। इमरजेंसी में भर्ती एक मरीज को 10 अक्टूबर को खून चढ़ाया गया था। गलत खून चढ़ने वाले मरीज की हालत लगातार खराब होती जा रही थी। ऐसे में शनिवार और रविवार को मरीज को तीन यूनिट खून चढ़ाया गया, लेकिन मरीज को नहीं बचाया जा सका। मरीज की मौत की सूचना मिलने पर बासनी थाना पुलिस अस्पताल पहुंची और शव का पोस्टमार्टम करवाया।

जानकारी के अनुसार एम्स की इमरजेंसी में दस अक्टूबर को मांगीलाल नाम के दो व्यक्ति भर्ती थे। एक व्यक्ति डोली कलां निवासी मांगीलाल विश्नोई (50) और दूसरा नागौर के पांचुड़ी कला निवासी मांगीलाल (80) भी भर्ती था। डॉक्टरों ने 80 साल के मांगीलाल को खून की जरुरत बताई थी लेकिन अस्पतालकर्मियों ने 50 साल के मांगीलाल को खून चढ़ा दिया। गलती का पता चलने पर डॉक्टर ने खून के बैग को हटाकर डस्टबीन में फेंक दिया था, लेकिन तब तक आधे से अधिक खून चढ़ चुका था। डॉक्टरों के मुताबिक ऑपरेशन करके मरीज के शरीर से पानी निकाला गया। डायलेसिस भी किया गया। बीपी अत्यधिक कम होने से मरीज को बेड पर उलटा लेटाया गया। डॉक्टरों ने मरीज को बचाने का हर संभव प्रयास किया। लेकिन तबीयत में कोई सुधार नहीं हुआ। आखिरकार 10 दिन बाद सोमवार को उपचार के दौरान मरीज मौत हो गई। परिजनों ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

रक्षा मंत्री राजनाथसिंह आज जैसलमेर आएंगे

जैसलमेर, (नि.सं.)। रक्षा मंत्री राजनाथसिंह गुरुवार को दो दिवसीय यात्रा पर जैसलमेर पहुंचेंगे। सिंह जैसलमेर से सटे भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर रहेंगे। रक्षा मंत्री जैसलमेर में होने वाली तीन दिवसीय आर्मी कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेने के लिए सिंह आ रहे हैं। इस कॉन्फ्रेंस में वे सेना के अधिकारियों के साथ देश की सुरक्षा व्यवस्था और सैन्य तैयारियों को लेकर चर्चा करेंगे। इस दौरान वे लोंगेवाला में जवानों से भी बातचीत करेंगे। तीन दिन चलने वाली इस कॉन्फ्रेंस में देश की सीमाओं की मौजूदा स्थिति, तकनीकी बदलावों और आने वाले वर्षों में सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के मुद्दों पर विचार किया जाएगा। इस बार की कॉन्फ्रेंस को सेना ने सुधारों का वर्ष का हिस्सा बताया है। इस दौरान सेना नेतृत्व नए ढांचे, तकनीकी सुधारों, और आधुनिक युद्ध की तैयारियों पर चर्चा करेगा। लक्ष्य यह है कि सेना को अधिक टेक्नोलॉजी ड्रिवन और फ्यूचर रेडी फोर्स बनाया जाए। अपने दौरे के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथसिंह जैसलमेर के आर्मी वॉर म्यूजियम पहुंचेंगे। यहां वे "शौर्य पार्क" और "कैक्टस पार्क" का उद्घाटन करेंगे। दौरे के दूसरे दिन रक्षा मंत्री सीमा क्षेत्र लोंगेवाला जाएंगे। राजनाथ सिंह यहाँ शहीदों को श्रद्धांजलि देंगे और तैनात जवानों से संवाद करेंगे।

दो बाइकों की टक्कर में 3 जनों की दर्दनाक मौत

उदयपुर में माता-पिता के साथ लौट रहे बेटे की भी मौत हुई

- दिवाली के दिन तीन जनों की मौत से परिवारों में मातम पसरा हुआ है

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में उदयपुर जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र में सोमवार देर शाम को दो बाइक के बीच जोरदार टक्कर में तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पति पत्नी घायल हो गए। बेटा अपने माता और पिता के साथ ही बाइक पर सवार था। डूंगरपुर अस्पताल में भर्ती कर उसका इलाज चल रहा है। वहीं दिवाली के दिन तीन की मौत से परिवारों में मातम पसरा है।

कल्याणपुर थाना पुलिस के अनुसार भैरूलाल मीणा पुत्र गोमाजी मीणा निवासी संगतपुर चंदोडा थाना सेमारी की ओर से रिपोर्ट में बताया कि विजय कुमार पुत्र मादुजी मीणा निवासी निवासी संगतपुरा सोमवार को उसकी बाइक खेरवाडा जाने को कहकर ले गया था। विजय कुमार उसकी पत्नी रेखा मीणा और बेटा प्रकाश मीणा तीनों खेरवाडा से वापस घर लौट रहे थे। देर शाम के समय घोडी गांव के पास पहुंचते ही ढेलाणा गांव की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार बाइक से जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में विजय, उसकी पत्नी रेखा, बेटा प्रकाश और दूसरी बाइक पर सवार हीरालाल पुत्र कालूराम खराडी निवासी बडला खेरवाडा और काउ डामोर पुत्र कावाजी डामोर घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। घायलों को तुरंत डूंगरपुर अस्पताल लेकर आए। इमरजेंसी में जांच के बाद डॉक्टर ने प्रकाश, काऊ और हीरालाल को मृत घोषित कर दिया। जबकि विजय कुमार और उसकी पत्नी रेखा घायल हो गए। रेखा की हालत गंभीर होने पर उसे भर्ती कर इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पर कल्याणपुर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। वहीं, तीनों मृतकों के शव को डूंगरपुर अस्पताल के मॉर्च्युरी में रखवाया। जहां परिजनों ने एक्सीडेंट का केस दर्ज करवाया। पुलिस ने शव के पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया है।

बी.एस.एफ. दिल्ली के एडीजे ने जवानों के साथ दीपावली मनाई

जैसलमेर, (नि.सं.)। दीपावली पर सीमा पर जवान अधिकारी जो कि सीमा सुरक्षा ड्यूटी के कारण घर नहीं जा पा रहे हैं वे अपने को इस त्यौहार के मौके पर अकेला महसूस न करें इसके लिए हेडक्वार्टर में लोजेस्टिक एडीजे डी के बूरा, डीआईजी सेक्टर नार्थ जतिंदरसिंह बिंजी, 20 वीं बटालियन के कमाण्डेंट नीरज शर्मा सहित अन्य अधिकारीयों के साथ सोमवार को तनोट पहुंचे। तनोट माता मंदिर परिसर में उन्होंने तनोट मातेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना की व विजय स्तम्भ पर 1971 व 1965 के पाकिस्तान के साथ युद्धों में शहीद हुए सुरक्षा बलों के जवानों व अधिकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने तनोट में तैनात जवानों व अधिकारियों को दीपावली की मिठाईयां भेंट कर उन्हें दीपावली की बधाइयां दी।

जैसलमेर बस हादसा : मृतकों की संख्या 26 पहुंची

- महात्मा गांधी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर फतेह सिंह भाटी ने बताया कि अस्पताल में छह लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें से एक वेंटिलेटर पर है

जोधपुर, (कासं)। जैसलमेर जिले के थइयात गांव के पास में निजी बस में लगी भीषण आग में मरने वालों की संख्या 26 पहुंच गई है। मंगलवार को अस्पताल में एडमिट जैसलमेर जिले के लाठी गांव निवासी ओमप्रकाश (40) की मौत हो गई।

महात्मा गांधी हॉस्पिटल के अधीक्षक डॉक्टर फतेह सिंह भाटी ने बताया कि ओमप्रकाश की आज इलाज के दौरान मौत हो गई। उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। इस हादसे में अब तक 26 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल अस्पताल में छह लोगों का इलाज चल रहा है, जिनमें से एक वेंटिलेटर पर है और पांच सामान्य वार्ड में एडमिट हैं। हादसे में एक दिन पहले ही अपने तीन बच्चों को खोने वाली महिला इमामत की भी मौत हुई थी। इधर पुलिस ने कार्रवाई कर शव परिजन के सुपुर्द किया है। वह 85 फीसदी तक झुलस गई थी। हादसे की शिकार होने के बाद महात्मा गांधी अस्पताल में सबसे पहले इमामत को ही लाया गया था। 85 फीसदी जलने के कारण शुरू से ही उसकी जान को खतरा बना हुआ था। आखिरकार सोमवार की देर रात इमामत ने अंतिम सांस ली। वहीं उसके पति पीर मोहम्मद का उपचार जारी है। उसे अहमदाबाद रैफर किया गया है। महात्मा गांधी अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर फतेह सिंह ने बताया कि दो घायल वेंटिलेटर पर है।

गुंदोज चौकी इंचार्ज चंपालाल की हादसे में मौत

पाली, (नि.सं.)। गुंदोज चौकी इंचार्ज चंपालाल दुघटना में गंभीर घायल हो गए। पाली के बांगड़ अस्पताल में चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित किया। गुंदोज चौकी के बाहर वाहन चेकिंग के दौरान हादसा हुआ। उनका अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ किया गया। जानकारी के अनुसार बाइक सवार ने चपेट में ले लिया था। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विपिन शर्मा, पुलिस उप अधीक्षक ग्रामीण रतनाराम देवासी सहित पुलिस विभाग के कई अधिकारी बांगड़ अस्पताल पहुंचे।

दीपावली की रात महिला ने पुरूष मित्र से पति का अपहरण करवाया, मारपीट कर फेंका

- पति के हाथ-पैर तोड़कर अधमरा करके जोहड़ में डाल गए महिला के पुरूष मित्र
- घायल को जयपुर एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती कराया, हालत गंभीर

नवलगढ़, (निसं)। दीपावली की रात महिला ने पुरूष मित्र से पति का अपहरण करवाया। इसके बाद पति के हाथ पैर तोड़कर अधमरा करके जोहड़ में डाल गए। घायल व्यक्ति की पहचान छोटा बस स्टैंड निवासी कैलाश माहिच के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार शहर के छोटा बस स्टैंड के पास दीपावली की रात करीब नौ बजे बाइक पर अपने घर जा रहे युवक कैलाश माहिच (35) पुत्र ईश्वरलाल मेघवाल निवासी वार्ड 11 छोटा बस स्टैंड नवलगढ़ को कुछ बदमाश जबरन अपहरण कर कैंपर गाड़ी में डाल ले गए। त्यौहार के दिन अचानक हुए अपहरण की खबर फैलते ही शहर में दहशत का माहौल हो गया। काफी तलाश करने के बाद भी कैलाश का पता नहीं चला। अगले दिन सुबह किसी ने पुलिस को सूचना दी कि छोटी बिड़ोदी के पास जोहड़ी में एक व्यक्ति घायल अवस्था में पड़ा हुआ है। इसके बाद 108 एंबुलेंस उसे लेकर नवलगढ़ जिला अस्पताल पहुंची तो घायल व्यक्ति की पहचान छोटा बस स्टैंड निवासी कैलाश माहिच के रूप में हुई। चिकित्सकों ने तुरंत घायल का उपचार शुरू किया तो अन्य गंभीर चोटों के अलावा कैलाश का एक्स-रे किया तो दोनों पैर में फ्रेक्चर मिले।

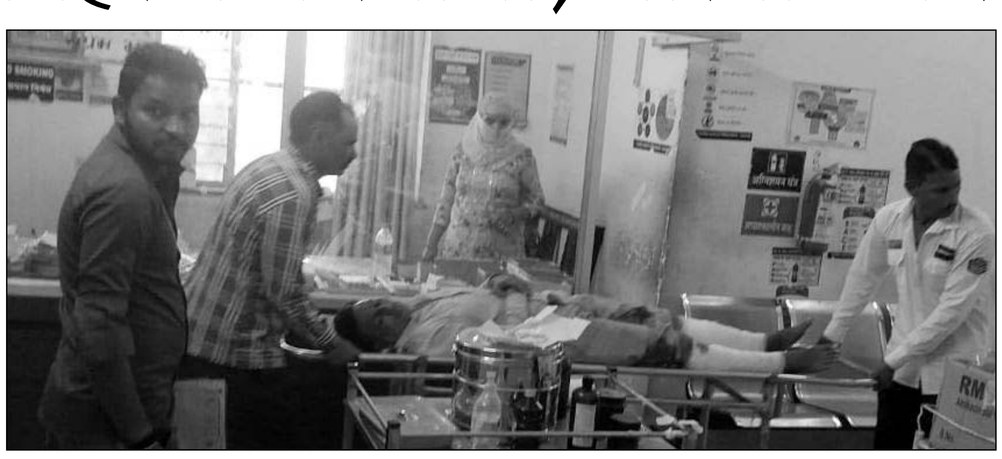

घायल को गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया।

कैलाश ने बताया कि इन लोगों ने बिड़ौदी की जोहड़ी में ले जाकर सरियों और डंडों से मारपीट कर अधमरा करके छोड़ गए। गंभीर हालत होने पर नवलगढ़ जिला अस्पताल से कैलाश को सीकर रैफर कर दिया गया। सीकर में भी चिकित्सकों ने सोमवार रात्रि को ही जयपुर के लिए रैफर कर दिया गया। कैलाश जयपुर एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में भर्ती है जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है। अस्पताल में नवलगढ़ थानाधिकारी सीआई राधेश्याम सांखला ने पुलिस टीम के साथ पहुंचकर पर्चा बयान लिया।

मारपीट की घटना के पीड़ित कैलाश माहिच ने पुलिस को बताया कि दीपावली की रात सोमवार को करीब 8.30 बजे मैं व मेरा दोस्त महेंद्र सैनी जयपुरिया स्कूल के पास से मोटरसाइकिल पर घर जा रहे थे। तभी एक बिना नंबर की कैंपर गाड़ी मोटरसाइकिल के आगे लगाकर छोटी बिड़ौदी निवासी संदीप भास्कर व 4-5 अन्य ने जबरन कैंपर में डालकर अपहरण कर लिया। छोटी बिड़ौदी के जोहड़ में ले जाकर पाइपों व सरियों से मारपीट की। पुलिस ने पर्चा बयान के आधार पर जानलेवा हमला तथा एससी/एसटी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट के पीड़ित कैलाश माहिच ने बताया कि उसकी शादी नूनियां गोठड़ा निवासी संगीता से वर्ष 2011 में हुई थी। जिससे उनके 12 वर्षीय पुत्र व सात वर्षीय पुत्री सहित दो बच्चे भी हैं। करीब चार वर्ष पूर्व उसकी पत्नी छोटी बिड़ौदी निवासी संदीप से गुपचुप दोस्ती के चलते बच्चों व पति को छोड़कर संदीप के साथ चली गई और उसके साथ लिवइन में रहने लगी। दीपावली के दिन वह अचानक कैलाश के घर नवलगढ़ पहुंची। कैलाश ने उसे घर से निकल जाने के लिए कहा तो बोली कि वह बच्चों से मिलने आई है। इसी दौरान दोनों में तीखी नोंक-झोंक हुई और कैलाश को जान से मारने व हाथ पांव तुड़वाने की धमकी देकर संगीता वहां से चली गई। कुछ ही घंटों बाद रात को कैलाश का अपहरण कर लिया गया।

सीआई राधेश्याम सांखला, थानाधिकारी नवलगढ़ का कहना है कि पीड़ित के पर्चा बयान के आधार पर मामला दर्ज करके जांच की जा रही है। पुलिस टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही है। शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

भारत सरकार, रेल मंत्रालय
रेलवे भर्ती बोर्ड

रेलवे भर्ती बोर्ड

केंद्रीकृत रोजगार सूचना (सीईएन) संख्या 05/2025

जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस) और रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए) के विभिन्न पदों की भर्ती

सांकेतिक सूचना

नीचे दी गई तालिका में दिए गए विभिन्न श्रेणियों के पद के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30.11.2025 है। सभी प्रकार से पूर्ण आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से ही जमा किए जाने चाहिए।

आवेदन शुरू होने की तिथि : 31/10/2025
आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि : 30/11/2025 (23:59 घंटे)

पद का नाम	7वें सीपीसी के अनुसार पे लेवल	प्रारंभिक वेतन (रू)	चिकित्सा मानक	01.01.2026 को आयु	संभावित रिक्तियां (सभी आरआरबी)
जूनियर इंजीनियर (जेई), डिपो सामग्री अधीक्षक (डीएमएस) और रासायनिक एवं धातुकर्म सहायक (सीएमए)	स्तर-6	35400	विस्तृत CEN में अनुलग्नक-A देखें	18-33 वर्ष	2570 (सभी आरआरबी)

उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरते समय आधार का उपयोग करके अपने प्राथमिक विवरण सत्यापित करें, ताकि गैर-आधार सत्यापित आवेदनों के लिए भर्ती प्रक्रिया के हर चरण में विशेष विस्तृत जांच के कारण होने वाली असुविधा और अतिरिक्त देरी से बचा जा सके। आधार का उपयोग करके सफल सत्यापन प्राप्त करने के लिए, आधार में नाम और जन्मतिथि को दसवीं कक्षा पास प्रमाण पत्र में उपलब्ध पूर्ण नाम और जन्मतिथि के साथ 100% मिलान करने के लिए अपडेट किया जाएगा। इसी तरह, ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले आधार को नवीनतम फोटो और नवीनतम बायोमेट्रिक्स (फिंगरप्रिंट और आईरिस) के साथ अपडेट करना होगा। यह अधिसूचना पूरी तरह से सांकेतिक प्रकृति की है। पूर्ण विवरण के लिए, आवेदकों को सलाह दी जाती है कि वे ऑनलाइन आवेदन भरने से पहले विस्तृत सीईएन संख्या 05/2025 को अच्छी तरह से पढ़ें। विस्तृत सीईएन 05/2025 और उपरोक्त भर्ती से संबंधित कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट/महत्वपूर्ण सूचना समय-समय पर नीचे सूचीबद्ध आरआरबी की वेबसाइटों पर जारी की जाएगी।

सीईएन संख्या 05/2025 में भाग लेने वाले सभी आरआरबी वेबसाइटें निम्नलिखित हैं		
Ahmedabad www.rrbahmedabad.gov.in	Guwahati www.rrbguwahati.gov.in	Prayagraj www.rrbald.gov.in
Ajmer www.rrbajmer.gov.in	Jammu Srinagar www.rrbjammu.nic.in	Ranchi www.rrbranchi.gov.in
Bhopal www.rrbbhopal.gov.in	Kolkata www.rrbkolkata.gov.in	Secunderabad www.rrbsecunderabad.gov.in
Bhubaneswar www.rrbbbs.gov.in	Malda www.rrbmalda.gov.in	Siliguri www.rrbsiliguri.gov.in
Bilaspur www.rrbbilaspur.gov.in	Mumbai www.rrbmumbai.gov.in	Bengaluru www.rrbbnc.gov.in
Chandigarh www.rrbcdg.gov.in	Muzaffarpur www.rrbmuzaffarpur.gov.in	Gorakhpur www.rrbgkp.gov.in
Chennai www.rrbchennai.gov.in	Patna www.rrbpatna.gov.in	Thiruvananthapuram www.rrbthiruvananthapuram.gov.in

संख्या: रेभबो/अज/एडीवीटी/05/2025
दिनांक: 22/10/2025

अध्यक्ष
रेलवे भर्ती बोर्ड

दलालों, बिचौलियों और नौकरी का झांसा देने वालों से सावधान रहें।

रोहित गोदारा गैंग का शूटर अभिषेक अवैध हथियारों के साथ गिरफ्तार

पुलिस को चकमा देने के लिए घाघरा-लूगड़ी पहनकर ग्रामीण महिला के वेश में फरार होने की कोशिश में था आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जिला पुलिस कोटपूतली-बहरोड़ ने संगठित अपराधों के खिलाफ एक निर्णायक प्रहार किया है। पुलिस ने 25 हजार के ईनामी और रोहित गोदारा गैंग के सक्रिय शूटर अभिषेक उर्फ बटार को गिरफ्तार किया है। अपराधी पुलिस से बचने के लिए ग्रामीण महिला का वेश घाघरा-लूगड़ी धारण कर भागने की कोशिश कर रहा था।

पुलिस अधीक्षक देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि कोटपूतली थाने के एक गंभीर मामले में वांछित यह कुख्यात अपराधी गिरफ्तारी के डर से वेश बदलकर बहरोड़ में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था। पुलिस की क्यूआरटी टीमों ने आसूचना संकलन के आधार पर सटीक कार्रवाई की।

गिरफ्तारी के समय पुलिस ने अभिषेक उर्फ बटार के कब्जे से 3 देशी पिस्टल, 12 ज़िंदा कारतूस और एक अतिरिक्त मैगज़ीन सहित भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं। एसपी विश्नोई ने बताया कि

■ **पुलिस ने शूटर अभिषेक उर्फ बटार के कब्जे से 3 देशी पिस्टल, 12 ज़िंदा कारतूस और एक अतिरिक्त मैगज़ीन सहित भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद किए हैं।**

गिरफ्तार अभियुक्त अभिषेक उर्फ बटार पुत्र पप्पू राम गुर्जर (21) निवासी मोलाहेड़ा थाना पनियाला का आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ विभिन्न पुलिस थानों में 8 गंभीर प्रकृति के मामले पहले से ही दर्ज हैं। पुलिस थाना बहरोड़ में उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत नया मामला दर्ज किया गया है। इस महत्वपूर्ण गिरफ्तारी में क्यूआरटी कोटपुतली के कांस्टेबल मनोज कुमार और क्यूआरटी बहरोड के कांस्टेबल बलदेव की विशेष भूमिका रही, जिनकी सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के चलते गैंगस्टर को दबोचा जा सका।

होटल में बंधक बनाकर नाबालिग से दुष्कर्म

जयपुर। कोतवाली इलाके में नाबालिग लड़की से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि परिचित युवक जलमहल दिखाने के बहाने बहला-फुसलाकर नाबालिग को बाइक पर बैठाकर ले गया और धोखे से होटल में ले जाकर बंधक बनाकर दुष्कर्म किया। इस संबंध में थाने में नाबालिग पीड़िता की मां ने आरोपित परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने बताया कि कोतवाली की रहने वाली महिला ने मामला दर्ज करवाया है कि परिचित युवक ने उसकी नाबालिग बेटी के साथ दुष्कर्म किया। परिचित होने के कारण आरोपी का घर पर आना-जाना था। आरोप है कि 18 अक्टूबर को दोपहर आरोपित घर आया था। घर से बहला-फुसलाकर नाबालिग बेटी को जलमहल दिखाने के बहाने साथ लेकर गया था। धोखे से एक होटल में ले जाकर रूम में बंधक बनाकर जबरदस्ती करने लगा। विरोध करने पर मारपीट कर जबरन दुष्कर्म किया।

जयपुर रेलवे स्टेशन से तांत्रिक ने किया कॉलेज छात्रा का अपहरण

जयपुर। सदर थाना इलाके में स्थित रेलवे स्टेशन से तांत्रिक ने कॉलेज छात्रा का अपहरण कर फरीदाबाद ले गया। वहां एक कमरे में बंधक बनाकर लड़की के परिवार को जान से मारने की धमकी देकर जबरन सुसाइड लिखवाया। उसके बाद घरवालों को वॉट्सऐप पर सुसाइड नोट शेयर करवाया। तांत्रिक, लड़की पर शादी का दबाव बना रहा था। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

जांच अधिकारी एसआई मुकेश कुमार ने बताया कि 20 वर्षीय कॉलेज छात्रा हरियाणा की रहने वाली है। वह अपनी फ्रेंड्स के साथ दीपावली पर घर जा रही थी। जयपुर रेलवे स्टेशन के गेट नंबर-3 से लड़की अचानक गायब हो गई। उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ मिला। इसके बाद लड़की की फ्रेंड्स ने पुलिस को सूचना दी। हरियाणा में उसके परिवार को भी बताया।

पुलिस ने कॉलेज छात्रा की फोटो और मोबाइल नंबर लेकर तलाश की। लापता कॉलेज छात्रा के घरवालों ने भी तुरंत जयपुर आकर थाने में गुमशुदगी दर्ज करवाई। पुलिस ने मोबाइल लोकेशन और सीडीआर निकालकर कॉलेज छात्रा की तलाश में टीम को रवाना किया। पुलिस की टीम कॉलेज छात्रा को ढूंढते हुए फरीदाबाद पहुंची और एक मकान के कमरे से उसे ढूंढ निकाला। पुलिस टीम कॉलेज छात्रा को फरीदाबाद से जयपुर ले आई।

पीड़ित ने एक कथित तांत्रिक के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है वह अपनी सहेलियों के साथ घर जाने के लिए जयपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी। इस दौरान कथित तांत्रिक जयपुर रेलवे जंक्शन पहुंच गया। डरा-धमकाकर जबरन उसका अपहरण कर फरीदाबाद ले जाकर उसे एक कमरे में बंद कर दिया। पीड़ित स्टूडेंट का आरोप है कि कथित तांत्रिक उसके ही गांव का रहने वाला है। वह गांव में तंत्र-विद्या और अनुष्ठान करता है। घर की समस्याओं के चलते गांव के लोगों ने कथित तांत्रिक से पूजा पाठ कराने की सलाह दी थी। अनुष्ठान के लिए कथित तांत्रिक ने उसके घर पर आना-जाना शुरू कर दिया। उसने घरवालों को उसके ऊपर प्रेत आत्मा का साया बताया था। साया उतारने का उपाय बताकर दो-तीन बार उसे बुलाया। मां तांत्रिक के कहे अनुसार उसे उसके पास लेकर गई थी। उसके बाद भी वह कहता था कि अभी पूरा इलाज नहीं हुआ है। कमरे में बंधक बनाकर धमकाया।

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी सदर) धर्मवीर सिंह ने बताया कि पीड़ित कॉलेज छात्रा को सुरक्षित ढूंढ कर जयपुर ले आए हैं। कथित तांत्रिक की तलाश में पुलिस टीम लगी हुई है। जल्द ही आरोपित कथित तांत्रिक को राउंडअप कर लिया जाएगा।

जेल के भीतर फेंका पार्सल

जयपुर। लाल कोठी थाना इलाके में स्थित जयपुर सेंट्रल जेल में सख्ती के बाद भी जेल प्रहरियों के पास सामान मिलने का सिलसिला जारी है। सर्च के दौरान जेल प्रहरी को वार्ड नंबर 8 की मेन दीवार के बीच में एक पार्सल मिला। पार्सल में एक हल्के रंग की टेनिस बॉल मिली। टेनिस बॉल को काट कर खोला गया तो उसमें 2 नग पताका, 502 बीडी और कुबेर जर्दे की पुडिया मिली। सेंट्रल जेल प्रहरी ज्योति जांगिड़ ने थाने में मामला दर्ज करवाया है कि उन्हें सर्च तलाशी के दौरान बॉल के अंदर बीडी और जर्दा मिला।

सार-समाचार

ब्रिगेडियर भवानी सिंह को श्रद्धांजलि

जयपुर। सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन परिसर में दीपावली स्नेह मिलन समारोह को आयोजन किया गया। स्नेह मिलन समारोह में सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की बधाई देते हुए अपना-अपना परिचय दिया और किसी प्रकार की जाने-अनजाने में गलती या किसी का दिल दुखाया हो तो उसके लिए क्षमा याचना की गई। सुदर्शन सिंह सुरपुरा, सचिव ने बताया कि इस दौरान महाराजा ब्रिगेडियर भवानी सिंह जी (महावीर चक्र) की जयन्ती के अवसर पर स्नेह मिलन में उपस्थित सभी महानुभावों द्वारा उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। स्नेह मिलन में उपस्थित सरदारों द्वारा भवानीसिंह जी के कृतित्व व व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला गया। उन्होंने कहा कि भवानीसिंह जी एक मात्र ऐसे व्यक्ति है जिन्होंने भारतीय सेना में सेवाभाव से नौकरी करते हुए मात्र एक रुपये मासिक तनख्वा पर अपनी अमूल्य सेवाएं देश को प्रदान की। उनको सेवानिवृत्ति के पश्चात् श्रीलंका युद्ध अभियान में विशेष सेवाओं के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गाँधी द्वारा बुलाया गया और सेवानिवृत्ति पश्चात् ब्रिगेडियर की उपाधि से सम्माननीत किया गया। उनके कुशल नेतृत्व में 1971 की जंग में पाकिस्तान लड़ा गया छाछरो का युद्ध इतिहास में प्रसिद्ध है। स्नेह मिलन समारोह में राजपूत सभा से रामसिंह चन्दलाई, अध्यक्ष, धीरसिंह शेखावत, महासचिव, प्रतापसिंह राणावत, उपाध्यक्ष, भवानी निकेतन से जालिमसिंह आसपुरा, संरक्षक, शिवपालसिंह नांगल, नगेन्द्रसिंह बगड़, अध्यक्ष, महेन्द्रसिंह जैसलाण, उपाध्यक्ष, जालिमसिंह हुड़िल, संयुक्त सचिव, श्यामसिंह मण्ढा, कोषाध्यक्ष, दिलीपसिंह छापोली, गुलाबसिंह मेड़तिया, सम्पतसिंह धमोरा, दहेज विरोधी संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गणपतसिंह राठौड़ सहित बड़ी संख्या में गणमान्य महानुभावों ने भाग लिया।

बाइक फिसलने से तीन लोगों की मौत

जयपुर। जयपुर ग्रामीण जिले के जमवारामगढ़ थाना इलाके में मंगलवार को बाइक फिसलने से एक ही परिवार के तीनों की मौत हो गई। जिसमें पति-पत्नी और भतीजी शामिल है और वहीं दो अन्य लोग गंभीर घायल हो गए। पांचों एक ही बाइक पर सवार थे। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों और मृतकों को अस्पताल पहुंचाया। जानकारी के अनुसार हादसा अस्थल मोड़ के पास हुआ था। जमवारामगढ़ थानाधिकारी सीता यादव ने बताया कि हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। जहां ख्वारानीजी (जमवारामगढ़) मातादीन (30) पुत्र जगदीश जोगी, उनकी पत्नी मनीषा देवी (26) और अनुष्का (4) पुत्री मुकेश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं लक्की (23) पुत्र पूरणमल और सेवाग (22) पुत्र सूंडाराम गंभीर घायल हो गए। दोनों को सीएचसी जमवारामगढ़ में प्राथमिक इलाज के बाद जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया। दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। सभी लोग खवारानीजी गांव से लोडीपुरा पावटा की ओर जा रहे थे। इस दौरान रास्ते में अस्थल घुमाव पर उनकी बाइक अचानक फिसल गई। जिससे यह हादसा हो गया। इधर घटना की जानकारी मिलते ही विधायक महेंद्र पाल मीणा भी उपजिला अस्पताल जमवारामगढ़ पहुंचे और हादसे की विस्तृत जानकारी लेकर मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। विधायक ने अधिकारियों से कहा कि घायलों के परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई।

दो बाइक की भिड़ंत में युवक की मौत

जयपुर। जयपुर शहर के श्याम नगर थाना इलाके में स्थित मानसरोवर स्टेशन के पास सोमवार की मध्यरात्रि को दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरा घायल हो गया। बताया जा रहा है कि हादसे के बाद गलत दिशा से आ रहा दूसरा बाइक सवार युवक टक्कर मारकर मौके से फरार हो गया। लेकिन बाइक वहीं छोड़ गया। फिलहाल पुलिस ने क्षितग्रस्त दोनों बाइक को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। वहीं मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच पड़ताल सड़क दुर्घटना थाना दक्षिण कर रही है। सड़क दुर्घटना थानाधिकारी दक्षिण ने बताया कि हादसे में टोंक मालपुरा के मोहल्ला शहादत निवासी वसीम अकरम (35) की मौत हो गई। जो चार दरवाजा क्षेत्र में रहकर मोबाइल शॉप चलाता था। बताया जा रहा है कि दीपावली पर अपने गांव मालपुरा जिला टोंक गया हुआ था। सोमवार को वसीम अकरम बाइक पर अपने साथी सैयद मुनीर अहमद के साथ वापस जयपुर लौट रहा था। इसी बीच सोमवार रात दोनों बाइक से मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास पास पहुंचे ही थे। इस दौरान अचानक गलत दिशा से आ रहे बाइक सवार ने उनकी बाइक को सामने से टक्कर मार दी। आमने-सामने की भिड़ंत होने पर दोनों बाइक सवार रोड पर गिरकर लहूलुहान हो गए। हालांकि टक्कर मारने वाला युवक मौके पर क्षितग्रस्त बाइक को छोड़कर भाग निकला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल वसीम अकरम और सैय्यद मुनीर को अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां इलाज के दौरान वसीम को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल सैयद मुनीर का गंभीर हालत में प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने जयपुरिया अस्पताल में मृतक वसीम का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस टक्कर मारने वाले बाइक सवार युवक की तलाश कर रही है।

प्रताडित 7 बच्चे कब्रिस्तान में छिपे

जयपुर। भट्टा बस्ती थाना इलाके में एक चूडी कारखाने से प्रताड़ित होकर सात बच्चे भागकर कब्रिस्तान में छिप गए। स्थानीय लोगों ने कब्रिस्तान में सात बच्चों को डरा हुआ देख पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस और चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की टीम मौके पर पहुंची। पूछताछ में सामने आया कि उन्हें समसाद मिया दो महीने पहले गांव से जयपुर घूमने के बहाने लाया था। यहां आने पर उन्हें एक कमरे में बंद कर चूडी बनाने के काम में झोंक दिया गया। उनके साथ जानवरों जैसा व्यवहार किया जाता था। उन्हें 18-20 घंटे काम करना पड़ता और दिन में एक बार खाना दिया जाता था। समसाद चूडी फैक्ट्री का मालिक है, यह बच्चे उसी की फैक्ट्री में काम करते थे।

एलपीजी टैंकर को ट्रक ने मारी टक्कर

जयपुर। दौलतपुरा इलाके में स्थित टोल के पास खड़े एलपीजी टैंकर को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। बताया जा रहा है कि टक्कर इतनी भीषण थी कि गैस टैंकर के पीछे लगे बम्पर टूट गए। ट्रक का केबिन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त होने से ड्राइवर फंस गया। फायर बिग्रेड कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर ड्राइवर को केबिन से बाहर निकाला और निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। थानाधिकारी सुनील गोदारा ने बताया कि दीपावली के दिन सोमवार सुबह दौलतपुरा टोल से 200 मीटर पहले गैस का टैंकर खड़ा था। टैंकर को पीछे से एक ट्रक ने टक्कर मार दी। गैस टैंकर की सुरक्षा के लिए लगाए गए सभी बंपर क्षितग्रस्त हो गए। बंपर की टक्कर से ट्रक की स्पीड काफी कम हो गई वरना बड़ा हादसा हो सकता था। गैस टैंकर गुजरात से दिल्ली की तरफ जा रहा था। ट्रक ड्राइवर नींद में था। फायरमैन मौके पर पहुंचे मौके पर हालात काबू में लिए।

दीपावली की रात 2 दर्जन जगहों पर लगी आग

जयपुर (कासं)। रोशनी का त्योहार दीपावली सोमवार 20 अक्टूबर को धूमधाम से मनाया गया। जहां शाम बाद से ही जयपुर शहर दीयों की रोशनी से सज गए और वातावरण में पटाखों की आवाज सुनाई देने लगी। लोगों ने पूरे उत्साह के साथ दिवाली पर पूजा के साथ जमकर आतिशबाजी का भी भरपूर आनंद लिया।

इसके चलते राजधानी जयपुर में पटाखों से आग लगने की लगभग दो दर्जन से ज्यादा घटनाएं हुईं। आग बुझाने के लिए देर शाम से लेकर रात भर फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सड़कों पर दौड़ती रही। वहीं दीपावली के त्यौहार को ध्यान रखते हुए फायर ब्रिगेड की ओर से पूरे इंतजाम किए थे। लेकिन कुछ स्थानों पर फायर ब्रिगेड को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। शहर में सबसे ज्यादा आग लगने की घटनाएं खाली प्लाट व कचरे में लगने की सामने आई है। अधिकांश जगह आग लगने की वजह पटाखा सामने आया है।

सीएफओ गौतम लाल ने बताया कि दीपावली की देर रात तक आग लगने की कम-से-कम दो दर्जन घटनाएं होने की सूचना मिली। जिसके चलते जयपुर शहर में दमकल की पूरी टीम अलर्ट रही और तमाम फायर ऑफिसर और असिस्टेंट फायर ऑफिसर भी मुआयना करते रहे। आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल टीमें क्विक रिस्पॉन्स करते हुए मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू किया। अग्निशमन कर्मचारियों की मुस्तैदी की वजह से कोई हताहत नहीं हुआ। सीएफओ गौतम लाल के अनुसार जयपुर के वैशाली, गांधी पथ, कांवटिया सर्किल, बगरू वाले रास्ता, बालाजी टावर, प्रताप नगर, विवेक विहार, जय सिंह पुरा खोर, त्रिवेणी नगर, विद्याधर नगर, कालवाड़, धर्म कांटा, कालवाड, मोरिंजा, वीकेआई और झोटवाड़ा इलाके में आग लगी थी। जहां सूचना मिलते ही दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग को काबू में किया।

100 से अधिक घायल अस्पताल पहुंचे

जयपुर। दीपावली पर जयपुर के सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से अटैच अस्पतालों में विशेष इंतजाम किए गए हैं। बीते दो दिनों में दीपावली के मौके पर बड़ी संख्या में लोग घायल होकर एसएमएस अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर पहुंचे। इस दौरान यहां अस्थमा के 60 से 70 मरीज पहुंचे। जिनमें से 10 से 15 गंभीर अस्थमा के मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया। वहीं अन्य मरीजों को उपचार के बाद भेज दिया गया। इसी के साथ अस्पताल में पटाखे से आंखें जलने का मामला सामने आया है।

सवाई मानसिंह अस्पताल के अधीक्षक डॉक्टर मृणाल जोशी ने बताया कि दीपावली का पर्व राजधानी जयपुर में पांच दिन मनाया जाता है तो ऐसे में पूरे पांच दिन एसएमएस अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर को अलर्ट मोड पर रखा गया है। बीते दो दिनों में बड़ी संख्या में लोग घायल होकर एसएमएस अस्पताल और ट्रॉमा सेंटर पहुंचे हैं, जिनमें से कुछ मरीजों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। जबकि कुछ मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

सवाई मानसिंह अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार बीते दो दिन में सौ से अधिक घायल होकर लोग अस्पताल में पहुंचे हैं। जिनमें 19 अक्टूबर को 14 मरीज अस्पताल पहुंचे, जिनमें से 3 मरीजों को भर्ती किया गया है। बाकी अन्य मरीजों को छुट्टी दे दी गई है। जबकि 20 अक्टूबर को 99 मरीज घायल होकर पहुंचे। जिनमें से 20 मरीजों को अस्पताल में भर्ती किया गया है। जिसमें 53 मरीज ऐसे थे, जिनकी आंखें बारूद और आतिशबाजी के कारण घायल हो गई। हालांकि एसएमएस अस्पताल प्रशासन ने दीपावली से पहले ही आपातकालीन सेवाओं को सुदृढ़ करते हुए बर्न वार्ड, अस्थमा, न्यूरोलॉजी और ट्रोमा सेंटर में विशेष व्यवस्था कर ली थी। जिससे घायलों और मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। अस्पताल अधीक्षक के अनुसार दीपावली पर बर्न और एक्सीडेंट केस ज्यादा आने की संभावना के चलते इन यूनिट में विशेष व्यवस्था की गई थी। साथ ही इमरजेंसी में भी बर्न केस देखने वाले डॉक्टर्स को लगाया गया था।

कम्पनी के कर्मचारी ने ही चुराई थी एक किलो चांदी

विधायकपुरी पुलिस ने आरोपी से पौने 2 लाख रु. की चांदी जब्त की

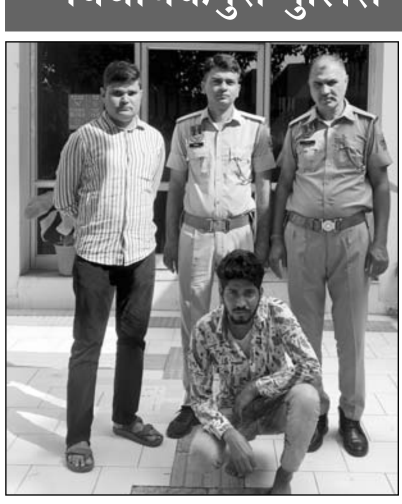

गिरफ्तार आरोपी फैजान अली

जयपुर। विधायकपुरी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक किलो चांदी की चोरी करने वाले चोर को गिरफ्तार किया है और साथ ही चोरी गई करीब पौने दो लाख रुपये की चांदी भी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ने चांदी चोरी कर कंपनी से भाई की शादी के लिए छुट्टी मांग कर माल को लेकर उत्तर प्रदेश जाने वाला था। इस दौरान पुलिस टीम ने पकड लिया। फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण राजर्षि राज ने बताया कि विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक किलो चांदी की चोरी करने वाले फैजान अली निवासी मुगलपुरा उत्तर प्रदेश हाल जालूपुरा जयपुर हाल कर्मचारी अरुण सिग्नेचर स्टोर गवर्नमेंट हॉस्टल को गिरफ्तार किया है और उसके पास से चुराई गई चांदी भी बरामद की है। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपित ने अपने भाई की शादी में गांव जाने के लिए छुट्टी लेने वाला था तथा चोरी की गई चांदी भाई की शादी में काम में लेने वाला था। थानाधिकारी बनवारी लाल ने बताया कि 18 अक्टूबर को अंतरा पाबुवाल ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी अरुण सिग्नेचर नाम से कंपनी-फर्म है जिसमें पीतल के बर्तनों पर चांदी की परत चढ़ाई जाती है और फर्म में करीब 10-15 कर्मचारी काम करते हैं। कंपनी में काम करने वाला कर्मचारी फैजान की ओर से कंपनी से चांदी चोरी कर ली। जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर घटना स्थल के आस पास के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले एवं कंपनी में काम करने वाले कर्मचारी फैजान अली व अन्य से पूछताछ की गई। फैजान से की गई पूछताछ से उसका व्यवहार एवं बर्ताव संदिग्ध प्रतीत होने पर उस से गहनता से पूछताछ की गई। पुलिस पूछताछ के बाद सामने आया कि उसी ने कंपनी अरुण सिग्नेचर स्टोर गवर्नमेंट हॉस्टल जयपुर से चांदी चोरी की। चांदी के कुल 7 पतरे कुल वजन 998 ग्राम (करीब एक किलो चांदी) चोरी की गई थी।

उत्साह और उमंग के साथ मनाया दीपावली का पर्व

जयपुर। सौभाग्य और समृद्धि का प्रतीक प्रकाश पर्व दीपावली सोमवार को उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। सुबह से ही पूरे शहर में दीपोत्सव का उल्लास देखने को मिला। घरों के द्वार पर बंदनवार और तोरण सजाए गए। रात होते-होते ऐसा लगा मानो तारे जमीन पर उतर आए हों। राजधानी के घर-आंगन, चौक-चौराहे, बाजार और प्रतिष्ठान दीपों और रंग-बिरंगी लाइटों से आलोकित हो उठे। भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या आगमन की स्मृति में दीप जलाए गए। बिजली की झालरों से शहर के बाजार जगमगा उठे। माता महालक्ष्मी, भगवान गणेश और मां सरस्वती का विधिवत पूजन कर जयपुरवासियों ने सुख-समृद्धि और उज्जवल भविष्य की कामना की। पंचदिवसीय दीपोत्सव का उल्लास पूरे शहर में छाया रहा। चारदीवारी का चांदपोल बाजार, छोटी चौपड़, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, त्रिपोलिया, चौड़ा रास्ता, हवामहल बाजार, किशनपोल बाजार, गणगौरी बाजार, एमआई रोड थीम बेस्ड रोशनी से जगमगा रहे थे। रोशनी देखने के लिए लोग उमड़ पड़े। लोगों ने घर पर मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और सरस्वती की पूजा-अर्चना की। घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में भी शुभ मुहूर्त में पूजन कर दीप जलाए गए। नाहरगढ़ किले से पूरा जयपुर रोशनी से दमकता नजर आया।

पत्नी का गला घोंटकर पति ने खुद को भी लगाई फांसी

-कार्यालय संवाददाता-

■ **आगरा रोड पर जामडोली क्षेत्र की घटना**

जयपुर। जामडोली थाना इलाके में घरेलू विवाद और शक के चक्कर में पति ने पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जान दे दी।

बेटा जब मंदिर से वापस लौटा तो उसके पिता कमरे में पंखे से लटके मिले, जबकि मां की लाश घर में फर्श पर पड़ी मिली। सूचना पर पुलिस और फोरेंसिक टीम पहुंची और मौके से साक्ष्य इकट्ठा किए।

थानाधिकारी जामडोली प्रहलाद नारायण ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से जानकारी मिली थी कि एक मकान में दो शव हैं। इस पर टीम मौके पर पहुंची। मौके पर मृतकों का बच्चा मिला, जिसने मकान खोला था।

बच्चे ने बताया कि वह गोविंद देव मंदिर में दर्शन के लिए गया था। घर पर लौटा तो मां फर्श पर और पिता पंखे से लटके मिले। दोनों के बीच झगड़ा रहता था। दोनों एक दूसरे पर शक किया करते थे। पुलिस ने बेटे से मिली रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर दोनों के शवों को एसएमएस मुर्दाघर में रखवाया गया। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के हवाले कर दिया गया। मृतक की पहचान दाउदयाल (51) और बबीता (46) के रूप में हुई है।

कॉलोनी के लोगों का भी कहना है कि दोनों पति-पत्नी के बीच झगड़ा होता रहता था। दोनों एक दूसरे पर शक किया करते थे। मौके से पुलिस टीम और एफएसएल को साक्ष्य मिले हैं। इससे पता चला है कि दाउदयाल ने पहले पत्नी की गला दबाकर हत्या की। फिर खुद पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली।

पुलिस टीम और फोरेंसिक विशेषज्ञों ने जांच के लिए घटनास्थल से नमूने लिए हैं। बेटे के बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

जेवर-नकदी लूटकर फरार हुई दुल्हन

जयपुर। भांकरोटा इलाके में लाखों रुपए के सोने-चांदी के जेवरात सहित नकदी लेकर एक दुल्हन भाग निकली। जानकारी मे सामने आया कि शादी के बाद करीब एक महीने तक नई नवेली दुल्हन ससुराल में रही और फिर झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर पांच लाख रुपए की मांग रखी। इस संबंध में थाने में पीड़ित दूल्हे ने लुटेरी दुल्हन और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। पुलिस ने बताया कि भांकरोटा के रहने वाले 36 साल के युवक ने मामला दर्ज करवाया है कि उसके भाई के पडोस में रहने वाले दंपती ने धर्म की बहन बताकर शादी की बात की थी। गरीब परिवार की कुंवारी लड़की के माता-पिता की मौत होना बताकर शादी खर्च उठाने की कहकर रिश्ता करवाया था। जुलाई-2025 में परिजन-रिश्तेदारों की मौजूदगी में उनकी शादी हो गई। शादी के बाद दुल्हन को लेकर वह घर आ गया। आरोप है कि शादी के बाद घर आते ही परम्परा बताकर विवाह के एक महीने तक शारीरिक संबंध बनाने से मना कर दिया। छूने की कोशिश करने पर मिर्गी का दौरा आने का नाटक करती। घरेलू कामकाज करने का दबाव बनाने पर झूठे केस में फंसाने की धमकी देती। अगस्त माह को अलमारी के लॉकर में रखे सोने-चांदी के जेवरात, 1.90 लाख रुपए और कपड़े और सामान चोरी कर ले गई। इसके बाद पुलिस की शरण ली।

25 श्रेणियों में दिए प्रतिष्ठित सवाई जयपुर अवार्ड्स

जयपुर। ब्रिगेडियर महाराजा सवाई भवानी सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में बुधवार शाम को प्रतिष्ठित वार्षिक पुरस्कार समारोह "सवाई जयपुर अवॉर्ड्स 2025" का आयोजन सिटी पैलेस के प्रीतम चौक में किया गया। जहां पूर्व राज परिवार की सदस्य राजमाता पद्मिनी देवी, उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, महाराजा सवाई मान सिंह द्वितीय संग्रहालय ट्रस्ट के चेयरमैन सवाई पद्मनाभ सिंह, प्रिंसेस गौरवी कुमारी और धर्म गुरूओं के मंच पर आने के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। ये पुरस्कार मानवता सेवा, हैरिटेज संरक्षण, चिकित्सा, परम्परागत शिल्प सहित 25 विभिन्न श्रेणियों में प्रदान किए गए।

समारोह में उत्कृष्ट सामाजिक सेवाओं के लिए राजा दूल्हा राय अवॉर्ड राजस्थान महिला कल्याण मंडल, अजमेर; संस्कृति क्षेत्र का राजा काकिल देव अवॉर्ड जुन्ही हान; मेडिसिन क्षेत्र में उत्कृष्टता का राजा पजवन देव अवॉर्ड डॉ. हेमंत मल्होत्रा; पारंपरिक शिल्प के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए राजा भगवंत दास अवॉर्ड मीनाक्षी राठौड़; बहादुरी के लिए राजा मान सिंह प्रथम अवॉर्ड शहीद सूबेदार प्रभात गौड़; सशस्त्र बलों में विशिष्ट सेवा के लिए मिर्जा राजा जय सिंह प्रथम अवॉर्ड कर्नल देब चंदन दास को प्रदान किया गया। पारिस्थितिकी व पर्यावरण सुधार के लिए मिर्जा राजा राम सिंह प्रथम अवॉर्ड श्री सत्यभान सिंह; ट्रैवल एवं टूरिज्म विकास के लिए महाराजा विशन सिंह अवॉर्ड से सीता को नवाजा। एस्ट्रोनॉमी एवं संबंधित विज्ञान के क्षेत्र में महाराजा सवाई जय सिंह द्वितीय अवॉर्ड डॉ. वीरेंद्र नाथ शर्मा; पत्रकारिता क्षेत्र में महाराजा सवाई ईश्वरी सिंह अवॉर्ड धर्मेंद्र झा; समाज सेवा के लिए महाराजा सवाई माधो सिंह प्रथम अवॉर्ड रिटायर्ड आईएएस सुनील अरोड़ा, साहित्य एवं शिक्षा का महाराजा सवाई प्रताप सिंह अवॉर्ड राजेंद्र सिंह खंगारोत; आर्ट, पेंटिंग एवं स्कल्पचर क्षेत्र का महाराजा सवाई जगत सिंह अवॉर्ड राजेंद्र मिश्रा; फोटोग्राफी के लिए एचएच महाराजा सवाई राम सिंह द्वितीय अवॉर्ड दिनेश डाबी; थियेटर, फिल्म एवं टेलीविजन क्षेत्र एचएच महाराजा सवाई माधो सिंह द्वितीय अवॉर्ड अभिषेक मुद्गल को दिया गया। इसी प्रकार खेल श्रेणी में संदीप सिंह मान; एमएसएमएस द्वितीय म्यूजियम ट्रस्ट और जेपीसीटी में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मोबत सिंह नाथावत; परफॉर्मिंग आर्ट के क्षेत्र में उत्कृष्टता का अवार्ड आर.डी. गौड, महिला उत्कृष्टता का पुरस्कार डॉ. माया टंडन; व्यापार-उद्योग के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल को दिया गया।

हत्या की योजना बनाकर डकैती डालने वाले दबोचे

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ट्रांसपोर्ट नगर थाना इलाके में कार्रवाई कर हत्या की योजना बनाकर डकैती की वारदात को अंजाम देने वाले पांच बदमाशों को धर-दबोचा है और उनके पास से तीन अवैध देशी कट्टे व पन्द्रह जिंदा कारतूस बरामद किए गए है।

जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि हत्या की योजना बनाकर डकैती की वारदात को अंजाम देने वाले रामनाथ ,उदयभान उर्फ गब्बर , रामभान ,संतोषी उर्फ भूरा और रामकुमार उर्फ फंककाटा को गिरफ्तार किया गया। सभी आरोपित करौली जिले के रहने वाले है। जिनके पास से तीन अवैध देशी कट्टे व पन्द्रह जिंदा कारतूस जब्त किए गए है। इसके अलावा एक लग्जरी कार व एक ऑटो भी बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने बताया कि वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी संतोषी उर्फ भूरा ने अपराध के स्थान की रैकी कर जानकारी प्राप्त करके अपने साथियों के साथ योजनाबद्ध तरीके से हत्या को अंजाम देकर डकैती करना चाह रहे थे। आरोपी त्यौंहार का समय देखकर वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। आरोपित संतोषी रिक्शा चलाते हुए दिन में रैकी कर गया था।

Save the Snow Leopard: A Call for Conservation

Celebrated on October 23, International Snow Leopard Day shines a spotlight on one of the world's most elusive and endangered big cats. This day aims to raise awareness about the threats snow leopards face, including habitat loss, poaching, and climate change, while promoting conservation efforts to protect these majestic creatures. Wildlife enthusiasts, researchers, and communities come together to advocate for sustainable practices, preserve mountain ecosystems, and support anti-poaching initiatives. By celebrating International Snow Leopard Day, people across the globe are reminded of the importance of safeguarding biodiversity and ensuring that future generations can marvel at these silent, powerful predators in their natural habitats.

#GEMSTONES

Emerald, Ruby, Diamonds And Jade

Precious Gemstones and Their Unique Characteristics: Emerald, Ruby, Pink Diamond, Jade, and Blue Diamond

Precious gemstones have fascinated humanity for centuries, prized for their beauty, rarity, and symbolic significance. Among the most admired are Emerald, Ruby, Pink Diamond, Jade, and Blue Diamond, each with unique characteristics that distinguish them in the world of luxury and jewellery.

Emerald is celebrated for its lush green colour, ranging from deep forest green to lighter yellowish-green hues. Known as the stone of growth and renewal, emeralds often contain natural inclusions called 'jardin,' which add character and authenticity. While they are softer than rubies or diamonds, their vibrant colour and historical prestige make them highly sought after for rings, necklaces, and high-end jewellery.

Ruby stands out for its vivid red hue, symbolizing passion, vitality, and power. The most prized rubies, known as 'pigeon's blood,' exhibit a deep red with a subtle blue undertone. Rubies are extremely durable, second only to diamonds in hardness, making them suitable for everyday wear. Their rarity and historical significance in royal jewellery contribute to their enduring appeal and value.

Pink Diamonds are among the rarest and most luxurious gemstones. Their delicate pink shades are caused by distortions in the diamond's crystal lattice, making each stone unique. Extremely scarce, pink diamonds can command astronomical prices at auctions and in private collections, prized for their beauty, rarity, and exclusivity. Jade, one of the oldest gemstones in human history, is treasured particularly in East Asian cultures. It comes primarily in nephrite and jadeite varieties, with jadeite being rarer and more valuable. Known for its soothing green tones, jade symbolizes purity, wisdom, and protection. Beyond its aesthetic appeal, jade has been used historically in carvings, ornaments, and ceremonial objects, making it culturally and spiritually significant in addition to its value as a gemstone.

Blue Diamonds are among the rarest and most coveted gemstones in the world. Their deep blue color results from trace amounts of boron within the crystal lattice. Blue diamonds are extremely hard, brilliant, and rare, with famous examples like the Hope Diamond achieving record-breaking auction prices. Their combination of scarcity, historical significance, and striking appearance makes them the most expensive among this group.

In terms of market value, Blue Diamonds generally top the list, followed closely by Pink Diamonds. Jade, while highly prized culturally and for its beauty, usually does not reach the astronomical prices of rare colored diamonds but remains invaluable for its historical and spiritual significance.

Overall, Emerald, Ruby, Pink Diamond, Jade, and Blue Diamond each offer a unique combination of colour, rarity, symbolism, and beauty. Collectors and jewellery enthusiasts treasure them not only as ornaments but as enduring symbols of luxury, heritage, and natural wonder.

South Asian Dance has remained hidden and ignored, until now

Vajira Chitrasena and her husband Chitrasena.

A close look by Sheema Kermani into Pakistan's male Kathak dancers and their struggle with social bias and the disapproval of both the clergy and the state. Elsewhere, there is Kuchipudi dancer Yashoda Thakore's journey of discovery where she stumbles on the bloodlines that link her to Amany, the Devadasi who swept Europe like a storm in 1838 at age 17 and was an ancestor of her guru. In one essay, Lubna Marium explains why a folk form in rural Bangladesh is vilified as 'wicked,' and in another, Malaysian Odissi dancer Ramli Ibrahim looks back at how the form found a home in his country over the last four decades.

● **Bulbul Joshi**

Even the fading sepia tint cannot dull the fire of the image, a dancer airborne in a leap, like a flying *apsara*, with improbably long arms and legs stretched in elegant lines and angles. It is a photo that goes back to a time when Sri Lanka was still Ceylon and Vajira Chitrasena was beginning to captivate audiences across the globe.

Vajira made a historic contribution to Kandyan dance, once a little-known ritual form of Sri Lanka's central highlands that became a performance art in the 1950s. It was her pioneering effort in building the pedagogy and choreographies of Kandyan dance that crystallised the work begun by her partner, Chitrasena.

Across the ocean and past the expanse of India is another dancer of whom we know too little. Indu Mitha, now 96, took Bharatanatyam from Kalakshetra to Lahore in the 1950s and nurtured it through years of turbulence to give it a local flavour.

In India itself, there are hundreds of such stories that do not get the attention they deserve. What, for example, do we know of the Telugu chronicles of a 17th-century Nayaka king's daily life enacted and danced as a means of preserving history in the people's mind? Or the outstanding Bharatanatyam dancers who brought a cinematic version of the style to Tamil and even Hindi movies but were never celebrated enough?

These dance histories of South Asia are less known but no less riveting because they hold a wealth of meaning for us today. They foreground for us the raging contemporary debates in dance, on questions of hierarchy, politics, caste, religion, censorship and gender. But to plumb these stories and their meanings, there was nowhere you could go as a dance community, scholar or arts lover.

#DANCE

Until 2022, the year when the pandemic turned less deadly!

That is when a group of dancers, scholars and arts enthusiasts got together to float an online journal where the cultural, political and historical issues facing South Asian dance could be discussed by regional voices. It was named SADI.

Scholar and activist, Arshiya Sethi, who has edited the three annual issues of the journal so far, chuckles about its name. SADI expands to a mouthful South Asian Dance Intersections, but it is also Punjabi for ours, a word that befits the journal. Because what SADI does is amplify the research of scholars and dancers from Bangladesh, India, Sri Lanka and Pakistan working in their own regions.

> Urmimala Sarkar Munsi, a scholar of theatre and performance studies, believes that SADI sets right the skew in writings on South Asian dance, which have tilted disproportionately to West-based scholarship. "There is a certain neo-colonialism in how foreign journals regulate the writings of non-English speaking scholars," she said. So, vernacular scholarship, no matter how good, is less seen.

Urmimala Sarkar Munsi, a scholar of theatre and performance studies, believes that SADI sets right the skew in writings on South Asian dance, which have tilted disproportionately to West-based scholarship. "There is a certain neo-colonialism in how foreign journals regulate the writings of non-English speaking scholars," she said. "So, vernacular scholarship, no matter how good, is less seen. Unless you go to an American university and have the language, courage, networks and encouragement, you are unlikely to find a platform that will publish and publicise your work on dance. We, at SADI, believe in the need for inclusion of these voices who are less known, do not have that edge, but who have unbelievably rich, rare material. SADI is an important assertion of their right to be heard."

But this pushback, the editorial team maintains, is not just against the monopoly of West-based scholarship, it is also aimed against the hierarchies and privileges entrenched within South Asian cultures and societies.

In its pages, for instance, you will find a close look by Sheema Kermani into Pakistan's male Kathak dancers and their struggle with social bias and the disapproval of both the clergy and the state. Elsewhere, there is Kuchipudi dancer Yashoda Thakore's journey of discovery, where she stumbles on the bloodlines that link her to Amany, the Devadasi who swept Europe like a storm in 1838 at age 17 and was an ancestor of her guru. In one essay, Lubna Marium explains why a folk form in rural Bangladesh is vilified as 'wicked,' and in another, Malaysian Odissi dancer Ramli Ibrahim looks back at how the form found a home in his country over the last four decades. Although SADI is an academic journal, it is hosted on the website of the University of North Carolina, Charlotte, and its essays are blind and peer reviewed, it allows space for varied kinds and styles of writings. There are straight historiographies, interviews, photo and video essays, sharp political analyses and reflective personal essays. And the essayists include dance practitioners, academics as well as those who straddle both worlds. What this diverse harvest of ideas also yields along the way, Sethi says, are unexpected archives and small histories.

Erasing divides

Exactly what is South Asian dance? Theoretically, it includes all dance forms, classical, folk, popular and ritual, from the South Asian nations of Bangladesh, India, Nepal, Pakistan, Sri Lanka and Bhutan. But so high is the perch occupied by Indian classical dances in the hierarchy, especially by Odissi, Kathak and Bharatanatyam, that they overshadow all else, says Munsi.

Indian classical dances acquired the South Asian tag only in the 1980s, argues dance scholar Avanthi Meduri in her essay *Labels, Histories, Politics: Indian/South Asian Dance on the Global Stage*. The shift happened first in the United Kingdom, where state and institutional support for the Indian forms necessitated a more global profile, she says. There is also the undeniable fact that the UK, and the world at large, is now a free space for the creative intermingling of the South Asian diaspora and its arts. You could, for instance, be a Sri Lankan trained in Bharatanatyam, which informs your contemporary work, or a Pakistani or Bangladeshi dancer trained in Kathak and teaching an Indian student.

One of the best illustrations of these linkages is in the work of young Kathak dancer Sushant Gaurav, who specialises in the rarely seen Lahore Lucknow gharana. In an interview tracking the style in SADI, he speaks of his London-based guru Fasih Ur Rehman, who was tutored by the Lahore-based Ghulam Hussain Kathak, himself a student of the legendary Achhan Maharaj. Their ultra slow (ati vilambit) and very unusual Kathak with flowing curves and bends has now traversed several cities, nations and continents to come into its own.

Another remarkably nuanced essay comes from Odissi dancer and scholar Aadya Kaktikar, who argues that the principles of traditional dance forms can coexist with modern notions of egalitarianism. "Hard boundaries like these serve neither the art nor the artiste, either that all that is classical is rubbish or that all that is not sacred should be thrown out," she said. "Odissi is the form my body knows and gives it joy, so, I don't want to step out of its grammar. But I also have a cognitive understanding of the history and politics of dance. I have to negotiate my own way past any kind of gatekeeping by tradition or modern thinking."

Kaktikar's arguments hark back to the creative struggles her guru faced in the 1950s, when Odissi was still evolving. The old was dead and the new was still invisible. "My guru's work is considered canonical in Odissi, but as a young man, he had to negotiate with the unequal modernity of his time, new audiences and forms of patronage," she said.

SADI and its attempts at 'decolonising dance writing' in a way is an ideal platform for scholars like Kaktikar, especially since it invites both worldviews, of performers and scholars. "Academic writing on Indian dance is mostly cornered by scholars at American and European universities," she pointed out. "But living, working and writing here needs a different kind of tenor. The problem here is that we have a sharp divide between performance and scholarship that you don't see anywhere else. The written word ignores the oral tradition and the reverse too. Dancers have set the discourse around dance in India but they never talk of its troubled history; and scholars have to initiate any and all critical discourse."

SADI, in that sense, is a fledgling attempt at erasing these divides. Interestingly, a part of the effort is mentorship of writers who may not have the necessary academic tools or language. "We are not looking at papers with a regulatory mechanism or that 'I can destroy you' approach," said Munsi. "If you need help, we are here to offer it."

rajeshsharma1049@gmail.com

#TRADITIONS

Why Do We Do This At All?

Why Do We Blow Out Candles, Throw Bouquets, and Shake Hands? The Hidden Histories Behind Everyday Traditions

From blowing out birthday candles to tossing bouquets at weddings, or sealing deals with a handshake, human culture is full of rituals so embedded in daily life that we rarely stop to ask, why do we do this at all? These actions feel natural now, but many have ancient, symbolic, or even superstitious origins. Here's a closer look at the surprising roots and evolving meanings behind some of the most common traditions.

Blowing Out Birthday Candles: A Whisper to the Gods

Today, it's a lighthearted moment, you close your eyes, make a wish, and blow out the candles on your birthday cake. But this practice is far older and more symbolic than most realize.

Historians trace the origins of birthday candles back to ancient Greece, where worshippers would offer round cakes to Artemis, the goddess of the moon. These cakes were often adorned with lit candles to mimic the glow of the moon, symbolizing a connection between humans and the divine. The rising smoke was believed to carry prayers and wishes to the gods above, a custom not unlike making a silent wish today.

Later, in medieval Germany, a similar tradition called Kinderfest involved placing a candle on a cake to represent the 'light of life.' Over time, the number of candles grew to match the celebrant's age, and the practice became more widespread. The idea of making a wish while blowing them out may have evolved from the belief that blowing out all candles in one breath ensured that the wish would come true, a test of luck, willpower, and breath control!

The Bride Throwing Her Bouquet: Escaping the Crowd

At weddings today, the bouquet toss is a fun, photo-worthy moment, but its origins are rooted in chaos, superstition, and self-preservation.

In medieval Europe, being a bride was considered so lucky that guests would literally try to tear off pieces of the bride's dress, flowers, or veil to take home as tokens of good fortune. This often resulted in crowds swarming the bride, tugging at her gown in a frenzy. To escape this, brides began throwing a decoy, their bouquet, to distract the crowd while they made a getaway.

Over time, the custom transformed. Catching the bouquet became a symbol of luck in love, with the idea that whoever caught it would be the next to marry. While modern weddings are (thankfully) less chaotic, the bouquet toss continues to carry the energy of excitement, competition, and romantic superstition.

The Handshake: From Weapon Check to Welcome

Arguably, one of the most universal social gestures, the handshake seems simple, two people clasp hands as a greeting, farewell, or agreement. But its origins lie in suspicion, not sincerity.

The handshake dates back to ancient times, when strangers would extend their right hand, the hand most people use to wield weapons, to prove they were unarmed. It was a gesture of peace, signaling trust and the absence of hostility. In some cultures, the shaking motion was meant to dislodge any hidden daggers or blades.

As societies evolved, so did the handshake. The Romans added their own variation: clasping forearms rather than palms, further ensuring no weapons were concealed in sleeves. Eventually, the handshake took on more symbolic roles, sealing agreements, confirming contracts, or simply conveying mutual respect.

Today, while it remains a common form of greeting, especially in the West, the handshake's meaning has evolved yet again, especially during times of health crisis, such as the COVID-19 pandemic, which forced people to reconsider physical contact altogether. Still, its core idea, of openness and goodwill, persists.

Traditions: Meaningful or Mindless?

What's fascinating about these customs is how their original purposes often fade, while the rituals survive, sometimes as symbolic gestures, sometimes as simple habit. Blowing out candles is no longer a prayer to Artemis, yet, it still marks a wishful moment. The bouquet toss isn't about survival anymore, but it still carries a spark of romantic drama. The handshake might not be about weapons today, but it's still a signal of trust and connection.

These rituals remind us that even the most casual actions are layers of human history, handed down and adapted through time. They are echoes of ancient fears, hopes, and beliefs, wrapped up in everyday gestures we perform without a second thought.

So, next time you blow out your birthday candles or extend your hand in greeting, remember: you're not just taking part in a custom, you're keeping history alive, one gesture at a time.

THE WALL

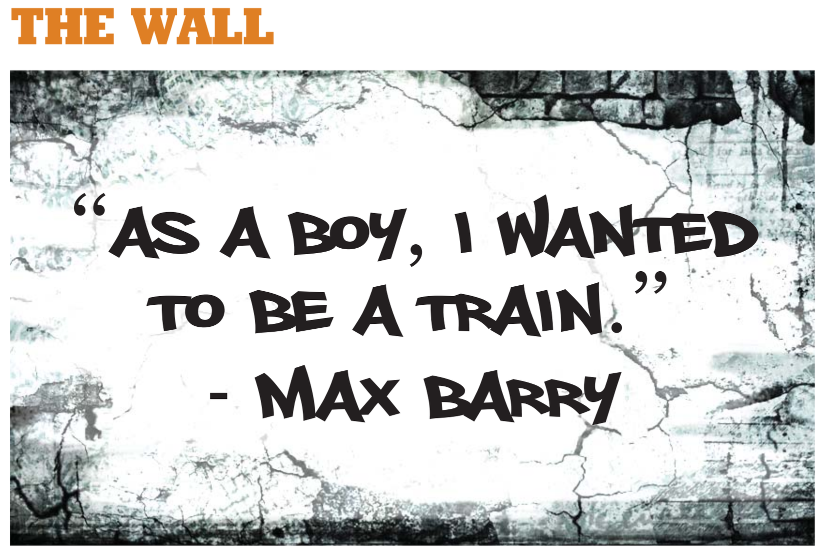

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

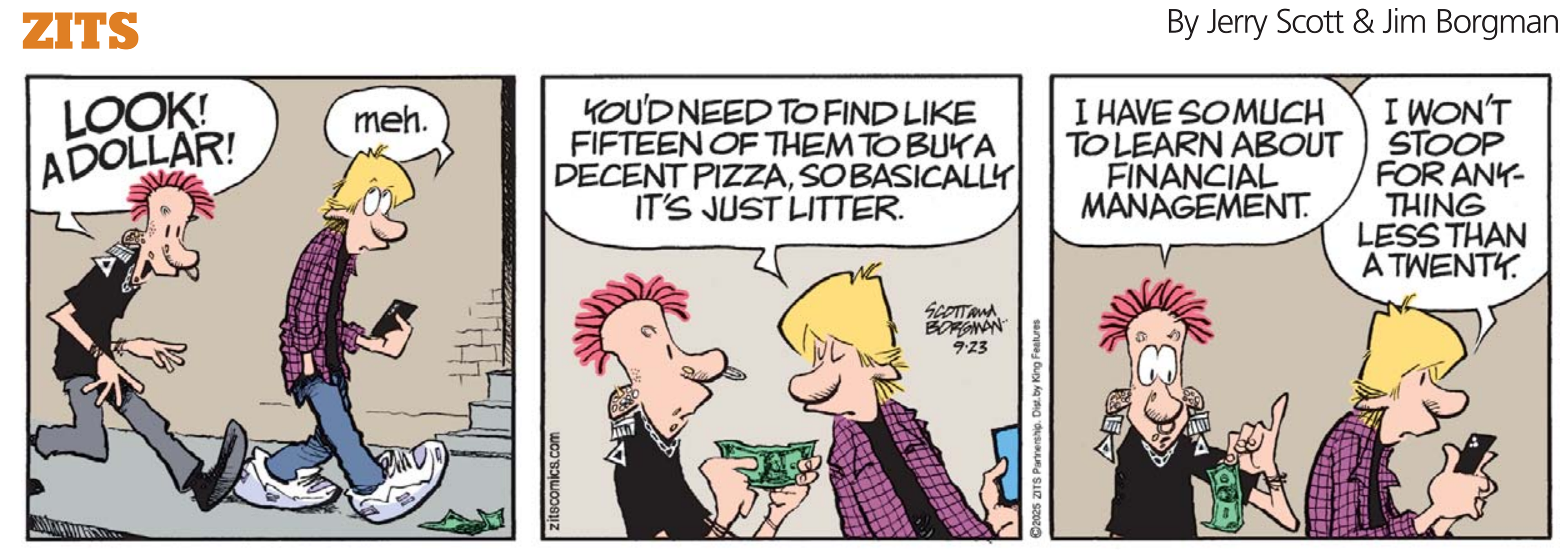

बाइक चोरी का आरोपी गिरफ्तार, 17 मोटरसाइकिलें बरामद

पकड़े गये आरोपी युवराज ने चोरी की कई वारदातें करना स्वीकार किया

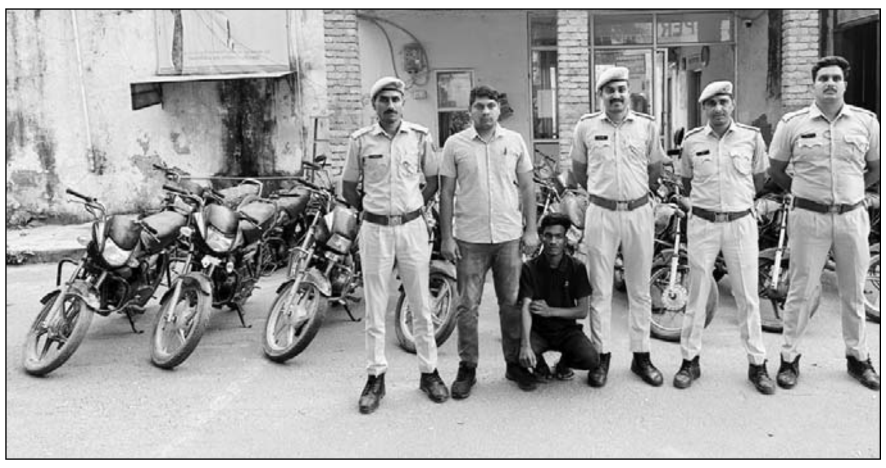

सुभाष नगर पुलिस ने बाइक चोरी के आरोपी को गिरफ्तार किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले युवराज सिंह को गिरफ्तार किया है। आरोपी युवराज सिंह से पुलिस ने 17 बाइक बरामद की है।

जानकारी के अनुसार शाहपुरा थाना क्षेत्र के बोरडा बावरियान निवासी राजेंद्र बंजारा ने 12 जुलाई को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 26 जून की शाम को केशव हॉस्पिटल की पार्किंग में खड़ी उसकी बाइक गायब हो गई। रिपोर्ट पर पुलिस ने चोरी का मामला दर्ज किया। जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन के निर्देशन में गठित टीम ने फुटेज का विश्लेषण, अपराधियों से पूछताछ और मुखबिरों की मदद से छापामारी कर आरोपी युवराज सिंह को पकड़ा। युवराज ने चोरी की सभी वारदातों को स्वीकार कर लिया। युवराज ने बताया कि उसने सुभाष नगर स्थित बांगड़, केशव और स्वस्तिक प्रोपर्टी के बाहर से 6 बाइक, भीमगंज थाना क्षेत्र से 5 बाइक, कोतवाली क्षेत्र के कोर्ट परिसर से 4 बाइक, प्रताप नगर थाना क्षेत्र के एस के प्लाजा से 1 बाइक और विजयनगर क्षेत्र से भी 1 बाइक चोरी की थी। थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि हेड कांस्टेबल सतीश कुमार, कांस्टेबल निहार, अमर सिंह और राजाराम की टीम ने इस बड़ी चोरी की वारदात का सफल खुलासा किया और सभी वाहनों को बरामद किया है। यह गिरफ्तारी बाइक चोरी के मामलों में पुलिस की बड़ी कामयाबी मानी जा रही है।

होटल में अनैतिक गतिविधियों का वीडियो वायरल : भीलवाड़ा शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र में गांधी नगर में स्थित होटल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। ये वायरल वीडियो में एक युवक और युवती आपत्तिजनक स्थिति में नजर आ रहे हैं। ये वीडियो पूरी तरह से जयपुर की फाइव स्टार होटल के वायरल वीडियो की तरह है।

बताया जा रहा है कि होटल के परिसर में अनैतिक गतिविधियां चल रही है। स्थानीय लोगों में रोष बना हुआ है। स्थानीय निवासी इस होटल में हो रही अवैध और अनैतिक गतिविधियों को लेकर प्रशासन से प्रभावी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि होटल पहले भी कई बार विवादों में रह चुका है, लेकिन अब तक सही कार्रवाई न होने से अनैतिक गतिविधियों के मामले बढ़ते जा रहा है।

सीएनजी पेट्रोल पंप पर हंगामा : अजमेर-भीलवाड़ा हाईवे स्थित जसवन्तपुरा के सीएनजी पेट्रोल पंप पर मंगलवार को एक बड़े हंगामे की खबर सामने आई। मांडल के तत्कालीन एसडीएम छोटू लाल शर्मा, जो वर्तमान में प्रतापगढ़ में पदस्थ हैं, ने पेट्रोल पंप के कर्मचारियों पर हमला किया।

मामले के अनुसार, एसडीएम ने पेट्रोल पंप के कर्मचारियों को थप्पड़ मारे और उन्हें धक्का भी दिया। जवाब में एक पेट्रोल पंपकर्मी ने भी एसडीएम को थप्पड़ जड़ दिया। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही रायला पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। पुलिस ने इस मामले में जयसवन्तपुरा पेट्रोल पंप के तीन कर्मचारियों दीपक माली, प्रभु लाल कुमावत और राजा शर्मा को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों पक्षों द्वारा की गई मारपीट की जांच जारी है। वीडियो के वायरल होने से एक बार फिर एसडीएम शर्मा सुर्खियों में आ गए हैं।

बाजार में युवक ने ब्लेड से खुद का गला काटा, हालत गंभीर

परिजन और रिश्तेदारों से परेशान था युवक

अनूपगढ़, (निसं)। परिजन और रिश्तेदारों से परेशान होकर एक युवक ने अपने गले पर ब्लेड चला दिया। इस दौरान वह 10 मिनट तक एक बंद दुकान के आगे तड़पता रहा। मामला श्रीगंगानगर जिले के अनूपगढ़ थाना क्षेत्र का है।

एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि घटना बुधवार शाम 4 बजे की है। शाम को थाने में सूचना मिली कि अनूपगढ़ शहर के मुख्य बाजार में चावला मिष्ठान भंडार के पास एक युवक ने ब्लेड के गर्दन पर वार कर लिया है। इसके बाद स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया है। ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि सूचना पर टीम अनूपगढ़ जिला अस्पताल पहुंची। जहां युवक की पहचान सोनू (40) पुत्र रमेश अरोड़ा निवासी अनूपगढ़ के रूप में हुई। घायल युवक का प्राथमिक उपचार कर डॉक्टरों से बीकानेर रेफर कर दिया। वहीं घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। जिसमें युवक खुद को परिजन और रिश्तेदारों से परेशान बता रहा है। घटना की सूचना पर अनूपगढ़ पुलिस अस्पताल पहुंची। युवक को गंभीर हालत में बीकानेर रेफर कर दिया गया।

वीडियो में युवक बोल रहा है कि मुझे कोई टेंशन नहीं है। मुझे मेरे घरवालों और रिश्तेदारों ने परेशान कर दिया है। अगर मैं मर जाता हूं तो मेरी मौत का कारण मेरे घरवाले और रिश्तेदार होंगे। जो भी मेरे दादा दादी के नाम पे जमीन है। उसे दान किया जाए। मेरे घरवालों और रिश्तेदारों को उसमें से कुछ ना मिले। मैंने ब्लेड से खुद का गला काटा है। मैं मर जाऊंगा, मुझे ये पता है। मेरे घरवालों ने मेरा दिमाग खराब कर दिया था। कभी ये चाहिए तो कभी वो चाहिए।

इस दौरान घटना का एक अन्य वीडियो भी सामने आया है। जिसमें कुछ स्थानीय लोग ट्रैफिक में तैनात पुलिस के होमगार्ड पर मदद नहीं करने का आरोप लगा रहे हैं। इस दौरान जवान ने बताया कि उसकी ड्यूटी ट्रैफिक में है और उसने एंबुलेंस को फोन कर दिया है। इस दौरान मौके पर मौजूद युवक ने इंसानियत का हवाला दिया तो कहा कि अगर तुम में इंसानियत है तो तुम पहुंचा दो।

लगभग 10 मिनट तक युवक घायल अवस्था में तड़पता रहा। इसके बाद, मौके पर मौजूद लोगों ने एक ऑटो की मदद से उसे अनूपगढ़ के सरकारी अस्पताल पहुंचाया। एसएचओ ईश्वर जांगिड़ ने बताया कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है। अनूपगढ़ सब्जी मंडी में वह सब्जी की रेहड़ी लगाता है। युवक के ठीक होने के बाद बयान लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

विवादित जमीन पर निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों में झड़प

पत्थरबाजी और आगजनी की घटना होने से एक दुकान जलकर खाक हुई

- **पांच व्यक्ति गिरफ्तार, 50 नामजद और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज**

टोंक, (निसं)। पीपलू उपखण्ड के हमेरिया गांव में विवादित जमीन पर निर्माण कार्य को लेकर दो पक्षों में झड़प हो गई, इस दौरान पत्थरबाजी और आगजनी की घटना होने से एक दुकान जलकर खाक हो गई। पीपलू थाना पुलिस ने मामले में पांच व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार विवाद गांव के सार्वजनिक कुएं के पास एक जमीन पर निर्माण कार्य को लेकर शुरू हुआ, मामले में माली समाज का एक परिवार वहां मकान बना रहा था, जबकि इस जमीन पर न्यायालय का स्थगन आदेश (स्टे) लागू था। स्टे के बावजूद निर्माण शुरू करने पर दूसरे पक्ष ने आपत्ति जताई, जिसके बाद दोनों पक्षों में पत्थरबाजी शुरू हो गई। झड़प के दौरान एक पक्ष ने परचूनी की एक दुकान में आग लगा दी, जिससे करीब एक लाख रुपये का सामान जलकर नष्ट हो गया। मौके पर पीपलू थाना की बनवाड़ा चौकी पुलिस पहुंचकर आग पर काबू पाया और पास के एक घर से तीन गैस सिलेंडर व बच्चों को सुरक्षित बाहर निकाला। वहीं घटना की सूचना मिलते ही पीपलू वृताधिकारी अरविंद कुमार सहित पीपलू, झिराना और बरोनी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वहीं मौके पर अतिरिक्त पुलिस बल बुलाकर स्थिति को नियंत्रित किया गया। गांव की महिलाओं ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने घरों में घुसकर लाठीचार्ज किया, जिसमें कई लोग घायल हो गए।

वहीं पीपलू थाना प्रभारी देवेंद्र सिंह ने बताया कि माली समाज की एक महिला की शिकायत पर 50 नामजद और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, अब तक 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है।

हेड कांस्टेबल की गाड़ी को टक्कर मार हमला करने का आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने मुख्य आरोपी के कब्जे से 12 बोर राइफल बरामद की

- **मुख्य आरोपी साहिल के अन्य साथियों की तलाश कर रही है पुलिस**

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की प्रताप नगर पुलिस चौकी के बाहर हाईवे पर नाकाबंदी तोड़कर हेड कांस्टेबल प्रमोद यादव को गाड़ी की टक्कर मारने और हमला करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी साहिल खान को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 12 बोर राइफल बरामद की है।

जानकारी के अनुसार यह हमला 16 अक्टूबर की रात करीब 7:45 बजे हुआ था, जब ब्लैक स्कॉर्पियो ने पुलिस की नाकाबंदी तोड़ दी। इस हमले में हेड कांस्टेबल प्रमोद यादव का दाहिना पैर टूट गया था और कांस्टेबल दिलीप सिंह के घुटने में चोट आई थी। पुलिस ने प्रमोद यादव की रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज कर आरोपी साहिल खान को चित्तौड़गढ़ के शंभूपुरा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किया। इसके साथ-साथ साहिल के अन्य साथियों मीम अफजल खान, मोहम्मद हाथिम, बलराम सिंह राठौड़ और सोहेल खान की तलाश जारी है। पुलिस ने इन सभी आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया है। थाना प्रभारी सुरजीत सिंह का कहना है कि घटना के बाद ही स्कॉर्पियो में सवार संदिग्धों की खोज शुरू की गई, जिसमें साहिल की गिरफ्तारी महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। बाकी आरोपितों की धरपकड़ के लिए टीम सक्रिय है।

हादसे में बाइक सवार की मौत

कोटा, (निसं)। कैथून थाना इलाके में ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। कैथून के गोलियाहेड़ी निवासी हरीश (35) सांगोद के देवली इलाके से लौटते समय कैथून चौराहे के पास तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली चालक ने ओवरटेक करने के दौरान लापरवाहीपूर्वक वाहन को चलते हुए बाइक को टक्कर मारी। हादसे में गंभीर रूप से घायल हरीश कुमार को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

कुएं में डूबने से युवक की मौत

निवाई के भातडिया में पुलिस व ग्रामीणों ने युवक को कुएं से बाहर निकाला।

निवाई, (निसं)। वनस्थली के समीप स्थित गांव भातड़िया में कुएं में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि गुणीराम (26) पुत्र गणेश बैरवा निवासी बैरवा की ढाणी भातड़िया कुएं में पानी की मोटर उतारने गया था। जिसका संतुलन खराब होने से वह कुएं में गिर गया। जिसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामवासियों की मदद से उसको कुएं से बाहर निकालकर उपचार के लिए उपजिला अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्ट मार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

कुएं में गिरने से महिला की मौत :- वहीं गांव पितावास में एक महिला की कुएं में गिरने से मौत हो गई। थानाधिकारी बृजेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि रिंकू गुर्जर (25) पत्नी विश्राम गुर्जर निवासी पितावास थाना बरौनी में मिर्गी का दौरा आता है। वह असंतुलित होकर कुएं में गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतका के शव को कुएं से निकालकर राजकीय सामुदायिक चिकित्सालय पीपलू में शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

पुरानी खान धंसने से गहरा गड्ढा बना

नोखा, (निसं)। यहां उगमपूरा क्षेत्र में बुधवार सुबह बजरी की पुरानी खान धंसने से हनुमानजी मंदिर के पास मुख्य मार्ग पर जमीन में गहरा गड्ढा बन गया। गनीमत रही कि हादसे के वक्त वहां से कोई वाहन या राहगीर नहीं गुजर रहा था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही एएसआई राजूराम और पुलिस जवान मौके पर पहुंचे। उन्होंने एहतियात के तौर पर सड़क मार्ग को बंद करवा दिया और लोगों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने का आग्रह किया। जिस स्थान पर यह धंसाव हुआ है, उसके समीप हनुमानजी मंदिर परिसर में जनता क्लिनिक भी संचालित है। यह मार्ग रोजाना सैकड़ों वाहनों और आमजन के आवागमन का मुख्य रास्ता है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि भूमिगत खान की पुरानी सुरंगें इस धंसाव का कारण हो सकती हैं। प्रशासन ने क्षेत्र का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है।

नोखा में पहले भी कई बार जमीन धंसने की ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। खोखली जमीन पर बड़ी आबादी बसी होने के कारण भविष्य में भी ऐसे हादसों की आशंका बनी हुई है।

मॉडिफाइड पिकअप से शराब तस्करी, एक गिरफ्तार

गुजरात सप्लाई से पहले पुलिस ने नाकाबंदी में दो लाख की शराब पकड़ी

डूंगरपुर, (निसं)। शराब तस्करी के लिए बनाई गई मॉडिफाइड बोलेरो पिकअप को पुलिस ने राजस्थान-गुजरात सीमा पर धर दबोचा। वाहन के लोडिंग पार्ट में बने गुप्त बॉक्स से करीब दो लाख रुपए की इंपोर्टेड शराब बरामद की। पुलिस ने मौके से एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है।

धंबोला थानाधिकारी ने बताया कि अवैध शराब तस्करी के खिलाफ कार्यवाही के तहत सरथुना बॉर्डर पर नाकाबंदी के दौरान एक गुजरात नंबर की बोलेरो पिकअप आती दिखाई दी। पुलिस ने जब वाहन को रुकवाकर तलाशी ली तो वह ऊपर से खाली नजर आई। पुलिस को शक होने पर वाहन की बारीकी से जांच की गई। इस दौरान लोडिंग पार्ट स्लाइडर की तरह बाहर निकला और नीचे एक गुप्त केबिन मिला। जब उसे खोला गया तो उसमें राजस्थान निर्मित शराब की 215 बोतलें मिलीं। शराब की बाजार कीमत करीब 2 लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने मौके से ईश्वरनाथ पुत्र धर्मनाथ योगी निवासी जालरिया थाना आसींद, जिला भीलवाड़ा को गिरफ्तार किया है। आरोपी गुजरात में शराब की तस्करी के लिए इसे ले जा रहा था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि तस्करी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी खुलासा किया जा सके।

गाय से टकराई बाइक, युवक की मौत

लूणकरणसर, (निसं)। एनएच-62 पर हरियासर के निकट एक सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। एक बाइक गाय से टकराने के बाद अनियंत्रित होकर खेत की तार पट्टी से जा टकराई। इस हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने पर टाइगर फोर्स टीम के राकेश मूंड ने भाडेरा टोल की एंबुलेंस को सूचित किया। एंबुलेंस द्वारा घायल को तुरंत लूणकरणसर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान 25 वर्षीय राजपाल मेघवाल पुत्र जीत राम मेघवाल के रूप में हुई है, जो डेलाना बड़ा का निवासी था।

ट्रक पुलिया से नीचे गिरा, चालक की मौत

कोटा, (निसं)। बूढ़ादीत थाना इलाके में 8 लेन एक्सप्रेस पर रॉन्ग साईड से आ रहा ट्रक असंतुलित होकर पुलिया से नीचे गिर गया, हादसे में ट्रक चालक की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार ट्रक मंडाना गोपालपुरा झालावाड़ रोड से 8 लेन एक्सप्रेस पर चढ़ा था और दिल्ली की तरफ जा रहा था। ट्रक में ऑयल पेंट और तारपीन केमिकल भरा हुआ था। ट्रक चालक को नींद की झपकी आने से 8 लेन पर झाड़गांव के समीप ट्रक नियंत्रण खो बैठा और दोनों लेन के बीच बनी पुलिया से टकराकर नीचे जा गिरा, हादसा इतना भीषण था कि ट्रक का केबिन पूरी तरह से चिपक गया और चालक अंदर ही फंस गया। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची, पुलिस व ग्रामीणों ने क्रेन की मदद से केबिन तोड़कर ट्रक चालक को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सक ने जांच के बाद ट्रक चालक को मृत घोषित कर दिया।

मामले को लेकर बूढ़ादीत थाने के एएसआई सुनील कुमार ने बताया कि ट्रक चालक जिला हरियाणा के बादली निवासी तस्लीम था जो ट्रक लेकर दिल्ली की तरफ जा रहा था। एएसआई ने बताया कि 8 लेन पर झाड़गांव के समीप संभावना है कि ट्रक चालक को नींद की झपकी लगने से ट्रक असंतुलित होकर पुलिया से नीचे गिर गया। हादसे में चालक तस्लीम की मौत हो गई, मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया, मामला दर्ज कर मामले की जांच की जा रही हैं।

दीपावली की रात मोहनगढ़ मंडी व्यापारी और अकाउंटेंट की हत्या

- **दोनों के शव मोहनगढ़ कस्बे से करीब छह किलोमीटर दूर नई मंडी में मिले**

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले में मोहनगढ़ मंडी व्यापारी और उसके अकाउंटेंट की हत्या से दहशत फैल गई है। दोनों शव मोहनगढ़ कस्बे से करीब 6 किलोमीटर दूर नई मंडी में मिले।

जानकारी के अनुसार दोनों की हत्या दिवाली की रात की गई। मंगलवार सुबह मंदिर के एक पुजारी ने खून से लथपथ बॉडी देखी थी। ये बॉडी अनाज व्यापारी मदनलाल सारस्वत और उनके मुनीम रेवंतराम की थी। जैसलमेर के मोहनगढ़ थाना इलाके में दीपावली की रात 20 अक्टूबर को हुई अनाज व्यापारी और उसके मुनीम की हत्या ने पूरे जिले को दहला दिया। मंगलवार देर शाम दोनों के शवों का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंपा गया, जिसके बाद वे शव लेकर बीकानेर रवाना हो गए। पुलिस ने हत्यारों को जल्द पकड़ने का आश्वासन दिया है। मृतक व्यापारी मदनलाल सारस्वत ने हत्या से कुछ घंटे पहले अपनी कार का टैंक फुल करवाया था ताकि पूजा के बाद बीकानेर लौट सके। पेट्रोल पंप के सीसीटीवी फुटेज में वह दिखाई भी दे रहा है। जांच में सामने आया है कि हत्यारे वारदात के बाद उसी कार को लेकर मौके से फरार हुए।

बदमाशों ने पुलिस नाकाबंदी तोड़ी, इनामी अपराधी फरार

तीन अन्य साथी गिरफ्तार, फॉरच्यूनर कार बरामद

जोधपुर, (कासं)। लोहावट पुलिस ने नाकाबंदी तोड़ने और राजकार्य में बाधा डालने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। इस दौरान घटना में प्रयुक्त एक फॉरच्यूनर गाड़ी भी जब्त की गई है। इस बीच इनामी अपराधी मौके से भागने में सफल रहा, जिसकी तलाश जारी है।

पुलिस को 20 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि जाम्बा थाने में दर्ज हत्या के प्रयास के मामले में वांछित और 10 हजार रुपए का इनामी अपराधी सोढादड़ा निवासी विकास उर्फ रॉक स्टार एक फॉरच्यूनर गाड़ी में तीन-चार अन्य लोगों के साथ पीलवा से लोहावट की ओर आ रहा है। इस सूचना पर लोहावट पुलिस और फलोदी जिला विशेष टीम ने लोहावट-पीलवा सड़क पर नाकाबंदी की। संदिग्ध फॉरच्यूनर गाड़ी को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन चालक ने गाड़ी नहीं रोकी और नाकाबंदी तोड़कर भागने लगा।

पुलिस ने पीछा किया तो गाड़ी कुछ दूरी पर अनियंत्रित होकर एक गड्ढे में गिर गई। गाड़ी में सवार इनामी अपराधी और अन्य लोग भागने लगे। पुलिस टीम ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो उन्होंने पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की कर राजकार्य में बाधा डाली।

इस बीच इनामी अपराधी मौके से भागने में सफल रहा, जिसकी तलाश जारी है। पुलिस ने राजकार्य में बाधा डालने के आरोप में दिनेश, हड़मान और ईश्वर निवासी ग्रडिया को गिरफ्तार किया है। घटना में काम में ली गई फॉरच्यूनर गाड़ी को भी जब्त कर लिया गया है।

अजमेर से 11 त्योहार स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

अजमेर, (कासं)। रेलवे द्वारा दीपावली, छठ पूजा और त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए विशेष प्रबंध किए गए हैं। अतिरिक्त यात्री भार को देखते हुए स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। अजमेर से संबंधित कुल 29 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है, जिसमें बुधवार को 11 त्यौहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन अजमेर स्टेशन से किया गया। संचालित होने वाली स्पेशल ट्रेनों में हिसार-वलसाड स्पेशल अजमेर स्टेशन पर 20:00 बजे, अजमेर-भिवानी स्पेशल अजमेर स्टेशन से 5:30 बजे, जयपुर-मैसूर स्पेशल अजमेर स्टेशन पर 6:10 बजे, साबरमती-हरिद्वार स्पेशल अजमेर स्टेशन पर 16:00 बजे, साबरमती-पटना अजमेर स्टेशन पर 1:55 बजे, शकूरबस्ती-ओखा स्पेशल अजमेर स्टेशन पर 21:20 बजे, अजमेर-सोलापुर स्पेशल अजमेर स्टेशन से 9:00 बजे, जयपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल अजमेर स्टेशन से 18:05 बजे, साबरमती -बेगूसराय अजमेर स्टेशन पर 21:00 बजे, बेगूसराय-साबरमती अजमेर स्टेशन पर 19:05 बजे, मदार जंक्शन-रोहतक स्पेशल मदार जंक्शन से 4:30 बजे शामिल है।

बीकानेर में आतिशबाजी से 100 से ज्यादा लोग झुलसे

- **किसी को गंभीर स्थिति में अस्पताल में नहीं लाना पड़ा, वहीं पोटाश की चपेट में आने से तीन जने घायल हो गये**
- **पीबीएम अस्पताल में डॉक्टर्स की टीम चौबीस घंटे तैनात रही**

बीकानेर, (निसं)। यहां दीपावली के दौरान आतिशबाजी करते हुए 100 से ज्यादा लोग झुलस गए। हालांकि कोई भी गंभीर रूप से नहीं झुलसा, ऐसे में किसी को भर्ती करने की जरूरत नहीं पड़ी। पीबीएम अस्पताल में डॉक्टर्स की टीम चौबीस घंटे तैनात रही, वहीं मारवाड़ जन सेवा समिति के कार्यकर्ताओं ने भी झुलसे हुए लोगों के इलाज के लिए विशेष इंतजाम किए।

समिति के संचालक रमेश व्यास ने बताया कि पिछले दो दिन में बीकानेर के अनेक क्षेत्रों में आतिशबाजी करते हुए सौ से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कोई सामान्य झुलसा तो कोई थोड़ा ज्यादा, लेकिन किसी को गंभीर स्थिति में अस्पताल में नहीं लाना पड़ा। ग्रामीण क्षेत्रों में कई जगह हल्की आग भी लगी, लेकिन कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया।

पीबीएम हॉस्पिटल के ट्रोमा सेंटर में 3 दिन लगातार मारवाड़ जनसेवा समिति ने सेवाएं दी। लगभग तीन दिनों में 80 लोग पटाखों से जलकर ट्रोमा सेंटर पहुंचे। वहीं कुछ लोग जिला अस्पताल और आसपास के अस्पतालों में भी पहुंचे। समिति सदस्यों को डॉक्टर और अस्पताल प्रशासन ने सहयोग किया। ज्यादातर लोग अनार और चकरी से जले थे। तीन लोग पोटाश की चपेट में आने से झुलस गए, जिनका इलाज हाथों हाथ ट्रोमा सेंटर में कराया गया। शरीर के कई हिस्सों में पोटाश के कारण आग लगी। समिति की ओर से अस्पताल में रमेश व्यास, मुनीराम सोनी, चंदन ठाकुर, महेंद्र सांवरिया, महेंद्र ढाका, कालू पांडे आदि ने सहयोग दिया।

पटाखों की चिंगारियों से आग लगी

श्रीगंगानगर, (निसं)। दीपावली के त्योहार के बीच पटाखों से आगजनी की घटनाएं सामने आई है। पटाखों की चिंगारियों से यह आगजनी हुई है।

जिले के श्रीविजयनगर कस्बे के गांधी पार्क में सोमवार रात करीब 12 से 1 बजे के बीच कचरे के ढेर में अचानक भीषण आग लग गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इलाके में धुएं से घुटन की स्थिति बन गई थी।

आस-पास के ग्रामीणों ने बताया कि दिवाली के पटाखों के अवशेषों के कारण कचरे में सुलगती चिंगारी ने आग को भड़काया। गांधी पार्क के पास ही स्थित ग्राम 32 जीबी में भी इसी तरह की छोटी-मोटी आगजनी की घटना देखने को मिली। जहां सूखे पत्तों और कचरे में आग फैलने लगी थी। फायर ब्रिगेड ने समय पर पहुंचकर बड़ा हादसा टाल दिया।

सार-समाचार

'विद्यार्थी नशे के चंगुल में फंस रहे हैं'

अलवर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने रविवार को अलवर के मोती डूंगरी पहुंचकर कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और प्रदेश की मौजूदा स्थिति को लेकर सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार लगातार बढ़ रहे हैं, कानून-व्यवस्था चरमराई हुई है और अब हालात इतने गंभीर हो गए हैं कि कम उम्र के बच्चे भी नशे की लत में फंस रहे हैं। जूली ने कहा कि सरकार की लापरवाही और कमजोर नशा-नियंत्रण नीति के कारण समाज में नशे का जाल तेजी से फैलता जा रहा है। स्कूल और कॉलेजों के विद्यार्थी तक नशे के चंगुल में फंस रहे हैं, लेकिन सरकार आंखें मूंदे बैठी है। उन्होंने कहा कि प्रशासन केवल दिखावटी कार्रवाई करता है, जबकि असली नेटवर्क फल-फूल रहा है। जूली ने कहा कि प्रदेश में अपराध का ठााफ लगातार बढ़ रहा है। लूट, चोरी, बलात्कार और हत्या जैसे मामलों में दिन-प्रतिदिन वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि जब जनता सुरक्षा की उम्मीद सरकार से करती है, तब सरकार सिर्फ घोषणाओं और विज्ञापनों में व्यस्त दिखाई देती है। जूली ने कहा कि सडक़ों की हालत बदहाल है, गांवों में विकास कार्य ठप पड़े हैं, और आमजन को मूलभूत सुविधाएं तक नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार जनता की नहीं बल्कि प्रचार और दिखावे की सरकार बनकर रह गई है। उन्होंने जैसलमेर बस हादसे का भी जिक्र किया, जिसमें कई लोगों की मौत हुई थी। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं सरकार की नाकामी को उजागर करती हैं। हादसे के बाद सरकार मुआवजे की घोषणा पर सोचती है। लेकिन हादसों के असली कारणों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं करती। जूली ने कहा कि आज हालात इतने खराब हैं कि राजस्थान का युवा दिशा भटक रहा है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी और नशे का मिला-जुला असर समाज को खोखला कर रहा है। "कम उम्र के बच्चे नशे की गिरफ्त में आ रहे हैं, जो आने वाले भविष्य के लिए बेहद चिंताजनक संकेत है," उन्होंने कहा कि वह इस गंभीर मुद्दे को विधानसभा में उठाएंगे ताकि सरकार को जवाबदेह ठहराया जा सके। उन्होंने कहा कि कांठोस इस मामले को सडक़ से लेकर सदन तक ले जाएगी और जब तक नशा माफिया और अपराधियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती, तब तक चैन से नहीं बैठेगी। जूली ने कहा कि भाजपा सरकार जनता को सिर्फ जुमले और खोखले वादे दे रही है। उन्होंने कहा कि जनता ने उम्मीदों के साथ भाजपा को सत्ता सौंपी थी, लेकिन अब हर वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। जूली ने कहा कि कांठोस हमेशा जनता की आवाज रही है और आगे भी रहेगी। उन्होंने कहा कि जनता के बीच जाकर सरकार की नाकामियों को उजागर करना ही वास्तविक सेवा है।

विवाहिता की हत्या का मामला दर्ज

निवाई। मूंडिया की बाडा की ढाणी थाना सदर निवाई निवासी रामजीलाल पुत्र प्रहलाद मीणा ने दहेज की मांग को लेकर उसकी बहिन मनीषा का उसके पति जीतराम मीणा, सास संतोष मीणा व ननद रेखा मीणा के खिलाफ हत्या करने का मामला दर्ज करवाया है। थानाधिकारी कालूराम मीणा ने बताया कि रामजीलाल मीणा ने मामला दर्ज करवाया है कि उसकी बहिन की शादी इसी वर्ष मार्च महिने में बाडा की ढाणी भगवतपुरा में जीतराम मीणा के साथ हुई थी। जिस पर उसके पति जीतराम मीणा, सास संतोष मीणा व ननद रेखा मीणा ने उसकी बहिन से दहेज की मांग करते थे और उसके साथ मारपीट भी करते थे। जिससे वह बीमार हो गई। उसका ईलाज पीहर में लाकर करवाया। 19 अक्टूबर को उसका पति उनके घर आया और माफी मांगते हुए मनीषा को अपने साथ ले गया। ससुराल ले जाने के बाद उसका पति जीतराम फिर दहेज की मांग को लेकर उसके साथ लडाई-झगडा करने लगा। 20 अक्टूबर को दोपहर करीब 3 बजे सूचना मिली की मनीषा की मौत हो गई। सूचना पर हम परिवारजन मनीषा के ससुराल पहुंचे जहां उसके ससुराल वाले दाह संस्कार की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने मनीषा का शव देखा तो उसके गले पर रस्सी के निशान दिखाई दिए। इस पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। थानाधिकारी कालूराम मीणा ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लिया और उप जिला अस्पताल में लाकर पोस्ट मार्टम करवाया और शव को पीहर पक्ष को सौंप दिया। पुलिस ने दहेज हत्या का मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

पावटा में धूमधाम से मनाया गोवर्धन पर्व

पावटा। उपखंड पावटा क्षेत्र में दीपावली का पर्व सोमवार को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दौरान चारों तरफ इमारतें और घर रंग-बिरंगी लाइट और दीयों से रोशन नजर आए। वही घरों, मंदिरों को दीपों से सजाया गया। धनतेरस से लेकर बड़ी दीपावली तक देर रात तक लोगों ने पटाखे छोड़ कर पर्व की खुशिया मनाई। आसमान पर रंग-बिरंगी रोशनी का नजारा देखते ही बन रहा था। इस दौरान बच्चे काफी उत्साहित थे। लक्ष्मी पूजन के बाद लोगों ने मिठाइयां खाई। दीपावली के अगले दिन परेवा-गोवर्धन पूजा होती है। इस बार ऐसा नहीं हो हुआ व परेवा एक दिन बाद यानी तीसरे दिन बुधवार को नगर सहित ठाामीण क्षेत्रों में गोबर्धन पूजा (अन्नकूट) का पर्व महिलाओं ने श्रद्धा से मनाया। मंदिरों, घरों और गोशालाओं में गोबर का गोवर्धन बनाकर शाम को विशेष पूजा-अर्चना की गई। जगह-जगह अन्नकूट के भंडारे आयोजित करके श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण किया गया। यह अन्नकूट गोवर्धन पूजा घर में अन्नधन और सुख समृद्धि बने रहने के लिए लोग करते हैं। इस पूजा में भगवान श्री कृष्ण की अराधना व पूजा की जाती है। वही मंदिरों मे अन्न कूट का भोग लगाकर श्रद्धालुओ द्वारा प्रसाद जमीन पर पंक्तियों में बैठ कर श्रद्धापूर्वक ठाहण किया गया। गोवर्धन की पौराणिक कथा पौराणिक कथा के अनुसार, द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने इंद्रदेव के घमंड को तोड़ने व गोकुलवासियों की उनके प्रकोप से रक्षा करने के लिए गोवर्धन पर्वत को आज ही के दिन छोटी उंगली पर उठाया था। जिसके बाद इंद्रदेव ने उनसे क्षमा याचना की थी। वही दीपावली, गोवर्धन पूजा और भाई दूज जैसे प्रमुख त्योहारों के मद्देनजर उपखंड पावटा में व्यापारियों व जनता के सहयोग से सुरक्षा के व्यापक इंतजाम करने व यातायात व्यवस्था बनाए रखने एवं त्यौहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्द पूर्ण माहौल में संपन्न करवाने में वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा। जिससे आमजन ने त्यौहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्द पूर्ण माहौल में खुशी पूर्वक मनाया।

जनता का स्नेह और विश्वास ही मेरा सबसे बड़ा संबल : जवाहर सिंह बेढम

- गृह राज्य मंत्री बेढ़म ने गोवर्धन पर्व पर नगर में बाजार में व्यापारियों को दुकानों पर जाकर दी दीपोत्सव की बधाई

लोगो को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री जवाहरसिंह बेढम

डीग। पंच दिवसीय दीपोत्सव के पावन अवसर पर, राजस्थान सरकार में गृह, गौपालन, पशुपालन, डेयरी तथा मत्स्य विभाग राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बुधवार को डीग जिले में अपने विधानसभा क्षेत्र नगर का दौरा किया। इस दौरान वह पारंपरिक उत्सवों में भाग लेकर आमजन से रूबरू हुए और शहीदों को नमन कर समाज के प्रति अपना आभार और भावनात्मक जुड़ाव प्रकट किया।

गृह राज्य मंत्री बेढम ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर नगर कस्बे के मुख्य बाजारों में भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने प्रत्येक व्यापारी और दुकानदार से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम पूछी और उन्हें दीपोत्सव की बधाई दी।

इस आत्मीय संवाद के दौरान उन्होंने व्यापारियों से उनकी दीवाली कैसी रही, इस बारे में जानकारी ली और उनके व्यापार की समृद्धि की कामना की। बाजारों में मंत्री को अपने बीच पाकर व्यापारी भी अभिभूत नजर आए। भारतीय संस्कृति में गोवर्धन पूजा के महत्व को रेखांकित करते हुए गौपालन राज्य मंत्री बेढ़म ने गौशाला में विधि-विधान से गौ-माता की पूजा-अर्चना की। उन्होंने अपने हाथों से गाय को तिलक लगाया, माला पहनाई और चारा खिलाकर पूजा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि गौ-माता हमारी आस्था, संस्कृति और ठाामीण अर्थव्यवस्था का आधार हैं। उनकी सेवा करना हमारा परम धर्म है। आज इस पवित्र दिन पर मैंने गौ-माता से समस्त प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की प्रार्थना की है। अपने भ्रमण के दौरान बेढम ने अमर शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और देश के लिए उनके सर्वोच्च बलिदान को याद किया। गृह राज्य मंत्री बेढम ने एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह पद, यह सम्मान, यह सब इसी समाज और आप लोगों के आशीर्वाद की देन है।

मैं आज यहां एक मंत्री के तौर पर नहीं, बल्कि आपके परिवार के एक सदस्य के तौर पर आपकी खुशियों में शामिल होने और आपके प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने आया हूँ। उन्होंने कहा कि त्यौहार हमारी सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं और हमें अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

दीपावली उल्लास, उमंग के साथ मनाई

मनोहरपूर। स्थानीय कस्बे सहित आसपास के समूचे क्षेत्र में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मे मनाया गया । शुभ मुहूर्त पर पूजा अर्चना कर सुख शांति व भारत देश की सलामती की कामनाएं की गई इसके बाद रामा श्यामा व सेल्फ़ी का दौर चला जोकि देर रात्रि तक चला बस स्टैंड से लेकर गांधी चौक तक पूरा बाजार रोशनी से जगमगा उठा। हर गली, हर दुकान पर दीपों और झालरों की चमक ने मानो स्वर्गिक नज़ारा बना दिया। इसी दौरान थाना प्रभारी भगवान सहाय मीणा मय जाप्ता क्षेत्र में निकले और व्यापारियों से मुलाकात की। व्यापारियों ने अपने बीच पहुंचे थाना प्रभारी का राजस्थानी परंपरा के अनुसार साफा पहनाकर और माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया। गुलाब की पंखुड़ियों से स्वागत हुआ तो तालियों की गड़गड़ाहट से बाजार गूंज उठा। इस अवसर पर एएसआई राजेश सहित पुलिस टीम मौजूद रही। व्यापार मंडल के पूर्व अध्यक्ष डी.के. सोनी और समाजसेवी विमल केशुका ने भी थाना प्रभारी का स्वागत कर दीपावली की शुभकामनाएं दीं। दीप, पटाखे, लाइटों की लड़ी और रंग-बिरंगी फेरियों से सजा बाजार आकर्षण का केंद्र बना रहा। हर व्यापारी ने अपनी दुकान को विशेष रूप से सजाया।

वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए आमजन से सहयोग की अपील

कोटपूतली-बहरोड़। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु गुणवत्ता में गिरावट को देखते हुए आयोग द्वारा ठोडेड रेस्पॉन्स एक्शन प्लान (का चरण-2 लागू किया गया है। क्षेत्रीय अधिकारी राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कोटपुतली-बहरोड़ राजकुमार सेहरा ने बताया कि कोटपुतली-बहरोड़ क्षेत्र, जो एनसीआर का हिस्सा है, में राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा विभिन्न विभागों के सहयोग से प्रदूषण नियंत्रण की व्यापक कार्यवाही प्रारंभ की गई है। क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि इसके तहत सड़कों की मैकेनिकल स्वीपिंग मशीन से सफाई एवं नियमित वाटर स्प्रिंकलिंग। निर्माण स्थलों पर ठीन नेट, कवरिंग,स्मोग गन और धूल नियंत्रण उपायों को अनिवार्य किया गया है. औद्योगिक इकाइयों में कोयले के स्थान पर स्वच्छ ईंधन (/बायोफ्यूल) का प्रयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। कचरा, पत्तियाँ या अवशेष जलाने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। नगर निकाय एवं रीको द्वारा खुले कचरा स्थलों की निगरानी और नियमित सफाई की जा रही है यातायात विभाग द्वारा वाहनों की जाँच और अत्यधिक धुआँ उत्सर्जन करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है। जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि वायु प्रदूषण नियंत्रण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है – इसमें जनता की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। अत: क्षेत्र के सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे अपने घरों, खेतों या सड़कों पर कचरा, पत्तियाँ या प्लास्टिक न जलाएँ। निजी वाहन का प्रयोग कम करें, जहाँ संभव हो साझा वाहन या सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें.निर्माण कार्य में धूल फैलने से रोकने के लिए पानी का छिड़काव करें और सामठाी को ढककर रखें। अपने वाहनों की नियमित सर्विसिंग एवं प्रमाणपत्र अद्यतन रखें।हरियाली बढ़ाने और वृक्षारोपण में सहयोग करें। डीजल जनरेटर पर किट की स्थापना/संचालन सुनिश्चित करें, तथा अत्यधिक आवश्यकता पर ही उपयोग करें। क्षेत्रीय अधिकारी ने बताया कि कोटपुतली-बहरोड़ क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा इस दौरान विशेष निगरानी दल गठित किए गए हैं, जो औद्योगिक इकाइयों, निर्माण स्थलों एवं खुले क्षेत्रों का नियमित निरीक्षण कर रहे हैं।

अलवर शहर रोशनी से जगमगाया

अलवर। पांच दिवसीय दीपोत्सव के मौके पर इस बार अलवर शहर रोशनी से जगमगा उठा। धनतेरस की शाम शहर की लाइटिंग का उद्घाटन होप सर्कस से अलवर एसपी सुधीर चौधरी ने बटन दबाकर किया। जैसे ही लाइटिंग शुरू हुई, तो मानो पूरा शहर अलग-अलग रंगों की रोशनी से नहाया हुआ हो। कार्यक्रम की शुरुआत शनिवार शाम 6.30 बजे होप सर्कस से हुई। सडक़ों पर तीन रंगों की लडिय़ां लगाई गई हैं, जिससे शहर का मुख्य बाजार आकर्षक रोशनी में निखर उठा। घंटाघर को भी विशेष रूप से सजाया गया है और होप सर्कस पर अलग-अलग रंगों की लाइटें लगाई गई हैं। वहीं, नंगली सर्किल और बिजली घर सर्किल पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाए गए हैं, जहां लोग तस्वीरें खिंचवाने पहुंच रहे हैं।

होप सर्कस की ऊंचाई से बाजार का नजारा बेहद मनमोहक दिखाई दे रहा है। खरीददारों के साथ-साथ लोग लाइटिंग की जगमगाती तस्वीरें देखने के लिए भी बाजार में उमड़ रहे हैं। व्यापारी महासंघ के जिला अध्यक्ष रमेश जुनेजा ने बताया कि लाइटिंग की तैयारी में कई व्यापारी साथी और संरक्षक जुड़े रहे, जिससे इस बार शहर में बेहतरीन सजावट की गई है।

एस एल टावर प्रथम स्थान पर

शाहपुरा। दीपावली पर्व पर शहर में शाहपुरा व्यापार महासंघ की ओर से सजावट प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसका एसडीएम संजीव कुमार खेदड के निर्देशन में थानाप्रभारी हेमराज सिंह गुर्जर,नगर परिषद सभापति बंशीधर सैनी, व्यापार महासंघ अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल, राजेंद्र पलसानिया, श्याम सुंदर राज जोशी, महावीर माऊरामका, महेंद्र कुमार सैनी, औद्योगिक संघ अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह यादव व नारायण सैनी व अन्य ने अवलोकन किया। बुधवार को प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। महासंघ अध्यक्ष राजकुमार अग्रवाल ने बताया कि प्रतियोगिता में हनुमंत प्लाजा व एस एल टावर ने संयुक्त रूप से प्रथम स्थान,द्वितीय स्थान पर पवन भगेरिया ने प्राप्त किया।

ताश के पत्तों पर जुआ खेलते 5 जुआरी गिरफ्तार

नारायणपुर । कोटपुतली-बहरोड़ पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई के निर्देशन में बुधवार को स्थानीय थाना पुलिस ने जुआरियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर ताश के पत्तों पर जुआ खेलते हुए पांच जनों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से कुल 20 हजार 530 रुपए की नगद राशि भी बरामद की है। थानाधिकारी रोहिताश कुमार ने बताया कि पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कस्बे में दो अलग-अलग जगहों पर कुछ लोग ताश के पत्तों पर जुआ खेल रहे हैं। इस पर थाना अधिकारी के नेतृत्व में लोकल एवं स्पेशल एक्ट के तहत विशेष अभियान चलाते हुए दो टीमें गठित की गईं। पहली टीम ने जोधपुरा गांव में दबिश देकर तीन जुआरियों को मौके पर ही गिरफ्तार किया, जिनकी पहचान मामराज (52) पुत्र रघुनाथ जाति बलाई, बिहारी लाल (70) पुत्र घासीराम जाति बलाई तथा नंदराम यादव (65) पुत्र भौराराम यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से नगद राशि और ताश के पत्ते बरामद किए।

पथराव करने वाले 27 आरोपी गिरफ्तार

भरतपुर (निस)। भरतपुर जिले के बयाना कस्बे में दीपावली के त्यौहार के दिन लगभग 150 लोगों ने जमीन विवाद को लेकर ज्ञापन देने पहुंचे थे। लेकिन अचानक लोगों ने भरतपुर-करौली स्टेट हाईवे पर चक्का जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू किया था। जाम की सूचना पर जब पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश करने लगी तो प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर हमला करते हुए पथराव कर दिया था। प्रदर्शनकारियों के पथराव से पुलिस की दो गाडियां क्षितठास्त हो गई और कई पुलिस कर्मियों को चोट आई थी। हंगामा और पुलिस पर हमला करने वाली यह वारदात कैमरे में कैद हो गई जिसके वीडियो वायरल हो रहे है।

पुलिस पर हमला करने वाले लोगों के खिलाफ आज पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 27 लोगों को गिरफ्तार किया है साथ ही दो नाबालिगों को दस्तयाब किया है। पुलिस ने दो महिलाओं को उसी दिन गिरफ्तार कर लिया था। पुलिस थाने के अंदर गिरफ्तार किये गए आरोपी हाथ जोड़कर माफ़ी मांगने लगे और कहने लगे की आज के बाद पुलिस पर हमला नहीं करेंगे।

गौरतलब है की भरतपुर के गढ़ी बाजना थाना क्षेत्र के गाँव सेउपूरा में विगत 20 अक्टूबर को दिवाली त्यौहार के दिन जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में झगड़ा हुआ था। उसके बाद एक पक्ष अपने रिश्तेदारों और ठाामीणों की लगभग 150 से ज्यादा की संख्या में भीड़ इकट्ठी कर बयाना ज्ञापन देने के लिए आये थे। यहाँ भीड़ ने भीमनगर तिराहे पर चक्का जाम कर दिया और प्रदर्शन करने लगे।

कानून व्यवस्था बनाये रखने और प्रदर्शनकारियों को समझाइश करने के लिए जब पुलिस अधिकारी टीमों के साथ पहुंचे तो लोगों ने पुलिस पर हमला शुरू करते हुए पथराव कर दिया। इस हमले में पुलिस की दो गाडियां क्षितठास्त हो गई साथ ही कई पुलिस कर्मी घायल हुए थे।

बयाना थाना के एएसआई बिजेंद्र सिंह ने बताया की 20 अक्टूबर को दिवाली के दिन सैकड़ों की संख्या में लोगों ने स्टेट हाईवे पर जाम लगा दिया था द्य प्रदर्शनकारियो ने पुलिस पर पथराव किया। जिसमे पुलिस की गाडियां क्षितठास्त कर दी और कई पुलिस कर्मी चोटिल हुए थे।

भरतपुर में दीपावली स्नेह मिलन 24 को

भरतपुर। डीग-कुम्हेर विधायक डॉ शैलेश सिंह ने जानकारी दी कि हरियाणा राज्य के भाजपा प्रभारी एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां का जन्मदिवस व दीपावली स्नेह मिलन 24 अक्टूबर को श्रीनाथजी मंदिर, पूंछरी का लौठा में मनाया जायेगा।

भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने बताया डॉ पूनिया के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार 23 अक्टूबर को दोपहर 1 बजे भाजपा जिला कार्यालय भरतपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से सुकन्या समृद्धि योजना के तहत बेटियों के खाते खुलवाए जाएंगे।

शाम 4:30 बजे भरतपुर स्थित अपना घर में प्रभुजनों के लिए भोजन प्रसादी कार्यक्रम रखा गया है।

शुक्रवार को जन्मदिवस पर पूंछरी का लौठा स्थित सुबह 7 बजे मुकुट मुखारविंद, सुबह 8;15 बजे श्रीनाथजी मंदिर व सुबह 10 बजे श्रीगोवर्धन जी दानघाटी मंदिर में डॉ सतीश पूनिया परिवार सहित पूजा अर्चना करेंगे उसके बाद सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक श्रीनाथजी मंदिर परिसर में (पूँछरी का लौठा) जन्मदिवस एवं दीपावली स्नेह मिलन मनाया जायेगा। इस कार्यक्रम में राजस्थान ही नहीं अन्य राज्यों से हजारों की बडी संख्या में गणमान्य महानुभाव मौजूद रहेंगे।

खोया पाया

मेरे मकान नम्बर- 174/31, प्रताप नगर, सांगानेर, जयपुर का NOC नम्बर-3008/3650, Date -30/06/2010 कहीं खो गया मिलने पर सूचित करें। मधुलिका- 9785222207

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

1500 से अधिक भक्तों ने पंगत प्रसादी पाई

भरतपुर में गिर्राज धरण के दर्शन कर 1500 भक्तों ने पायी अन्नकूट प्रसादी।

भरतपुर (निस)। प्राचीन मंदिर श्री राधारमण जी महाराज निकट लक्ष्मण मंदिर में गोवर्धन पूजा के दिन अन्नकूट महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ। मंत्री मोहन मित्तल ने बताया कि प्राचीन परम्परानुसार गोवर्धन पूजा के दिन मंदिर परिसर में अन्नकृष्ट महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित हुआ। फूल बंगला व रोशनी की विशेष सजावट की गई। इस अवसर पर श्री कृष्ण जी की गिर्राज पर्वत उठाते हुए गोवर की सुन्दर आकर्षक झांकी सजाई गई जिसका फूलों से श्रृंगार किया गया। कार्यक्रम संयोजक विष्णु लोहिया ने बताया कि पूजा अर्चना एवं महाआरती 12.15 बजे प्रमुख उद्योगपति समाजसेवी यश अठावाल, रविन्द्र अठावाल, भूपेश अठावाल, मनु अठावाल, अंतर्राष्ट्रीय वैश्य सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुराग गर्ग, मंदिर श्री बांके बिहारी ट्रस्ट के सतीश मित्तल मैनेजर, मंदिर कमेटी अध्यक्ष चन्द्रमोहन गुप्ता एडवोकेट, डॉ. डी.डी. गोयल, मोहन मित्तल, भगवानदास बंसल, रामलीला समिति अध्यक्ष ब्रजेश कौशिक, पूर्व पार्षद कपिल फौजदार के आतिथ्य में हुई। मंदिर में 1500 से अधिक भक्तगणों ने कडी, चावल, बाजरा, खीर, मिक्स सब्जी, मूंग, लडडू, पापडी, सिंगाडे, पूआ, पूडी आदि की प्रसादी पायी एवं 3 बजे से दौना में अन्नकूट की प्रसादी वितरित की गई। इस मौके पर अतिथियों के अलावा विनोद सिंघल, हेमराज गोयल, जयपुर निवासी महेश चौधरी, निरोतीलाल अठावाल, एस.एन. अग्रवाल, अनिल गोयल मंहगाये वकाले, मनोज गर्ग, महेशचंद सिंघल, आदि मौजुद रहे।

आम सूचना सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्यगण (1) सुभाष सिंह राघव पुत्र स्व0 श्री महावीर सिंह राघव (2) ललिता राघव पत्नी श्री सुभाष सिंह राघव, निवासीगण:-18-ए, लक्ष्मी विहार डी, गांधी पथ पश्चिम, लालरपुरा, जयपुर का पुत्र नकुल सिंह राघव पुत्र श्री सुभाष सिंह राघव उम्र 41 वर्ष, निवासी:-18-ए, लक्ष्मी विहार डी, गांधी पथ पश्चिम, लालरपुरा, जयपुर मेरे अभिभाष्यगण के कहने में नही है तथा मेरे अभिभाष्यगण की बात नही मानता है तथा मेरे अभिभाष्यगण का पुत्र काफी समय से मेरे अभिभाष्यगण से अलग रह रहा है, जिससे मेरे अभिभाष्यगण काफी दुखी है और अपने पुत्र नकुल सिंह राघव को अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हुये उनसे अपने सम्बंध समाप्त कर लिये है। आज से पूर्व किसी से भी किया हुआ लेन देन व भविष्य में कोई भी व्यक्ति मेरे अभिभाष्यगण के पुत्र से कोई लेन देन करेगा, या सम्बंध रखेगा तो स्वंय जिम्मेदार होगा। मेरे अभिभाष्यगण की कोई जिम्मेदारी नही होगी। सूचित रहे।

जयपुर (तेज प्रताप सिंह शेखावत) एडवोकेट
दिनांक मो.नं. 7665564644

कार्यालय आवासीय अभियंता राजस्थान आवासन मण्डल

2A-1 एस.टी.सी. योजना भरतपुर (Email Id- rebharatpur.rhb@rajasthan.gov.in) (Ph. No.- 05644-223672)

क्रमांक :- 472 **आवश्यक सूचना** दिनांक :- 14.10.2025

आवास संख्या 1-G-10 आवासीय योजना S.T.C. हाउसिंग बोर्ड, भरतपुर जो कि श्री खेमचंद बंसल पुत्र श्री हीरालाल को आवंटन पत्र संख्या 141 दि 17.03.1992 के द्वारा आवंटित किया गया था। उक्त आवास का कब्जा दिनांक 27.04.1992 को प्राप्त कर लिया गया।

मूल आवंटी श्री खेमचंद बंसल द्वारा उक्त आवास का बेचान जरिये इकरारनामा, मुख्त्यारआम एवं वसीयतनामा द्वारा श्रीमती कुसुमलता पत्नी श्री चंदन सिंह को दिनांक 05.05.1995 के द्वारा कर दिया गया। नियमितिकरण से पूर्व क्रेता आवंटी श्रीमती कुसुमलता की मृत्यु होने के पश्चात उनके पुत्र श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री चंदन सिंह द्वारा आवास को मृत्यु पश्चात अपने नाम हस्तान्तरण एवं नियमितिकरण कराने हेतु आवश्यक प्रपत्र एवं नियमानुसार शुल्क जमा करा दिया गया है। उक्त आवास का नियमितिकरण एवं अदेय प्रमाण पत्र आवासन मण्डल, खण्ड भरतपुर के कार्यालय पत्र क्रमांक 720 दिनांक 25.10.2021 के द्वारा क्रेता श्री कृष्ण कुमार पुत्र श्री चंदन सिंह के पक्ष में कर दिया गया। उक्त आवास का पंजीयन प्रपत्र दि. 05.06.2024 को श्री कृष्ण कुमार के नाम जारी कर दिये गये। श्री कृष्ण कुमार द्वारा उक्त आवास संख्या 1-G-10 का बेचान जरिये वयनामा श्रीमती लक्ष्मी फौजदार पत्नी श्री अशोक कुमार, निवासी 1-G-14 S.T.C. हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, भरतपुर के पक्ष में पंजीयक कार्यालय भरतपुर में दिनांक 24.06.2024 को पंजीकृत करा दिया गया। श्रीमती लक्ष्मी फौजदार द्वारा आवास को अपने नाम हस्तान्तरण, मण्डल के रिकॉर्ड में दर्ज कराने हेतु प्रपत्र एवं नियमानुसार शुल्क जमा करा दिया गया है। अतः जरिये इस विज्ञप्ति के द्वारा यह आगाह किया जाता है कि उक्त आवास संख्या 1-G-10 आवासीय योजना S.T.C. हाउसिंग बोर्ड, भरतपुर के सम्बन्ध में पिता, पुत्र, पुत्री, भाई एवं अन्य किसी रिश्तेदार, व्यक्ति विशेष या हितकारी को एवं आम व्यक्ति विशेष को उजर एतराज हो तो वह इस विज्ञप्ति के प्रकाशित होने के 10 दिवस में आवासन मण्डल, खण्ड भरतपुर में अपना एतराज लिखित मे प्रस्तुत करें। उक्त म्याद पश्चात उक्त आवास की लीज हस्तान्तरण की कार्यवाही श्रीमती लक्ष्मी फौजदार के नाम मण्डल द्वारा कर दी जावेगी। आवासीय अभियन्ता राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-भरतपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/838 चूंकि प्रार्थी श्री SADHANA BHARGAVA, A 117 VIDHYUT NAGAR AJMER ROAD JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर समिति, MANDIR PARISAR, SHRI SIDHESHWAR MAHADEV, VIDHYUT NAGAR-A, AJMER ROAD JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 22/12/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/817 चूंकि प्रार्थी श्री LOVENDRA SINGH SHEKHAWAT, 44, NIRMAL NAGAR VISTAR-A, BOYATAWALA LUNAWAT CHEMBAR, BAINAD ROAD JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास वेदगौशाला गुरुकुलम ट्रस्ट, 44, NIRMAL NAGAR VISTAR-A, BOYATAWALA LUNAWAT CHEMBAR, BAINAD ROAD JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 24/12/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/818 चूंकि प्रार्थी श्री CHANDRA SHEKHAR KOOLWAL, LIG 11, OPPOSITE A 43, LS NAGAR NAYA KHERA VIDYADHAR NAGAR JAIPUR ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत प्रन्यास सुवासा फॉर एनिमल, G1/42, RIICO INDUSTRIAL AREA, BINDAYAKA JAIPUR के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 17-10-2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइंदा तारीख पेशी 24/12/2025
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय नगर परिषद, टोंक

क्रमांक :- एमसीटी/2025-26/9391 **इश्तेहार** दिनांक :- 16.10.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नांकित व्यक्ति द्वारा पटटा बनवाने हेतु पत्रावली प्रस्तुत की गई है।

क्र0 सं0	नाम पिता/पति	कॉलोनी	साईज	भूखण्ड संख्या	पट्टे की श्रैणी
1.	मोहन लाल सैनी व रमेश चन्द सैनी/अम्बालाल सैनी	विवेकानन्द कॉलोनी	150 वर्गगज	03	कृषि भूमि
2.	धर्मराज चौधरी/सीताराम चौधरी	भगवती नगर	70 वर्गगज	77	कृषि भूमि
3.	धनराज चौधरी/सीताराम चौधरी	भगवती नगर	53.33 वर्गगज	76	कृषि भूमि
4.	रेखा साहू/प्रदीप साहू	बम्बोर रोड़ टोंक	272 वर्गगज	16	कृषि भूमि
5.	लाडले मियां/नाथू खां	अम्बेडकर कॉलोनी	177.77 वर्गगज	–	कृषि भूमि
6.	रतन लाल बैरवा/रामजी लाल बैरवा	विधा विहार	200 वर्गगज	110,111,140,141	कृषि भूमि
7.	अहमददीन/सद्दन खां	गोविन्द विहार	150 वर्गगज	20	कृषि भूमि
8.	अहमददीन/सद्दन खां	महावीर नगर	150 वर्गगज	62	कृषि भूमि
9.	सितारा/पीर मोहम्मद	अम्बेडकर कॉलोनी	158.06 वर्गगज	–	कृषि भूमि
10.	पीर मोहम्मद/नाथु खांन	अम्बेडकर कॉलोनी	133.33 वर्गगज	19	कृषि भूमि
11.	जमीला/शहजादा	महावीर नगर	177.77 वर्गगज	–	कृषि भूमि
12.	श्रीमती नन्नी बी/अलीमुद्दीन	अम्बेडकर नगर	200 वर्गगज	12	कृषि भूमि
13.	नूरद्दीन खां/जुम्मा खां	वैशाली नगर	216.66 वर्गगज	2	कृषि भूमि
14.	नगीना/शरीफ	अम्बिका नगर	50 वर्गगज	236	कृषि भूमि
15.	नगीना/शरीफ	अम्बिका नगर	50 वर्गगज	235	कृषि भूमि
16.	मोहम्मद हनीफ/श्री मोहम्मद शरीफ	बसन्त विहार कॉलोनी	216.66 वर्गगज	12	कृषि भूमि
17.	श्रीमती रईसा/स्व. श्री अब्दुल शकुर	छावनी टोंक	67.83 वर्गगज	34	कृषि भूमि
18.	सुनिता चौधरी/कमलेश चौधरी, सुनिता चौधरी/हरीराम चौधरी	विकास विहार	83.33 वर्गगज	14	कृषि भूमि
19.	बालू लाल जाट/बजरंग लाल जाट	वैशाली नगर	150 वर्गगज	33	कृषि भूमि
20.	गीता देवी/शंकर लाल	द्वारिका नगरी कॉलोनी	194.27 वर्गगज	23	कृषि भूमि
21.	संतरा देवी/प्रभू लाल बैरवा	जगदीश नगर कॉलोनी	100 वर्गगज	357, 358	कृषि भूमि
22.	गुलजार मोहम्मद/सुलतान मोहम्मद खां	काफला बाजार टोंक	–	–	स्टेट ग्राण्ट
23.	जगदीश लाल अहिर/अर्जुन लाल यादव	धोला खेडा	–	वार्ड नं. 56	स्टेट ग्राण्ट
24.	कल्लू खां/अल्लादिन	धन्ना तलाई	–	–	स्टेट ग्राण्ट
25.	राबीया बी/अल्लादिन	धन्ना तलाई	–	–	स्टेट ग्राण्ट
26.	रतिराम/भैरूलाल	बहीर टोंक	–	वार्ड नं. 07	स्टेट ग्राण्ट
27.	कन्हैया लाल/देवरकरण गुर्जर	निवाई दरवाजा टोंक	–	वार्ड नं. 46	स्टेट ग्राण्ट
28.	अखलाक अहमद/जमील खां	पुरानी टोंक	–	वार्ड नं. 47	स्टेट ग्राण्ट
29.	राजकुमार/स्व.श्री भगवान दास	विकास नगर कालीपलटन टोंक	–	वार्ड नं. 51	स्टेट ग्राण्ट
30.	कैलाशी दवी/सत्यनारायण	बम्बोर गेट टोंक	–	वार्ड नं. 44	स्टेट ग्राण्ट
31.	सुरेश कुमार/स्व. श्री पन्ना लाल	धन्ना तलाई टोंक	–	वार्ड नं. 20	स्टेट ग्राण्ट
32.	बदाम देवी/स्व. श्री मदन लाल	धन्ना तलाई टोंक	–	वार्ड नं. 20	स्टेट ग्राण्ट
33.	सत्यनारायण साहू/नाथुलाल साहू	संघपुरा टोंक	–	वार्ड नं. 12	स्टेट ग्राण्ट
34.	लादू लाल/रामचंद	बहीर टोंक	–	वार्ड नं. 01	स्टेट ग्राण्ट
35.	फारूक अली/एहसान खांन	पुरानी टोंक	–	वार्ड नं. 12	स्टेट ग्राण्ट
36.	नारायण सैनी/छोटू लाल	पुरानी टोंक	–	वार्ड नं. 11	स्टेट ग्राण्ट
37.	नारायणी देवी/स्व. श्री प्रहलाद गुर्जर	बम्बोर गेट टोंक	–	–	स्टेट ग्राण्ट
38.	नारायण/पूरण कोली	हीरा चौक पुरानी टोंक	–	वार्ड नं. 44	स्टेट ग्राण्ट
39.	प्रशान्त जलवानिया/राजीव जलवानिया	रूपाडी का बेडा कालीपलटन टोंक	–	वार्ड नं. 36	स्टेट ग्राण्ट
40.	नरेन्द्र कुमार जलवानिया/रामकरण जलवानिया	रूपाडी का बेडा कालीपलटन टोंक	–	वार्ड नं. 36	स्टेट ग्राण्ट
41.	त्रिलोक चन्द साहू/गुलाब चन्द	पुरानी टोंक	–	वार्ड नं. 47	स्टेट ग्राण्ट

यदि इस कार्य से किसी आम, खास को उज्र/आपत्ति हो तो परिषद में प्रकरण सम्बन्धित दस्तावेजात सहित 07 दिवस के भीतर-भीतर अपनी आपत्ति मय प्रकरण से सम्बन्धित दस्तावेजात सहित प्रस्तुत करें, अन्यथा बाद मियाद गुजरने पर किसी भी उज्र/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा और नियमानुसार चाहा गया पटटा जारी कर दिया जावेगा। राज.संवाद/सी/25/12523 आयुक्त

संक्षिप्त

बैरवा बने कांग्रेस पार्टी के नेशनल कार्डिनेटर

निवाई। पूर्व विधायक व कांग्रेस कमेटी के प्रदेश महासचिव प्रशांत बैरवा को कांग्रेस कमेटी के अनुसूचित जाति विभाग की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में नेशनल कार्डिनेटर के पद पर मनोनीत किया है। जिससे कांठोस के कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड गई। पूर्व विधायक प्रशांत बैरवा को कांठोस अनुसूचित जाति विभाग की कार्यकारिणी मे नेशनल कार्डिनेटर के पद पर मनोनीत होने पर शहर अध्यक्ष एडवोकेट सतीश शर्मा, ब्लॉक अध्यक्ष एडवोकेट शंकरलाल चौधरी, प्रदीप पारीक, सीताराम कटारा, प्रवीण माणू, हंसराज गुर्जर, महावीरप्रसाद पराणा, राजेश चौधरी गुरूजी, पवन सांवलिया, सीताराम शर्मा अलियाबाद, सुरेन्द्र बेनीवाल, रामप्रसाद परिडवाल, पप्पू मीणा, राजेश पारीक खंडवा व राजेन्द्र चौधरी सहित कई कार्यकर्ताओं ने बधाई व शुभकामनाएं देते हुए शिर्ष नेतृत्व का आभार जताया।

कृषि मंडी व्यापार आज से

निवाई । दीपावली के महा पर्व को लेकर सात दिन के अवकाश बाद गुरूवार से कृषि मंडी व्यापार पुनः शुरू होगा। व्यापार मंडल के संरक्षक ताराचंद बोहरा व राजेन्द्र चौधरी ने बताया कि दिपावली पर्व पर कृषि उपज मंडी समिति द्वारा सात दिन तक कृषि मंडी में अवकाश रखा गया था। कृषि मंडी व्यापारी दीपोत्सव पर कृषि मंडी में महालक्ष्मी व कुबेर की विधि विधान से पूजा अर्चना की। गुरूवार को कृषि मंडी परिसर में स्थित भगवान लक्ष्मीनारायण मंदिर में व्यापारियों द्वारा शुभ मुहूर्त में पूजा अर्चना कर पुनः मंडी व्यापार शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि शुभ मुहुर्त में ही जिंसों का क्रय विक्रय किया जाएगा।

फरार स्थाई वारंटी गिरफ्तार

पावटा। प्रागपुरा थाना पुलिस को काफी समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी को पकडने सफलता मिली है। जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ देवेंद्र विश्नोई ने बताया कि पुलिस महानिरीक्षक जयपुर रेंज जयपुर द्वारा 1 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक एक विशेष अभियान चलाया जाकर वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु निर्देशित किया गया था। जिसकी पालना में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन व प्रागपुरा थाना प्रभारी कश्मीर सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास व कार्यवाही करते हुए काफी समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटी मनोज उर्फ मनोज उर्फ पांडू पुत्र नाथूराम कुमावत निवासी लखेरो का मोहल्ला तन प्रागपुरा, पवन कुमार पुत्र भैरुलाल सैनी निवासी ऊंची कोठी केरली बजरंगपुरा थाना भाबरु को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है।

216 जवानों को श्रद्धांजलि दी

टोंक। मुख्यालय स्थित पुलिस लाइन के शहीद स्मारक पर सोमवार को जिला पुलिस अधीक्षक राजेश मीणा की अध्यक्षता में पुलिस शहीद दिवस मनाया गया। इस दौरान शोक शस्त्र के बाद 60 राउंड फायर कर शहीद पुलिस जवानों को नमन किया गया तथा पुलिस अधिकारियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। समारोह में पुलिस अधीक्षक मीणा ने देशभर में पिछले वर्ष ड्यूटी के दौरान शहीद हुए 216 पुलिस जवानों के नाम पढ़कर उन्हें यद करते हुए कहा कि पुलिस जवानों की वीरता, सेवा और बलिदान समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

विराटनगर क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ ने लोगों को दीपावली की शुभकामनाएं दी

पावटा । विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने प्रकाशपर्व दीपावली के पावन अवसर पर क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए प्रभु श्रीराम से उनकी सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की है।

- **ग्रामीणों से मिलकर विधायक कुलदीप धनकड ने कहा कि पर्व एवं त्योहार शान्ति, एकता व सद्भाव का सन्देश देते हैं**

विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड ने प्रकाशपर्व दीपावली के पावन अवसर पर क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई दी।

सोमवार को अपने निजी आवास ठाम भांकरी में जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों से मिलकर विधायक कुलदीप धनकड ने कहा कि पर्व एवं त्योहार शान्ति, एकता व सद्भाव का सन्देश देते हैं एवं सामाजिक सौहार्द में वृद्धि करते हैं। दीपावली का पर्व भारत की सनातन धर्म की परम्परा का एक महत्वपूर्ण पर्व है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के उपरान्त अयोध्या आगमन और रामराज के शुभारम्भ की स्मृति स्वरूप आज से हजारों वर्ष पहले पूरे भरतखण्ड में श्रद्धालुओं द्वारा दीपमालाओं से अपने-अपने घरों को सजा करके इस पर्व को मनाना प्रारम्भ किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने भी क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड को माला व साफा पहनाकर बधाई दी।

हादसे में पिता की मौत

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर मंगलवार की सुबह हुई सड़क दुर्घटना में बाइक सवार पिता की मृत्यु हो गई व उसके दो पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि मंगलवार को रामअवतार पुत्र दशरथ मीणा उम्र 40 वर्ष निवासी पाइगा छान थाना सोप बाईक पर सवार होकर अपने सात वर्षीय अमन मीणा व तीन वर्षीय पुत्र अर्पित मीणा के साथ अपने गांव जा रहा था। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गांव चैनपुरा व ललवाड़ी मोड़ के समीप सडक दुर्घटना हो गई। जिसमें तीनों पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और हाईवे एम्बुलेंस से घायलों को उप जिला अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां चिकित्सकों ने घायल रामअवतार को मृत घोषित कर दिया व दोनो बच्चों की चिन्ता जनक हालत देखते हुए उनका प्राथमिक उपचार करके जयपुर रैफर कर दिया। पुलिस ने परिजनों के आने के बाद पंचनामा तैयार करके पोस्टमार्टम करवाया।

न्याय प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का संकल्प

शाहपुरा/मनोहरपुर । जनता के अधिकारों की रक्षा और किसानों के हितों की आवाज़ को मजबूत करने के उद्देश्य से कुंवर दिगराज सिंह शाहपुरा ने न्याय की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि न्याय की यह राह लंबी जरूर है, लेकिन जनता के विश्वास और सहयोग से इसे पूरा किया जाएगा। राजस्थान रेरा प्राधिकरण द्वारा 05 अगस्त 2025 को पारित आदेश में संबंधित प्रमोटर को जमा राशि को ब्याज सहित लौटाने के निर्देश दिए गए हैं। यह निर्णय कई पीड़ित परिवारों के लिए राहत लेकर आया है। इस पूरे मामले में दिगराज सिंह शाहपुरा ने लगातार जनसुनवाइयों और प्रशासनिक स्तर पर संवाद के माध्यम से सहायता की भूमिका निभाई। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह केवल एक कानूनी मामला नहीं, बल्कि जनता के विश्वास और अधिकारों से जुड़ा विषय है। जब तक हर प्रभावित व्यक्ति को न्याय नहीं मिल जाता, प्रयास जारी रहेंगे।इस दौरान दिगराज सिंह शाहपुरा ने आगे बताया कि आने वाले समय में वे ऐसे मामलों में पारदर्शिता और जनसहभागिता बढ़ाने के लिए एक जनन्याय अभियान प्रारंभ करेंगे।

सार्वजनिक स्थानो पर जुआं खेलते पांच जुआरी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वृताधिकारी देवली रविन्द्र सिंह एवं नगरफोर्ट थानाधिकारी मिट्ठूलाल के नेतृत्व में गठित टीम ने दीपावली पर्व पर अपराध नियंत्रण के तहत क्षैत्र के अलग-अलग सार्वजनिक स्थानों पर जुआं खेलते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

- **नगरफोर्ट पुलिस ने दीपावली पर्व पर अपराध नियंत्रण के तहत बडी कार्रवाई की है। पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर जुआ खेलते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। दो कार्रवाई में कुल 2 गड्डी ताश और 7,550 रुपए नकद राशि जब्त की गई।**

दीपावली पर्व पर अपराध नियंत्रण के तहत टोंक क्षेत्र के अलग-अलग सार्वजनिक स्थानों पर जुआं खेलते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया।

कार्यवाही के दौरान आरोपी चन्द्रप्रकाश महावर और सुनील महावर को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते पकड़ा तथा उनके कब्जे से 2,890 रुपए नकद और 1 ताश की गड्डी बरामद की।

इसी प्रकार दूसरी टीम ने राजू नायक, कमल नायक और सूर्य प्रकाश महावर को जुआं खेलते हुए गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 4,660 रुपए नकद राशि जप्त की गई । आरोपियों के खिलाफ आरपीजीओ के तहत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान जारी है।

घिलोठ में स्थापित होगा प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट

राज्य सरकार ने 65.56 एकड़ भूमि का आवंटन किया

कोटपूतली। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित होगा। राज्य सरकार ने नीमराणा तहसील के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट हेतु 2 लाख 65 हजार 329 वर्गमीटर (65.56 एकड) भूमि का आवंटन किया है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एक एमओयू के तहत निजी क्षेत्र की कंपनी पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड को रीको के माध्यम से यह भूमि आवंटित की गई है। इस प्लांट में शुरूआत में लगभग 1200 करोड़ रूपये का निवेश किया जाएगा और ई-बसों के अतिरिक्त यहां बस बॉडी, मोटर, बैटरी, वायर हार्नेस तथा अन्य स्पेयर पार्ट्स का भी निर्माण होगा।

- **प्रदेश के युवाओं को मिलेंगे रोजगार के भरपूर अवसर**
- **त्वरित गति से पूरी हुई आवंटन प्रक्रिया, 1200 करोड़ रुपये का होगा निवेश**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर बेहद कम समय में त्वरित गति से भूमि आवंटन के लिए उनका आभार जताया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और बुनियादी सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार निरन्तर फैसले ले रही है। उन्होंने कहा कि यह प्लांट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इण्डिया' संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान देश का महत्वपूर्ण केन्द्र बनकर उभरेगा। शर्मा नें कहा कि प्रदेश के युवाओं को इलेक्ट्रो मॉबिलिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनके लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे। उन्होंने कहा कि ई-बसों के संचालन से राज्य में ठीन एनर्जी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलने के साथ ही, शहरी परिवहन सेवा भी सुगम होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय के उच्चाधिकारियों सहित पीएमआई इलेक्ट्रो मॉबिलिटी सॉल्यूशन्स के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आंचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी, प्लांट हैड हरीश यादव उपस्थित रहे।

फिरौती मांगने का आरोपी गिरफ्तार

टोंक । उनियारा पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में साइबर थाना टोंक और सोप पुलिस टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अपहरण और फिरौती के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, वही घटना में प्रयुक्त कार और मोबाइल भी जब्त किया है।

उनियारा पुलिस ने बताया कि मामला 12 जून को परिवादी रविंद्र का सेदरी जाटान एक्सप्रेस हाईवे के पास से अज्ञात व्यक्तियों ने मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर कार मे अपहरण करने व रविंद्र को छोड़ने के बदले दो लाख रुपए की फिरौती मांगने के बाद आरोपी फरार हो गए। जिसके बाद साइबर थाना टोंक और सोप पुलिस टीम ने मामले की गम्भीरता को देखते हुए अनुसंधान प्रारम्भ कर मुखबिरो की सूचना व तकनीकी साधनों और सीसीटीवी फुटेज की मदद से संदिग्ध आरोपियों की तलाश की गई। जिसके बाद इस दौरान आरोपी प्रियांशु मीणा, निवासी साचोली थाना बाटोडा जिला सवाईमाधोपुर को गिरफ्तार किया ।

सार-समाचार

फूल 80 रु. तक किलो बिका

शाहपुरा । शाहपुरा सनातन संस्कृति का सबसे बड़ा त्यौहार महालक्ष्मी पूजन का पर्व दीपावली शहर सहित आसपास के क्षेत्र में परंपरागत रूप से मनाया गया। क्षेत्र में चारों ओर दीपावली का उल्लास छाया रहा। आसमान आतिशी नजारों से नहाया नजर आया। समूचा शहर दुल्हन की तरह सजा नजर आया। नगर परिषद द्वारा कराई गई सजावट व आकर्षक लाइटिंग से शहर में उल्लास का माहौल रहा। लोगों ने शुभ मुहूर्त में माता लक्ष्मी की पूजा अर्चना की। बाजारों में उतरी लक्ष्मी के चमक से देर शाम तक बाजारों में दीपावली पर्व का उजास छाया रहा। बाजार में कपड़े पूजन, सामठी मिठाइयां, दीपक, पटाखे, सजावट, गिफ्ट आइटम की दुकानों पर जमकर खरीदारी हुई। दीपावली पर चमके कारोबार से सभी दुकानदारों के चेहरे खिले नजर आए। लोगों ने दीपावली के जश्न को जमकर सेलिब्रेट किया। देर रात्रि तक आसमान में रंग-बिरंगे पटाखे की गूंज गूंजायमान रही। दीपावली पर कपड़ों के भी जमकर खरीदारी हुई। शुभम ड्रेसेज के रोहित अठावाल ने बताया कि रोशनी के पर्व पर सभी नए परिधान खरीदते हैं। इसी के चलते बाजारों में कपड़े की दुकानों पर दिनभर गाहको की आवाजाही रही। गणगौर साडीज के पीयूष बनाका व विमल साडीज के सुभाष चंद्र अठावाल ने बताया कि गतबार की तरह ही इस बार भी दीपावली पर जमकर खरीदारी हुई। पीएम मार्ट के बनवारी लाल सैनी ने बताया कि उनके द्वारा 18 अक्टूबर से 30 अक्टूबर तक 5000 के किराणा व अन्य आइटमों की खरीद पर एक फ्रिज,32 इंच की एलइडी व चांदी का सिक्का लकी ड्रॉ द्वारा निकाला जाएगा। बाकी प्रत्येक 1000 से ऊपर की खरीद पर गारंटेड उपहार दिए जाने से लोगों का खरीदारी के प्रति जबर्दस्त क्रेज देखा गया। मिठाई विक्रेता सती जोधपुर मिष्ठान भंडार के मालम सिंह राजपुरोहित, आरएमबी के विजयअठावाल व रामदास मिष्ठान भंडार के सत्यनारायण अठावाल ने बताया कि इस बार धनतेरस व छोटी दीपावली से ही मिठाइयों की बिक्री का परवान चढ़ा।जो बड़ी दीपावली को देर शाम तक जारी रही।अब भैया दूध से भी काफी उम्मीदें हैं।वही सब्जी मंडी में गन्ना 7 से लेकर 10 तक बिका।वहीं हजारे के फूल 60 से लेकर 80 किलो तथा माला 125 रुपए से लेकर 150 रुपए किलो तक बिकी। शाम को लोगों ने दीपावली पर बड़े बुजुर्गों से आशीर्वाद लेकर दीपावली की रामा श्यामा की।

जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा

भरतपुर (निस)। कृषि महाविद्यालय भुसावर के डीन डॉ. उदय भान सिंह ने खेतों में जल भराव की समस्या जानने के लिए गांव जघीना, जिरौली, बराखुर, मडरपुर, नगला लोधा, पीरनगर व नगला केवल का दौरा किया। डॉ. उदय भान सिंह ने बताया कि इन गॉवों की करीव छः हजार बीघा जमीन जल मग्न है, जिसमें पिछले 3 साल से खरीब व रबी फसलों की बुवाई नही हो पा रही है, जिससे प्रतिवर्ष कुल 18 करोड रूपये से अधिक आर्थिक नुकसान होता है। डॉ. उदय भान सिंह ने कहा कि इस समस्या का मूल कारण जल निकास वाले नालों की जगह पक्की सडक बनाना है, सडकें खेतों की जमीन से 2 से 3 फीट ऊँची हैं, अतः वर्षा के अतिरिक्त जल का निकास नही हो पाता है । जघीना से जिरौली, नगला केवल, पीरनगर होते हुए बछामदी नहर तक तथा भरतपुर रीको से हथैनी तक जल निकास के नाले थे, अब सब नालों पर सड़कें हैं। डॉ. उदय भान सिंह ने बताया कि प्रभावित किसानों की मांग है कि सभी सड़कों के नीचे जल निकास की जगहों पर पाइप डाले जावे तथा उस पानी को मुख्य बड़ी पाइप लाइन से जोडकर या तो गोवर्धन कैनाल से घना को पानी सप्लाई वाली पाइप लाइन से जोडा जावे अथवा बछामदी कैनाल मे डाला जावे। यहां के किसान छोटी जोत वाले व गरीब हैं तथा उनकी खेती बर्बाद होने से रोजी रोटी का संकट पैदा हो रहा है। यहां जल भराव किसानों की आमदनी घटने के साथ देश की खाद्य सुरक्षा के लिए भी खतरा है। इस अवसर पर रिन्कू सिंह, भरतसिंह, उप सरपंच भीकचन्द, मनोज सहित बडी संख्या में किसान उपस्थित थे।

लाठी-भाठा जंग में 11 जनें घायल

हलैना भरतपुर (निस)। थाना हलैना क्षेत्र के गांव नगला हरसुख में पुरानी रंजिश एवं दुष्कर्म प्रकरण में राजीनामा का दवाव बनाने के लिए दुष्कर्म के आरोपी एवं उसके परिजनों ने पीडिता के घर पहुंचकर जानलेवा हमला किया और जिसको लेकर दोनों पक्षों में झगडा हो गया,जिसमें पाचं महिलाओं सहित 11 जने घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को हलैना के सामुदायिक अस्पताल में उपचार को भर्ती कराया,जहां से सात घायलों को भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रैफर कर दिया। थाना प्रभारी रामअवतार मीणा ने बताया कि गांव नगला हरसुख निवासी देवी सिंह एवं इन्दर सिंह के मध्य पुरानी रंजिश थी,जिसमें एक पक्ष ने दूसरे पक्ष के एक सदस्य के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करा रखा था,जो अदालत में विचाराधीन और हाईकोर्ट से आरोपी के अठिाम आदेश तक गिरफ्तारी पर रोक थी। दोनों पक्षों में 21 अक्टूम्बर को झगडा हो गया,आरोपी पक्ष ने पीडिता के घर जाकर झगडा किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची,जहां दोनों पक्षों में लाठी-भाठा जंग नजर आई,पुलिस ने दोनों पक्षों से घायल हुए 5 महिलाओं सहित 11 जनों को हलैना के सरकारी अस्पताल में उपचार केलिए भर्ती कराया गया,जहां से 7 घायलों को भरतपुर रैफर कर दिया। 22 अक्टूम्बर की सायं तक दोनों पक्षों की ओर से झगडा का मामला दर्ज नही कराया गया है। इधर नगला हरसुख निवासी देवी सिंह ने बताया कि 21 अक्टूम्बर को इसी गांव निवासी इन्दर सिंह व ईश्वर सिंह सहित उसके परिजनों ने योजना बना कर घर के अन्दर प्रवेश कर जानलेवा हमला किया,जिन्होने पुराने एक प्रकरण में राजीनामा करना और मुकदमा की वापिसी का दवाव बनाया।

समाजसेवी बजरंग प्रसाद मित्तल की प्रतिमा का अनावरण

कोटपूतली। निकटवर्ती ठाम पुरुषोत्तमपुरा स्थित श्री जगन्नाथ गौशाला में बुधवार को विधायक हंसराज पटेल के मुख्य आतिथ्य में भामाषाह व समाजसेवी एवं जगन्नाथ गौशाला के संस्थापक स्व. बजरंग प्रसाद मित्तल की प्रतिमा (मूर्ति) का अनावरण समारोह आयोजित हुआ।

इस मौके पर विधायक पटेल द्वारा स्व. मित्तल की प्रतिमा (मूर्ति) का अनावरण एवं गौशाला की टीनशेड निर्माण कार्य का फीता काटकर उद्घाटन किया। पटेल ने कहा कि पुण्य आत्माओं का स्मरण बेहद आवष्यक हैं, आने वाली पीढ़ियों को इनसे अच्छे कार्यो की प्रेरणा मिलती हैं। उन्होंने कहा कि गौ सेवा सबसे बड़ा पुण्य कार्य हैं एवं मित्तल परिवार ने समाज के लिये जो योगदान दिया हैं वह प्रेरणादायक है। पटेल ने कहा कि स्व. मित्तल ने अपने जीवन में समाज सेवा और गौ संवर्धन के क्षेत्र में जो अमूल्य योगदान दिया, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा स्त्रोत है।

उनकी स्मृति में स्थापित यह प्रतिमा निःस्वार्थ सेवा, समर्पण और समाज कल्याण के प्रति उनके आदर्शों की याद दिलाती रहेगी। विशिष्ठ अतिथि भाजपा ओबीसी मोर्चा के पूर्व प्रदेष महामंत्री एड. हीरालाल रावत, वरिष्ठ भाजपा नेता शंकर लाल कसाना, पूर्व जिला पार्षद धूड़सिंह शेखावत, पूर्व चैयरमैन एड. महेन्द्र सैनी, समाजसेवी बिहारी लाल मित्तल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष विनोद सिंह, विहिप जिलाध्यक्ष, डॉ. अष्वनी गोयल, डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरड़क, सरूण्ड एसएचओ बाबूलाल मीणा आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

- **गौशाला की टीनशेड का उद्घाटन**

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों का सम्मान किया गया। संतोष गुर्जर, हनुमान कुम्हार द्वारा गौषाला में गौमाता के लिये बुधवार को गोर्वधन पूजा के अवसर पर पुनः अन्नकूट बनना प्रारंभ किया गया। इस दौरान डॉ. अरविंद मित्तल, भाजपा युवा नेता शशि मित्तल, नरेश कुमार, सुभाष चंद, चौथमल मित्तल, दिलीप मित्तल, पंसस एड.वीरू कसाना, एड. कमल कसाना, पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष कमल सैनी, नगर मण्डल अध्यक्ष अरुण सैनी, योगेश पटेल समेत गौशाला समिति के सदस्य व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहें।

मंदिरों में गिरिराज भगवान के जयकारे गुजते रहे

शाहपुरा । शहर सहित आसपास के गांवों में बुधवार को गोवर्धन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। घरों में गोबर का गोवर्धन बनाकर सामूहिक परिक्रमा की गई और मांगलिक गीतों के साथ भगवान गोवर्धन की पूजा अर्चना की गई। धार्मिक नगरी त्रिवेणी धाम, अवधपुरी व परमानंद धाम, रामेश्वर दासजी मन्दिर में गोवर्धन पर्व पर आस्था का मेला भरा। लोगों ने भगवान गिरिराज के जयकारे लगाते हुए अन्नकूट की महाप्रसादी ग्रहण की। विधि विधान से गोवर्धन भगवान की पूजा अर्चना की ठाकुर जी को नये अन्नकूट का भोग लगाकर घर परिवार में खुशहाली की कामना की। महिलाओं ने मांगलिक गीतों के साथ घरों में गोबर से गोवर्धन की प्रतिमा बनाकर सामूहिक पूजा अर्चना की। क्षेत्र के त्रिवेणी धाम,अवधपुरी, परमानंद धाम,नाथावाला स्थित जंगलेश्वर महादेव हनुमान मंदिर,शहर के पुलिस थाने के पीछे बाबा श्याम मंदिर, खातेडी स्थित मुरली मनोहर जी का मंदिर,गोपीनाथ जी मंदिर, जोगियों का बास स्थित शिव मंदिर,गंगा मार्केट स्थित शिव बगीची मंदिर आदि में गोवर्धन भगवान की महाआरती के बाद पंगत प्रसादी वितरित की गई।

निवाई में सोमवार को हुआ लक्ष्मी पूजन, बुधवार को भगवान ने जीमा अन्नकूट

निवाई। शहर सहित ठाामीण क्षेत्र में दीपावली महापर्व को श्रद्धा पूर्वक व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दीपोत्सव के चलते हर आंगन में खुशी व उमंग का माहौल था। हर कोई बाजार से सामान लाने में व्यस्थ था तो कोई लक्ष्मी पूजन की तैयारियों में व्यस्त था। सभी रंग बिरंगे परिधान पहनकर दीपावली पर्व पर उत्साह पूर्वक काम कर रहे थे। वहीं लोगों ने मोबाईल, व्हाटसप एवं फेसबुक द्वारा एक दूसरे को दिपावली की बधाईयां व शुभाकामना दे रहे थे। सोमवार को शुभ मुहुर्त के अनुसार लोगों ने महालक्ष्मीजी की विधिवत मंत्रोचारण के साथ पूजा अर्चना कर सुख समृद्वि की कामना की। वहीं महिलाओं ने रंग बिरंगे परिधानों में सजकर मंदिरों व घर-घर दीप दान किया। तो बच्चों एवं युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की। इस दौरान पटाखों व आतिशबाजी के धमाकों से वातावरण गुंजायमान रहा। लक्ष्मी पूजन के बाद सभी ने एक दूसरे के घर पहुंचकर दीपावली की शुभ कामनाएं एवं बधाईया दी। बुधवार को अन्नकूट महोत्सव पर मायला कुण्ड स्थित भोलेश्वर महादेव, दादू दयाल आश्रम, कुंज बिहारी आश्रम, श्री गौरीशंकर महादेव मंदिर, राधा दामोदर मंदिर, श्रीराम लक्ष्मण बडी का मंदिर, चिंताहरण गणेशजी के मंदिर, घाटी वाले बालाजी मंदिर, चारभुजा नाथ, भगवान विश्वकर्मा मंदिर, श्याम मंदिर व श्री राधागोपीनाथ मंदिर सहित सभी मंदिरों में भगवान की मन मोहक झांकियां सजाकर भगवान के अन्नकूट का भोग लगाया गया। आरती के बाद श्रद्धालुओं को पंगत प्रसादी जिमाई। वही ठाामीण क्षेत्र में भी बुधवार शाम को किसानों ने बेल एवं वाहनों का पूजन करके घरों के बाहर गोबर से गोवर्धन बनाकर पूजा अर्चना की। इसी प्रकार सभी गांवों में श्रद्धा पूर्वक दीपोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

- **हजारों लोगों ने जीमी प्रसादी,**
- **पटाखों के तेज धमाकों से देर रात तक गूंजता रहा आसमान,**
- **भाई दोज आज**

निवाई की शिवाजी कॉलोनी गली नंबर 7 में गोवर्धन पूजा की।

जिस तरह से हमने बल्लेबाजी की, मैं उससे खुश नहीं हूं क्योंकि हमने अच्छी शुरुआत की थी लेकिन हम इसे जारी नहीं रख सके। एक कप्तान के रूप में मैं हमारे खेलने के तरीके से खुश नहीं हूं। - चमारी अटापट्टू

श्रीलंकाई महिला क्रिकेट खिलाड़ी, अपनी टीम के प्रदर्शन को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी ▶ नीरज चोपड़ा

ओलंपिक पदक विजेता खिलाडी नीरज चोपडा को भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गयी है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नीरज को इसके लिए बधाई दी है नीरज को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी की उपस्थिति में भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि प्रदान की गई। राजनाथ सिंह ने अपने सोशल मीडिया के जरियें तस्वीरें शेयर करते हुये लिखा,भारत के उत्कृष्ट खिलाडी और दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपडा को प्रादेशिक सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल के मानद पद का प्रतीक चिन्ह प्रदान करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है।

क्या आप जानते हैं ?... दोनों टीमों के बीच अभी तक 153 मैच खेले गए हैं। इसमें भारत ने 58 मैच जीते हैं, जबकि 85 में उसे हार मिली है।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने इंग्लैंड को 6 विकेट से हराया

इंदौर 22 अक्टूबर। ऐनाबेल सदरलैंड (तीन विकेट/नाबाद 98) और एशले गार्डनर (दो विकेट/ नाबाद 104) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने बुधवार को महिला एकदिवसीय विश्वकप के 23वें मुकाबले में इंग्लैंड को 57 गेंदे शेष रहते छह विकेट से हरा दिया। आज यहां ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्ल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट 244 का स्कोर बनाया। इंग्लैंड के लिए सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने 105 गेंदों में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 78 रन की पारी खेली। उनके अलावा एलिस कैप्सी (38) और चार्ली डीन (26) ने उपयोगी योगदान देते हुए टीम का स्कोर 200 के पार पहुंचाया। ऑस्ट्रेलिया के लिए एनाबेल सदरलैंड ने तीन विकेट लिए। एशले गार्डनर और सोफी मोलिन्यू को दो-दो विकेट मिले। अलाना किंग ने एक बल्लेबाज को आउट किया। 245 रनों के जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 68 रन के स्कोर तक अपने चार विकेट गंवा दिए थे। फीबी लिचफील्ड (एक) जॉर्जिया वॉल (छह), ऐलिसा पेरी (13) और बेथ मूनी (20) रन बनाकर आउट हुई ऐसे संकट की घड़ी में सदरलैंड और गार्डनर ने 180 रनों की शतकीय साझेदारी करते हुए टीम को 40.3 ओवरों में 248 का स्कोर कर जीत दिला दी। ऐनाबेल सदरलैंड ने 112 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (नाबाद 98) रन बनाये। एशले गार्डनर ने 73 गेंदों में 16 चौके लगाते हुए नाबाद 104 रनों की पारी खेली। इंग्लैंड की ओर से लिंसी स्मिथ ने दो विकेट लिये। लॉरेन बेल और सोफी एक्लस्टन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

आर.के. चतुर्वेदी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट 29 से शुरु

जयपुर, 22 अक्टूबर। जयपुर के स्थानीय क्रिकेट ग्राउण्ड रेलवे गणपति नगर में 29 अक्टूबर 2025 से आर.के. चतुर्वेदी मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट में कुल 16 टीमें भाग ले रही है। जिसमें आर.के. चतुर्वेद्धी के संचालक अखिलेश चतुर्वेदी ने बताया कि यह टूर्नामेंट रंगीन पोशाक मे एवं सफेद बोल से खेला जायेगा और 51000/- रू. विनर को नगद पुरूस्कार दिया जायेगा तथा रनर अप को 21000/- की नगद राशि पुरुस्कार दिया जायेगा। इस टूर्नामेंट में प्रत्येक टीम तीन लीग मैच खेलेगी।

मदारा और इस्मत को आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन के लिए लगी फटकार

दुबई, 22 अक्टूबर। अफगानिस्तान के खिलाड़ी इस्मत आलम को हरारे में जिम्बाब्वे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए आधिकारिक फटकार लगाई गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस्मत को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.9 का उल्लंघन करते पाया गया, जो 'किसी अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान किसी खिलाड़ी पर या उसके पास अनुचित और/या खतरनाक तरीके से गेंद फेंकने' से संबंधित है। 24 महीने में उनका पहला अपराध देखते हुए उन्हें फटकार लगाई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है।

आईसीसी आचार संहिता के उल्लंघन पर श्रीलंका की मदारा को लगी फटकार : श्रीलंका की मल्की मदारा को बंगलादेश के खिलाफ महिला क्रिकेट विश्व कप लीग मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए फटकार लगाई गई है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने मदारा को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी कर्मियों के लिए 'आक्रामक प्रतिक्रिया' आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.5 का उल्लंघन का दोषी पाया। इसके लिए मदारा को फटकार लगाई गई और उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ा गया है। 24 महीने की अवधि में उनका यह पहला अपराध था।

पाकिस्तान के नोमान अली आईसीसी टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर

दुबई, 22 अक्टूबर। पाकिस्तान के नोमान अली ने लाहौर में दक्षिण अफ्रीका पर 93 रनों की जीत में अपने मैच विजयी प्रदर्शन के बाद नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी छलांग लगाते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गये है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अनुसार पाकिस्तान के स्पिन गेंदबाज नोमान अली ने अपने करियर की नई सर्वोच्च रेटिंग हासिल की है और नवीनतम आईसीसी पुरुष टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग में बड़ी बढ़त हासिल करने के बाद जसप्रीत बुमराह के वर्तमान नंबर वन स्थान के करीब पहुंच गए हैं। नोमान ने हाल ही में लाहौर में दक्षिण अफ्रीका पर पाकिस्तान की 93 रनों की जीत के दौरान 10 विकेट लिए थे और इसके परिणामस्वरूप टेस्ट गेंदबाजो की सूची में 853 रेंटिंग अंक के साथ चार स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। वह टेस्ट गेंदबाजी की रैंकिंग में बुमराह से केवल 29 अंक पीछे हैं। उनके साथी शाहीन अफरीदी भी उसी मैच की दूसरी पारी में चार विकेट लेने के बाद तीन स्थान ऊपर चढ़कर 19वें स्थान पर आ गए हैं।

पहले वनडे की हार भुलाकर बराबरी के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

एडिलेड, 22 अक्टूबर। भारत के लिए कमर कसने का समय आ गया है। यह एडिलेड है, यह ऑस्ट्रेलिया है, और यह मेहमान टीम है जो पर्थ में मिली हार के बाद मुश्किल में है - सात विकेट गिरे, स्कोर पर मुश्किल से 136 रन, और पारी 30 ओवर से भी कम समय में समाप्त हो गई। बहुत कम टीमें इस तरह क्रिकेट जीत पाती हैं। अब, चुनौती इस निराशा को भुलाकर कल एडिलेड ओवल में होने वाले दूसरे वनडे में मजबूत वापसी करने की है।

पहले मैच में शानदार जीत के बाद, सीरीज का पलड़ा ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है, लेकिन यह पूरी तरह से ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में है। कप्तान मिचेल मार्श ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया, जबकि जोश हेजलवुड और मिशेल स्टार्क की तेज गेंदबाज जोड़ी ने शुरुआत में ही ऐसी बढ़त बना ली जिससे भारत कभी उबर नहीं पाया।

मेहमानों के लिए, समीकरण सरल है: शीर्ष क्रम - रोहित शर्मा, विराट कोहली और शुभमन गिल - को सीरीज को ज़िंदा रखने के लिए अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उनका सामूहिक रूप भारत के लिए इस सतह पर वापसी की कुंजी है, जहां से दूधिया रोशनी में बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में आने से पहले शुरुआती मूवमेंट मिलने की उम्मीद है।

भारत के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव की संभावना नहीं दिख रही है, लेकिन गेंदबाजी संयोजन को लेकर सवाल बने हुए हैं। बाएं हाथ के कलाई स्पिनर कुलदीप यादव पर्थ में टीम से बाहर रहे थे। हालांकि अक्षर पटेल और वॉशिंगटन सुंदर जिन्हें ऑलराउंड क्षमता के कारण प्राथमिकता दी गई थी दोनों ने अच्छी गेंदबाजी की और तीन में से दो विकेट हासिल किए।

एडिलेड ओवल की छोटी बाउंड्री के कारण स्पिनरों के लिए चुनौती भरा माहौल रहता है, जिससे भारतीय टीम प्रबंधन के लिए यह एक दिलचस्प फ़ैसला बन जाएगा। प्रसिद्ध कृष्णा की नई गेंद से स्विंग कराने की क्षमता उन्हें हर्षित राणा पर बढ़त दिला सकती है, जो पर्थ में संघर्षरत दिखे थे। रोहित के साथ स्टार्क की नई गेंद की जंग शुरुआती आकर्षण का केंद्र होगी, क्योंकि बाएं हाथ का यह तेज गेंदबाज़ एडिलेड की स्विंग के अनुकूल हवा का फ़ायदा उठाने की कोशिश करेगा। लंबे ब्रेक के बाद कोहली की सफ़ेद गेंद वाले क्रिकेट में वापसी से रोमांच और बढ़ गया है, जबकि गिल का संयम पारी को स्थिर करने में अहम भूमिका निभाएगा।

एडिलेड ओवल में अपने पिछले सात वनडे मैचों में से पांच में जीत हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया के बिना किसी बदलाव के मैदान पर उतरने की उम्मीद है। उनका संतुलन, गहराई और घरेलू फ़ायदा उन्हें स्पष्ट बढ़त प्रदान करता है। हालांकि, भारत विविधता लाने के लिए स्पिनर कुलदीप यादव को उतार सकता है, जबकि मोहम्मद सिराज और अर्शदीप सिंह नई गेंद की जोड़ी के रूप में बने रहेंगे। एडिलेड में पिछले पांच वनडे मैचों में से चार में लक्ष्य का पीछा करने वाली टीमों ने जीत हासिल की है, इसलिए टॉस निर्णायक साबित हो सकता है। क्रिकेट के लिए परिस्थितियाँ आदर्श बनी हुई हैं - आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, तापमान लगभग 15 डिग्री सेल्सियस रहेगा और बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है। ऑस्ट्रेलिया को पसंदीदा माना जा रहा है। फिर भी, भारत के शीर्ष क्रम की मजबूत शुरुआत दूधिया रोशनी में होने वाले इस बेहद रोमांचक मुकाबले में गति बदल सकती है।

पिच और परिस्थितियां

मैच से पहले एडिलेड में बारिश हुई है और साका ग्राउंड स्टाफ ने विकेट को सुखाने के लिए यूवी लाइट्स का इस्तेमाल किया है। राहत की बात यह है कि गुरुवार को बारिश की कोई संभावना नहीं है। हालांकि मौसम ठंडा और बादलों से ढका रहने की उम्मीद है। एडिलेड ओवल बल्लेबाजों के लिए स्वर्ग माना जाता है क्योंकि विकेट के स्क्वायर बाउंड्री छोटी हैं।

टीमें: भारत (संभावित एकादश): रोहित शर्मा, शुभमन गिल (कप्तान), विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर/कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

ऑस्ट्रेलिया (संभावित एकादश): ट्रैविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), मैथ्यू शॉर्ट, जोश फिलिप (विकेट कीपर), मैट रेनशॉ, कूपर कोनोली, मिशेल ओवेन, मिशेल स्टार्क, नाथन एलिस, मैथ्यू कुहनेमैन, जोश हेजलवुड।

सेमीफाइनल में जगह के लिए भारतीय महिला टीम का न्यूज़ीलैंड से निर्णायक मुकाबला

मुंबई, 22 अक्टूबर। भारतीय महिला टीम और न्यूजीलैंड महिला टीम कल डॉ. डीवाई पाटिल स्पोर्ट्स अकादमी में आईसीसी महिला विश्व कप 2025 के एक बेहद अहम मुकाबले में आमने-सामने होंगी, जिससे सेमीफाइनल में जगह पक्की हो सकती है। दोनों टीमों के चार-चार अंक बराबर हैं, लेकिन भारत का नेट रन रेट 0.526 है, जबकि न्यूजीलैंड का -0.245 है। किसी भी टीम की जीत पूल स्टैंडिंग में नाटकीय बदलाव ला सकती है।

भारतीय महिला टीम इस मुकाबले में उतार-चढ़ाव भरे सफर पर उतर रही है। श्रीलंका और पाकिस्तान पर शानदार जीत के साथ शानदार शुरुआत करने के बाद, उन्हें तीन मैचों में मामूली हार का सामना करना पड़ा, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ एक दिल तोड़ने वाला मुकाबला भी शामिल है, जहां स्मृति मंधाना के 88 और हरमनप्रीत कौर के 70 रनों ने उन्हें लगभग जीत दिला दी थी। गेंदबाजी स्टार दीप्ति शर्मा ने शानदार प्रदर्शन किया है, उन्होंने पांच पारियों में 19.69 की औसत से 13 विकेट लिए हैं।

अफगानिस्तान को पारी और 73 रनों से हराकर जिम्बाब्वे ने साल का दूसरा टेस्ट जीता

हरारे, 22 अक्टूबर। बेन करन के पहले टेस्ट शतक (121) के बाद रिचर्ड एन्गरावा (पांच विकेट) और ब्लेसिंग मुजारबानी (तीन विकेट) के शानदार प्रदर्शन के दम पर जिम्बाब्वे ने एकमात्र टेस्ट के तीसरे दिन बुधवार को अफगानिस्तान को पारी और 73 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ जिम्बब्वे ने 12 साल बाद घरेलू जमीन पर टेस्ट जीत दर्ज की है। यह इस साल की जिम्बाब्वे की दूसरी जीत है। अफगानिस्तान ने कल के दूसरी पारी में एक विकेट पर 34 रन आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में रहमानउल्लाह गुरबाज (नौ) के रूप में अफगानिस्तान का दूसरा विकेट गिरा। उन्हें टनका चिवंगा ने आउट किया। इसके बाद 18वें ओवर में रिचर्ड एन्गवारा ने इब्राहिम जदरान (42) को अपना शिकार बना लिया। कप्तान हशमतउल्लाह शहीदी सात रन चौथे विकेट के रूप में आउट हुये। बाहिर शाह और अफसर जजाई ने पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने पांचवें विकेट के लिए 49 रन जोड़े। 30वें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने बाहिर शाह 32 रन को आउटकर अफगानिस्तान को बड़ा झटका दिया। बाहिर शाह ने अपनी पारी में 33 गेंदों का सामना किया और छह चौके लगाये। जिम्बाब्वे के गेंदबाजी आक्रमण के आगे अफगानिस्तान के बल्लेबाज नियमित अंतराल पर अपने विकेट गंवाते रहे। अफसर जजाई (18), इस्मत आलम (16), शराफउद्दीन अशरफ (नौ) रन बनाकर आउट हुये। 43वें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने पहले खलील गुरबाज (छह) और फिर जियाउर रहमान (शून्य) को आउटकर अफगानिस्तान की पारी का 159 के स्कोर पर अंत कर मुकाबला पारी और 73 रनों से नाम कर लिया। जिम्बाब्वे के लिए रिचर्ड एन्गरावा ने पांच विकेट लिये और ब्लेसिंग मुजारबानी को तीन विकेट मिले। टनका चिवंगा ने दो बल्लेबाजों को आउट किया। अफगानिस्तान पहली पारी में 127 रन बनाये जिसके बाद जिम्बाब्वे ने पहली पारी में करन ने धैर्यपूर्वक 121 रनों की पारी खेली और सिकंदर रज़ा तथा ब्रैड इवांस ने भी योगदान 232 रनों की बढ़त हासिल की थी।

वेस्टइंडीज ने रोमांचक सुपर ओवर जीतकर सीरीज बराबर की

ढाका, 22 अक्टूबर। रिशाद हुसैन का ऑलराउंड प्रदर्शन बेकार गया क्योंकि वेस्टइंडीज ने ढाका में बंगलादेश के खिलाफ दूसरा वनडे सुपर ओवर में जीतकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। शाई होप की 67 गेंदों में नाबाद 53 रनों की पारी अहम साबित हुई और वेस्टइंडीज ने स्कोर बराबर कर दिया, लेकिन अकील हुसैन ने सुपर ओवर में 11 रनों का बचाव करते हुए धैर्य बनाए रखा। जीत के लिए 214 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए, वेस्टइंडीज ने पहले ही ओवर में ब्रैंडन किंग को शून्य पर गंवा दिया। हालांकि, एलिक अथानाज़े और कीसी कार्टी के बीच धीमी लेकिन स्थिर अर्धशतकीय साझेदारी ने वेस्टइंडीज की पारी को संभाल लिया। रिशाद ने दोनों बल्लेबाजों को पगबाधा आउट कर दिया और बीच के ओवरों में टीम का स्कोर 34वें ओवर तक 7 विकेट पर 133 रन हो गया। हालांकि, होप ने जस्टिन ग्रीव्स और होसेन के साथ मिलकर पारी को संभाला और दोनों के साथ क्रमशः 44 रनों की साझेदारी की, जिससे वेस्टइंडीज मैच के रोमांचक अंत की ओर बढ़ रहा था।

राजस्थान के मानव व खलील का इंडिया-ए टीम में चयन

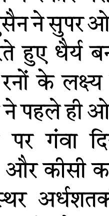

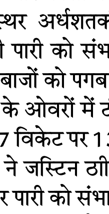

जयपुर, 22 अक्टूबर। बीसीसीआई की घरेलू क्रिकेट सत्र में शानदार प्रदर्शन करने वाले राजस्थान के युवा गेंदबाज मानव सुथार व खलील अहमद का चयन इंडिया ए टीम में किया गया है। आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डी डी कुमावतके अनुसार बीसीसीआई चयन कमेटी ने अक्टूबर- नवंबर माह में दक्षिण अफ्रीका ए टीम के विरुद भारत में खेली जाने वालीमल्टी डेज सीरीज हेतु राजस्थान के युवा व प्रतिभावान गेंदबाज मानव सुथार व खलील अहमद का चयन भारतीय ए टीम में किया है।

द. अफ्रीका ने 94 रन पर झटके पाक के चार विकेट, कसा शिकंजा

रावलपिंडी, 22 अक्टूबर। सेनुरन मुथुसामी (नाबाद 89) और कगिसो रबाडा (71) की 10वें विकेट के लिए 98 रनों की बड़ी साझेदारी के बाद साइमन हार्मर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन स्टंप के समय पाकिस्तान की दूसरी पारी में 94 रन के स्कोर पर चार विकेट झटक कर मैच पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली हैं।

आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने कल के चार विकेट पर185 रनों से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में 185 के स्कोर पर दक्षिण अफ्रीका का पांचवां विकेट काइल वेरेन (10) के रूप में गिरा। उन्हें आसिफ अफरीदी ने आउट किया। इसके बाद अफरीदी ने ट्रिस्टन स्टब्स 76 को पगबाधा आउटकर पाकिस्तान को छठी सफलता दिलाई। साइमन हार्मर (दो) भी अफरीदी का शिकार बने। मार्को यानसन (12) को नोमान अली ने पगबाधा आउट किया। एक समय ऐसा लगा रहा था कि पाकिस्तान दक्षिण अफ्रीका जल्द आउटकर मैच में बढ़त हासिल कर लेगा। इसी दौरान केशव महाराज ने सेनुरन मुथुसामी के साथ नौवें विकेट के लिए 371 रनों की साझेदारी कर दक्षिण अफ्रीका की मैच में वापसी कराई।

100वें ओवर में नोमान अली ने केशव महाराज (30) को स्टंप आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। पाकिस्तान को लगा मैच अब उसकी पकड़ में आया गया है। ऐसे समय में कगिसो रबाडा ने 61 गेंदों में 71 रनों की विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को 71 रनों की बढ़त दिलाई। अफरीदी ने कगिसो रबाड़ा को आउटकर दक्षिण अफ्रीका की पारी का 404 रनों के स्कोर पर अंत किया। सेनुरन मुथुसामी 89 रन बनाकर नाबाद रहे।

सब जूनियर बालक राष्ट्रीय फुटबॉल प्रतियोगिता में राजस्थान टीम के रनंजय सिंह को कप्तान बनाया

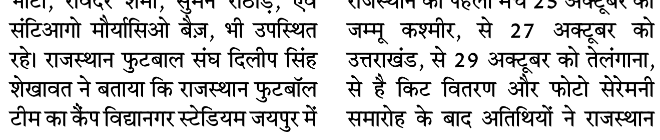

जयपुर 22 अक्टूबर। अखिल भारतीय फुटबॉल संघ के तत्वाधान में 25 अक्टूबर से विवेकानंद मिशन आश्रम नारायणपुर छत्तीसगढ़ मे आयोजित की जा रही है । राजस्थान फुटबाल संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत, ने बताया कि सब जूनियर बालक (14) फुटबॉल प्रतियोगिता के लिये सिविल लाइन स्थित होटल हरी महल पैलेस मे राजस्थान सब जूनियर टीम की घोषणा की गई एवं किट वितरण समारोह किया गया। समारोह मे अतिथि के रूप मे समाजसेवी उद्योगपति जीतेन्द्र सिंह (पचार ग्रुप) एवं राजस्थान फुटबॉल संघ महिला विंग्स चेयरमैन रोशनी टाक, टेक्निकल हैड सतीश जांगिड़, कोऑर्डिनेटर अमर सिंह, भवानी सिंह भाटी, रविंदर शर्मा, सुमन राठौड़, एवं संटिआगो मौर्यासिओ बैज़, भी उपस्थित रहे। राजस्थान फुटबाल संघ दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि राजस्थान फुटबॉल टीम का कैंप विद्यानगर स्टेडियम जयपुर में विगत 12 दिन से चल रहा था ओर आज टीम 21 अक्टूबर को सुबह नारायणपुर छत्तीसगढ़ के लिये ट्रेन से रवाना हुईं । राजस्थान का पहला मैच 25 अक्टूबर को जम्मू कश्मीर, से 27 अक्टूबर को उत्तराखंड, से 29 अक्टूबर को तेलंगाना, से है किट वितरण और फोटो सेरेमनी समारोह के बाद अतिथियों ने राजस्थान फुटबॉल टीम को प्रतियोगिता के लिये अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी गई। **राजस्थान टीम इस प्रकार है-** रनंजय सिंह (कप्तान), कियान पुनिया, अरिन चौधरी, लवीनश, सूरज रावत, दीपांशु, शाहिद मलिक, सत्येंद्र, सूरज गरसा, अक्षित, समर प्रताप, इंजो सचिन, अर्जुन, गर्वित, माधव (उपकप्तान), यश, दीपक, रूद्र प्रताप, समर्थ राज, करण प्रताप। टीम के कोच के रूप मे देवेंद्र सिंह भाटी को नियुक्त किया गया है असिस्टेंट कोच अवकाश दायमा को नियुक्त किया गया है मैनेजर विजेंद्र मिल को नियुक्त किया गया है।

एशिया कप ट्रॉफी को लेकर आईसीसी बैठक में बीसीसीआई और पीसीबी के बीच टकराव की संभावना

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की अगले महीने होने वाली बैठक में टकराव की स्थिति बन सकती है क्योंकि पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के प्रमुख के तौर पर व्यक्तिगत रूप से भारत को एशिया कप ट्रॉफी सौंपने के अपने रुख से पीछे नहीं हट रहे हैं। बीसीसीआई और अन्य एसीसी सदस्य देशों को भेजे गए जवाब में नकवी ने जोर देकर कहा है कि वह 10 नवंबर को दुबई में एक समारोह आयोजित करने के इच्छुक हैं, जहां बीसीसीआई का प्रतिनिधि और भारतीय टीम का कोई भी उपलब्ध खिलाड़ी उनसे ट्रॉफी ले सकता है। नकवी ने अपने जवाब में लिखा, "एसीसी ट्रॉफी सही मायने में भारतीय क्रिकेट टीम की है और यह तब तक एसीसी मुख्यालय में रखी रहेगी जब तक बीसीसीआई का कोई पदाधिकारी किसी भी उपलब्ध प्रतिभागी खिलाड़ी के साथ एसीसी अध्यक्ष से इसे प्राप्त नहीं कर लेता।" उन्होंने कहा, "इसके लिए भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा क्योंकि हमें स्थापित परंपराओं से नहीं हटना चाहिए और कोई भी ऐसी मिसाल नहीं कायम की जानी चाहिए जो उस खेल की भावना को कमजोर करे जिसे हम सभी प्यार करते हैं।" आईसीसी के अध्यक्ष बीसीसीआई के पूर्व सचिव जय शाह हैं। नकवी का यह जवाब बीसीसीआई द्वारा एशिया कप ट्रॉफी विवाद पर एसीसी को लिखे गए पत्र के बाद आया है। अफगानिस्तान और श्रीलंका के बोर्ड ने भी इस मामले में भारतीय बोर्ड का समर्थन किया है। इस प्रतिक्रिया से बीसीसीआई और पीसीबी के बीच अविश्वास और तनाव का स्तर स्पष्ट रूप से पता चलता है। नकवी ने अपने जवाब में कहा, "जहां तक आपके पत्र के शेष भाग का सवाल है तो एसीसी अध्यक्ष का कार्यालय ऐसी तुच्छ राजनीति में शामिल नहीं होगा जिसका उद्देश्य चुनिंदा चरमपंथी समूहों को खुश करना हो।" उन्होंने कहा, "वास्तविक स्थिति यह है कि एसीसी कार्यालय या टूर्नामेंट निदेशक के साथ कभी भी ऐसा कोई आधिकारिक संवाद नहीं किया गया जिसमें पुरस्कार वितरण समारोह के संबंध में बीसीसीआई की स्थिति या चिंता को उजागर किया गया हो।" नकवी ने कहा, "जब समारोह शुरू होने वाला था और विशिष्ट अतिथि मंच पर अपना स्थान ग्रहण कर चुके थे, तभी बीसीसीआई के प्रतिनिधि ने बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप ट्रॉफी और पुरस्कार ग्रहण नहीं करेगी। इस गतिरोध को दूर करने के लिए प्रयास किए गए जिसके कारण समारोह में काफी विलंब हुआ।" जवाब में कहा गया है, "एसीसी अध्यक्ष ने प्रतिष्ठित अतिथियों के साथ लगभग 40 मिनट तक इंतजार किया ताकि पुरस्कार वितरण समारोह की अखंडता बनी रहे और राजनीति से उस पर प्रतिकूल प्रभाव न पड़े, लेकिन यह प्रयास व्यर्थ रहा।" पीसीबी के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि बोर्ड के कानूनी विभाग को पहले ही एक डोजियर तैयार करने का निर्देश दिया जा चुका है, ताकि अगर बीसीसीआई के अधिकारी आईसीसी बोर्ड की बैठक में नकवी की निंदा करने की कोशिश करें, तो उन्हें इसका जवाब दिया जा सके। बीसीसीआई पहले ही इस मामले को आईसीसी की बैठक में उठाने के संकेत दे चुका है।

हीली की अनुपस्थिति में मैक्ग्रा को ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी

इंदौर, 22 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली पिंडलियों में तनाव के कारण इंग्लैंड के ख़िलाफ महिला विश्व कप मैच में नहीं खेलेंगी। उन्हें शनिवार को अभ्यास के दौरान यह चोट लगी थी। हालांकि यह उतनी गंभीर नहीं है।

टीम की उपकप्तानतालिया मैक्ग्रा उनकी अनुपस्थिति में टीम की कप्तानी करेंगी, जबकि बेथ मूनी विकेट के पीछे दस्ताने संभालते नजर आएंगी। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि हीली की चोट का शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के ख़िलाफ अंतिम लीग मैच से पहले आंकलन किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया की मुख्य कोच शेली नीत्स्के ने मैच से पहले हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "यह निराशाजनक है, लेकिन हमारे पास कुछ विकल्प हैं। जाहिर है कि यह हमारे लिए बड़ा नुकसान है। वह हमारी कप्तान हैं और उन्होंने दो लगातार शतक लगाए हैं। वह बल्ले से अच्छी फ़ॉर्म में हैं। लेकिन यह दो पहलुओं वाला मामला भी है। हम अपनी गहराई के बारे में बात करते हैं और इस मैच में इसे टेस्ट किया जाएगा। यह दूसरों को कुछ भूमिकाओं में आगे बढ़ने का मौक़ा देगा। यह आदर्श स्थिति नहीं है, लेकिन यही कारण है कि आप 15 खिलाड़ियों को लाते हैं ताकि ऐसी परिस्थितियों से निपटा जा सके।"

नीत्स्के ने कहा कि जॉर्जिया वॉल, हीली की जगह ले सकती हैं, लेकिन अभी अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। सोमवार को वॉल ने लंबा बल्लेबाजी अभ्यास किया। नीत्स्के ने कहा, "वॉल ने पहले भी यह भूमिका निभाई है। हम आज बैठकर मैचअप सही करेंगे और अंतिम निर्णय लेंगे। लेकिन वह उपयुक्त विकल्प हैं।"

वॉल ने पिछले साल भारत के ख़िलाफ़ वनडे डेब्यू किया था और केवल दूसरे मैच में शतक लगाया था। वह डब्ल्यूपीएल में यूपी वॉरियर्ज़ के लिए खेली और उन्होंने आरसीबी के ख़िलाफ एक मैच में नाबाद 99 रन बनाए थे। उन्होंने पिछले महीने भारत के ख़िलाफ दूसरे वनडे में अर्धशतक भी लगाया था।

विराट कोहली की वापसी को पटरी से उतारने की ऑस्ट्रेलियाई योजना

एडिलेड, 22 अक्टूबर। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज हाल ही में मिली सफलता की लय को बरकरार रखते हुए भारतीय दिग्गज विराट कोहली की वापसी को उनके सबसे शानदार मैदान पर बिगाड़ने की कोशिश करेंगे। कोहली गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे वनडे में एडिलेड ओवल में आखिरी बार मैदान पर उतरेंगे। इस महान भारतीय खिलाड़ी ने एडिलेड ओवल में सभी प्रारूपों में पाँच शतक लगाए हैं - जो उनके करियर में दुनिया के किसी भी मैदान से ज़्यादा है।

कोहली ने एडिलेड में चार अर्धशतक भी लगाए हैं, जहां उनका औसत 65 का है। लेकिन यह भारतीय धुरंधर यह जानते हुए एडिलेड लौट रहा है कि ऑस्ट्रेलिया पिछले रविवार को पर्थ में हुए सीरीज के पहले मैच की तरह ही उन पर दबाव बनाए रखेगा, जहां वह शून्य पर गली में कैच आउट हो गए थे।

इस आउट ने 36 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों द्वारा ऑफ स्टंप से बाहर की गेंद पर ध्यान केंद्रित करने की प्रवृत्ति को जारी रखा। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मैट शॉर्ट ने मंगलवार को एडिलेड में पत्रकारों से कहा, "मैं तेज़ गेंदबाज़ी मीटिंग में नहीं हूँ, लेकिन लगता है कि हाल ही में वह इसी तरह आउट हो रहे हैं।"

हॉफ (जोश हेज़लवुड) और स्टार्सी (मिशेल स्टार्क) जैसे कुछ खिलाड़ी उनके खिलाफ काफ़ी गेंदबाज़ी कर चुके हैं, उन्हें पता है कि उन्हें क्या करना है। पर्थ में उन्होंने परिस्थितियों को अपना काम करने दिया, विकेट पर थोड़ी स्विंग और तेज़ी थी, इसलिए मुझे यकीन है कि वे फिर से ऐसा ही करेंगे।

10वीं विश्व वुशू कुंगफू चैम्पियनशिप में जीते 2 पदक

जयपुर, 22 अक्टूबर। अंतर्राष्ट्रीय वुशू महासंघ के तत्वावधान में दिनांक 14 से 20 अक्टूबर 2025 तक इमिशान, चीन में आयोजित हुई, 10वी विश्व वुशू कुंगफु प्रतियोगिता में राजस्थान के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश व प्रदेश का नाम विश्व पटल पर रोशन किया। जयपुर के प्रतिभाशाली खिलाड़ी अर्केश्वर मेडतवाल एवं रजत प्रकाश गुप्ता ने अपनी-अपनी श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर कांस्य पदक अर्जित किए। हीरानंद कटारिया अध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि अर्केश्वर मेडतवाल ने कुंगफू फैन कैटेगरी व रजत प्रकाश गुप्ता ने जिंगीक्वान कैटेगरी में अपने अद्भुत कौशल और अनुशासन के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच राजेश कुमार टेलर व परिवार को दिया। कोच राजेश कुमार टेलर ने बताया कि खिलाड़ियों ने कठिन परिश्रम, समर्पण और लगन के साथ प्रतिदिन कठोर प्रशिक्षण लेकर इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लिया।

इलैक्ट्रिक बस मैन्युफैक्चरर्स ने मुख्यमंत्री से मिलकर आभार जताया

घिलोठ में बेहद कम समय में आवंटित भूमि पर शुरु में 1200 करोड़ का निवेश होगा

जयपुर 22 अक्टूबर। मुख्यमंत्री निवास पर पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सोल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का आभार जताने के लिए उनसे मिलने वालों में कंपनी के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आँचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी तथा प्लांट हैड हरीश यादव शामिल थे।**

इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट के लिए बेहद कम समय में त्वरित गति से भूमि आवंटन के लिए उनका आभार जताया।

पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सोल्यूशन्स के प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मुलाकात कर उनका आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बताया कि कोटपूतली-बहरोड़ जिले में जल्द ही प्रदेश का पहला ई-बस मेन्यूफैक्चरिंग प्लांट स्थापित होगा। इसके लिए राज्य सरकार ने नीमराणा तहसील के घिलोठ औद्योगिक क्षेत्र में इलेक्ट्रिक बस मैन्यूफैक्चरिंग प्लांट के लिए 2 लाख 65 हजार 329 वर्गमीटर (65.56 एकड़) भूमि का आवंटन किया है।

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में हुए एमओयू के तहत निजी क्षेत्र की कंपनी पीएमआई इलेक्ट्रो मोबिलिटी सोल्यूशन्स प्रा. लिमिटेड को रीको के माध्यम से यह भूमि आवंटित की गई है। इस प्लांट में शुरूआत में लगभग 1200 करोड़ रूपये का निवेश किया जाएगा और ई-बसों के अतिरिक्त यहां बस बॉडी, मोटर, बैटरी, वायर हार्नेस तथा अन्य स्पेयर पार्ट्स का भी निर्माण होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह प्लांट प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के "मेक इन इण्डिया" संकल्प को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माण क्षेत्र में राजस्थान देश का महत्वपूर्ण केन्द्र बनकर उभरेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान के युवाओं को इलेक्ट्रो मोबिलिटी के क्षेत्र में प्रशिक्षण दिया जाएगा तथा उनके लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के भरपूर अवसर सृजित होंगे। ई-बसों के संचालन से राज्य में ग्रीन एनर्जी और हरित परिवहन को बढ़ावा मिलने के साथ ही, शहरी परिवहन सेवा भी सुगम होगी। इस अवसर पर कंपनी के प्रबंध निदेशक सतीश कुमार जैन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आंचल जैन, कार्यकारी निदेशक गजेन्द्र यादव, निदेशक दीपांशु द्विवेदी, प्लांट हैड हरीश यादव उपस्थित थे।

बिलाड़ा में 3 साल की बच्ची के साथ बलात्कार

घर के बाहर खेल रही बच्ची को कुरकुरे दिलाने के बहाने बाइक पर सुनसान जगह ले गया

जोधपुर, 22 अक्टूबर (कासं)। बिलाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह 3 साल की बच्ची के साथ बलात्कार की घटना सामने आई है। घर के बाहर खेल रही 3 साल की बच्ची को युवक कुरकुरे दिलाने के बहाने बाइक पर ले गया। सुनसान जगह पर उसने बच्ची के साथ रेप किया। फिर उसे घर के बाहर छोड़कर फरार हो गया। घटना बिलाड़ा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब 8 बजे की है।

बच्ची के रोने की आवाज सुनकर परिवार के लोग घर से बाहर आए। मासूम की हालत देखकर चौंक गए। घरवाले तुरंत बच्ची को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे, जहां प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए उसे जोधपुर रेफर कर दिया।

- **गंभीर हालत में बच्ची जोधपुर के अस्पताल में भर्ती। घटना के विरोध में कस्बे के बाज़ार बंद।**

इधर, घटना के विरोध में लोगों ने कस्बे में बाजार बंद करवा दिया। लोगों का कहना है कि ऐसे दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं पर अंकुश लगे। परिजन और रिश्तेदार ने बिलाड़ा थाने पहुंचकर युवक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। बिलाड़ा डीएसपी पदमदान रतनू ने बताया कि घटना के संबंध में परिजनों से रिपोर्ट मिली है। इसके आधार पर बिलाड़ा थाने में पॉक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

डीएसपी पदमदान रतनू ने बताया कि आरोपी युवक भरतपुर जिले का रहने वाला है। वह पाली जिले में काम करता था। आरोपी के बारे में पीड़ित परिवार और अन्य ग्रामीणों से जानकारी जुटाकर उसकी तलाश में अलग-अलग टीमें गठित की गई हैं। पुलिस पूरी ताकत से आरोपी को पकड़ने के लिए प्रयासरत है।

छः दिन में चौथी बार ट्रंप ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेगा।"

इससे पहले, ट्रंप ने वाइट हाउस में अपने बयान में कहा, "मैं भारतीयों को पसंद करता हूँ। हम अपने देशों के बीच कुछ शानदार सौदों पर काम कर रहे हैं। मैंने आज प्रधानमंत्री मोदी से बात की और हमारे रिश्ते बहुत अच्छे हैं। वह रूस से ज्यादा तेल नहीं खरीदेंगे। वह युद्ध को खत्म होते देखना चाहते हैं, जैसा कि मैं भी चाहता हूँ। वह रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध को समाप्त होते देखना चाहते हैं।" "वह अब बहुत अधिक तेल नहीं खरीदेंगे। तो उन्होंने बहुत कम कर दिया है, और वे इसे लगातार कम करते जा रहे हैं।

कांग्रेस ने सरकार पर तंज कसते हुए मंगलवार को कहा कि ट्रंप ने पिछले पांच दिनों में तीन बार भारत के रूस से तेल आयात पर सवाल उठाए हैं, और उन्होंने "विदेश मंत्रालय के किसी भी इनकार को नजरअंदाज़ किया" जिसमें प्रधानमंत्री मोदी ने रूस से तेल आयात रोकने का वादा किया था।

विपक्षी पार्टी के इस दावे के बाद ट्रंप ने कहा था कि यदि भारत रूस से तेल खरीदता रहा, तो उसे भारी शुल्क का भुगतान करना पड़ेगा और साथ ही उन्होंने यह भी दोहराया कि प्रधानमंत्री मोदी से उन्हें आश्वासन मिला है कि नई दिल्ली रूस से तेल खरीदारी रोक देगा।

कांग्रेस ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी "मौनी बाबा" बन जाते हैं, जब ट्रंप यह कहते हैं कि उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को बंद कर दिया या कि भारत रूस से तेल आयात घटाएगा।

भारत ने पहले कहा था कि वह "अपनी ऊर्जा आपूर्ति को विस्तारित और विविधीकृत" कर रहा है ताकि बाजार की स्थितियों के अनुसार इसे बेहतर तरीके से संभाल सके।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल, ट्रंप के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें इस प्रकार की कोई फोन बातचीत का पता नहीं है, और यह कि भारत का तेल आयात भारतीय उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए "अस्थिर" ऊर्जा परिदृश्य में तय किया जाता है।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री मोदी "ट्रंप से डरते हैं" और लगता है कि उन्होंने अमेरिकी सरकार को महत्वपूर्ण फैसले सौंप दिए हैं।

विपक्षी पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि मोदी सरकार की विदेश नीति "पूरी तरह से विफल" हो चुकी है और केंद्र को विपक्षी नेताओं को विश्वास में लेने के लिए या तो एक सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए या उनसे व्यक्तिगत रूप से बात करनी चाहिए।

वॉशिंगटन ने यह दावा किया है कि भारत रूस से तेल खरीदकर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के लिए वित्तीय मदद दे रहा है।

नई दिल्ली और वॉशिंगटन के बीच संबंधों में उस समय तनाव बढ़ गया था, जब ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को 50 प्रतिशत तक बढ़ा दिया था, जिसमें रूस से भारतीय तेल आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल था।

भारत ने अमेरिकी कदम को "अन्यायपूर्ण, अस्वीकृत और निरर्थक" करार दिया।

इस बीच, ट्रंप ने मंगलवार को वाइट हाउस में दीवाली समारोह में भाग लिया और भारतीयों और भारतीय-अमेरिकियों को इस अवसर पर शुभकामनाएं दीं।

प्रारंभिक टिप्पणी में, अमेरिकी राष्ट्रपति ने मोदी की तारीफ करते हुए उन्हें "महान व्यक्ति" और "महान दोस्त" कहा और व्यापार और क्षेत्रीय शांति में अमेरिका-भारत संबंधों को उजागर किया।

ट्रंप ने कहा, "दीवाली के इस अवसर पर, हम दिया जलाएंगे, जो प्रकाश की अंधकार पर विजय, अज्ञान पर ज्ञान और बुराई पर अच्छाई का प्रतीक है।

उन्होंने आगे कहा कि दिए की लौ हमें "ज्ञान के मार्ग का अनुसरण करने, कठिनाई से काम करने और हमारे कई आशीर्वादों के लिए हमेशा आभार व्यक्त करने की याद दिलाती है।"

इसके बाद ट्रंप ने वाइट हाउस में दीवाली के अवसर पर दीये जलाए।

वाइट हाउस में यह कार्यक्रम ट्रंप प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में हुआ, जिसमें एफबीआई निदेशक काश पटेल, ओडीएनआई निदेशक तुलसी गब्बार्ड, व्हाइट हाउस की उप प्रेस सचिव कुश देसाई, अमेरिका में भारत के राजदूत विनय मोहन क्वात्रा और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्गियो गोरे शामिल थे।

वाराणसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रूप से आगमन कक्ष (एराइवल हॉल) में ले जाया गया है। तकनीकी टीम वर्तमान में विमान की जांच और मरम्मत में जुटी है।

बिहार में महागठबंधन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नरकटियागंज विधानसभा क्षेत्र से राजद के दीपक कुमार कांग्रेस के शास्वत केदार के सामने चुनावी मैदान में खड़े हैं।

वाम दलों को कुल 33 सीटें दी गई थीं, लेकिन भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) ने कांग्रेस को टक्कर देते हुये चार जगहों पर अपने उम्मीदवार उतार दिये हैं।

करगहर विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के महेंद्र गुप्ता कांग्रेस के संतोष कुमार मिश्रा के खिलाफ, बिहार शरीफ विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के शिव प्रकाश यादव कांग्रेस के ओमैर खान के खिलाफ, राजापाकड़ (सु) विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के मोहित पासवान कांग्रेस की प्रतिमा कुमारी के खिलाफ और बछवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से सीपीआई के अवधेश कुमार राय कांग्रेस के शिव प्रकाश गरीब दास के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

महागठबंधन में मिली 15 सीटों के बावजूद, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के दो उम्मीदवार सीधे तौर पर राजद के सामने खड़े हो गये हैं। चैनपुर विधानसभा क्षेत्र से वीआईपी के बाल गोविंद राजद के ब्रज किशोर बिंद के खिलाफ और बाबूबरही विधानसभा क्षेत्र से वीआईपी के बिंदु गुलाब राजद के अरुण कुमार सिंह के खिलाफ बतौर प्रत्याशी अपनी दावेदारी कर रहे हैं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जिस गठबंधन का उद्देश्य भाजपा के खिलाफ एकजुट विपक्ष खड़ा करना था, वह खुद 'प्रतिस्पर्धी से प्रतिद्वंदी' बन चुका है। बिहार की राजनीति में यह तय हो चुका है कि महागठबंधन के लिये यह चुनाव सिर्फ विरोधियों से नहीं, अपनों से भी है।

महागठबंधन में आधिकारिक रूप से सीट बंटवारे के तहत राजद को 143, कांग्रेस को 61, वामदल को 33, वीआईपी को 15 और इंडियन इंक्लूसिव पार्टी (आईआईपी) को 3 सीट मिली थी।

लोकपाल कार्यालय द्वारा 7 लग्ज़री बीएमडब्ल्यू खरीदने पर विवाद बढ़ा

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। भारत सरकार के लोकपाल कार्यालय की तरफ से सात (बीएमडब्ल्यू) लग्ज़री कारों की खरीद के लिए निविदा जारी करने पर कांग्रेस ने सवाल उठाये हैं।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि भ्रष्टाचार विरोधी प्राधिकरण अब एक शॉकपाल बन गया है। रमेश ने लोकपाल की कार्यवाही पर सवाल उठाये और लोकपाल द्वारा की गयी जांच और गिरफ्तारियों के बारे में भी सवाल पूछें।

उन्होंने कहा, लोकपाल अब लोकपाल नहीं रहा। यह शोकपाल और शॉकपाल हो गया है।

अन्ना हजारे, अरविंद केजरीवाल, इंडिया अगेंस्ट करप्शन और आरएसएस ने 2012 और 2013 में लोकपाल के महत्व पर जोर देते हुए खूब प्रचार किया था।

अब जरा लोकपाल के कार्यों पर ही नजर डालिए। लोकपाल ने कौन सी जांच शुरू की है? उन्होंने किन लोगों को गिरफ्तार किया है?

रमेश से पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम भी इन कारों के लिए निविदा जारी करने पर विरोध जता चुके हैं।

चिदंबरम ने कहा कि यहां तक कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों को भी साधारण सेडान कारें उपलब्ध करायी जाती हैं। साथ ही उन्होंने उम्मीद जतायी कि लोकपाल कार्यालय के कुछ सदस्य इन लक्जरी कारों का उपयोग करने से बचेंगे।

- **कांग्रेस ने बीएमडब्ल्यू खरीद की निविदा पर सवाल उठाए और कहा, लोकपाल ने अब तक कौनसी जांच की है यह भी बताया जाए**
- **कांग्रेस नेता पी चिदम्बरम ने कहा, जब सुप्रीम कोर्ट के जज को साधारण सेडान कार दी जाती है तो लोकपाल को बीएमडब्ल्यू क्यों चाहिए।**

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, जब सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों को साधारण सेडान कारें मिलती हैं, तो लोकपाल के चेयरमैन और छह सदस्यों को बीएमडब्ल्यू कारों की आवश्यकता क्यों है? इन कारों को खरीदने के लिए जनता का पैसा क्यों खर्च किया जाए? .

विश्व के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से हीरे जड़े हैं, जिनमें पन्ना भी लगा है। संग्रहालय और विशेषज्ञ मानते हैं कि इन आभूषणों को फिर से प्राप्त करने की उम्मीदें लगभग नगण्य हैं।

आभूषण को तोड़कर कीमती धातुओं को पिघलाना है और रत्नों को निकाला जाना आसान है। यदि इन चुराए गए आभूषणों को बेचा जाता है, तो इन्हें पहचान पाना मुश्किल होगा।

आजकल के नवधनाढ्य भारत में कीमती रत्नों की दीवानगी बहुत ज्यादा है। ऐसे में अवैध रास्तों या भूमिगत चैनलों के माध्यम से देश में पहुँच सकते हैं, पूरी तरह से गुप्त रूप से। जयपुर, जो आभूषण निर्माण की कला का प्रमुख केन्द्र है, अनजाने में इन आभूषणों को नया रूप देने का जरिया बन सकता है।

प्रसिद्ध आभूषण और रत्नों को अजीब तरीकों से नया रूप दिया जाता है। उदाहरण के लिए कोहिनूर को देखें, जिसे पहले गोलकोंडा की एक खदान में पाया गया था, फिर विभिन्न रूपों में बदलते हुए पंजाब के राजा महाराजा रणजीत सिंह के पास पहुँच गया।

ब्रिटिश क्राउन प्रिंस अल्बर्ट द्वारा बुरी तरह से अपूरणीय क्षति पहुँचाए जाने तक इसके कई घर बदले। प्रिंस अल्बर्ट द्वारा क्षतिग्रस्त किए जाने से महाराजा रणजीत सिंह के वंशज दलीप सिंह, जो ब्रिटेन में बंदी थे, नाराज़ हो गए, जब उन्हें हीरा स्मृति के रूप में रखने को दिया गया तो उन्होंने गुस्से में यह हीरा ब्रिटिश राज परिवार को ही दे दिया।

दलीप सिंह की नाराज़गी के बाद, कोहिनूर ब्रिटिश शाही परिवार के ताज आभूषणों का हिस्सा बन गया।

संजय अग्रवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

महानिदेशक, पुलिस हाऊसिंग, डॉ. बी.एल.मीणा को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक यातायात राजस्थान, लता मनोज माथुर को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सिविल राइट्स, एंटी हयूमन ट्रैफिकिंग एंड कम्यूनिटी पुलिसिंग जयपुर, प्रफुल्ल कुमार को महानिरीक्षक पुलिस इंटीलेजेंस राजस्थान जयपुर, एच.जी. राघवेन्द्र सुहासा को महानिरीक्षक पुलिस जयपुर रेंज, राहुल प्रकाश को विशेष आयुक्त (ऑपरेशन्स) पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, डॉ. रवि को महानिरीक्षक पुलिस आयोजना, आधुनिकीकरण और कल्याण राजस्थान के पद पर लगाया है।

इसी तरह सत्येन्द्र कुमार को महानिरीक्षक पुलिस, भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो राजस्थान, डॉ. रामेश्वर सिंह को उप महानिरीक्षक पुलिस ए.सी.बी. ब्यूरो. प्रथम जयपुर, डॉ. राजीव पचार को अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, प्रहलाद सिंह कृष्णिया को उप महानिरीक्षक पुलिस अपराध शाखा जयपुर, अरशद अली को उप महानिरीक्षक पुलिस कानून एवं व्यवस्था पुलिस कमिश्नरेट जयपुर, ज्ञानचंद्र यादव को पुलिस अधीक्षक द्वितीय ए.टी.एस. जयपुर के पद पर लगाया है।

इसी प्रकार अमित जैन को प्राचार्य राजस्थान पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र जोधपुर, विशाल जांगिड़ को सहायक पुलिस अधीक्षक वृत श्रीगंगानगर, अनुष्ठा कालिया को सहायक पुलिस अधीक्षक बीकानेर सदर के पद पर लगाया है।

महागठबंधन के प्रचार अभियान में तेजी आई

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की तरफ से प्रचार अभियान की तैयारियां तेज हो गयी हैं। कांग्रेस नेतृत्व ने अपने स्टार प्रचारकों कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के जनसभा कार्यक्रम को लेकर अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है।

सूत्रों के अनुसार छठ के बाद राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा बिहार में प्रचार शुरू करेंगे और इसे देखते हुए दोनों नेताओं के चुनाव प्रचार कार्यक्रम तय किये जा रहे हैं। महागठबंधन में संयुक्त रैलियों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा हैं।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि गांधी की पहली चुनावी सभा छठ पर्व के बाद आयोजित की जाएगी। वह उत्तर बिहार के किसी बड़े जिले से अपने प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। पार्टी की रणनीति के अनुसार गांधी पहले चरण के चुनाव में ऐसे इलाकों में जनसभाएं करेंगे जहां कांग्रेस के उम्मीदवारों की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। इसके साथ ही वह मौजूदा कांग्रेस विधायकों के क्षेत्र में प्रचार करने भी उतरेंगे ।

उत्तर बिहार के मुजफ्फरपुर, वैशाली, दरभंगा, मधुबनी, सीतामढ़ी, पूर्वी चंपारण और पश्चिमी चंपारण जिलों से गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा की रैलियों और रोड शो से प्रचार अभियान में रफ्तार आएगी और जनता तक पार्टी का संदेश बेहतर तरीके से पहुँचेगा।

- **छठ पर्व के बाद बिहार में राहुल-प्रियंका का प्रचार शुरु होगा**
- **राहुल गांधी पहले उन क्षेत्रों में प्रचार करेंगे जहां कांग्रेस की स्थिति मजबूत है।**
- **महागठबंधन की तरफ से संयुक्त रैलियां भी की जाएंगी।**

चुनाव प्रचार के लिये प्रियंका गांधी वाड्रा की रैली और रोड शो तय किया जा रहा है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि वह महिलाओं और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर जनसभाओं को संबोधित करेंगी। वह बिहार में महिलाओं से जुड़े मुद्दों, महिला सशक्तिकरण, मानदेय, महिला सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा समेत कई मुद्दों को उठा सकती हैं।

गत दो दशकों से बिहार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जदयू जहाँ अपने परंपरागत आधार को बचाने के लिए संघर्ष कर रही है, भाजपा उसी जमीन पर अपने कदम जमा रही है। भाजपा की पिछली रणनीतियाँ देखकर बहुत लोग मानते हैं कि वह धीरे-धीरे अपने सहयोगियों का वोटबैंक समेट लेती है और अंततः उन्हें अपने भीतर मिला लेती है, वैसा ही अब जदयू के साथ भी हो सकता है।

2025 के एनडीए सीट बंटवारे में भाजपा और जदयू, दोनों को 243 में से 101-101 सीटें मिली हैं। लेकिन इतनी हिस्सेदारी के साथ जिम्मेदारी भी बड़ी आई है।

भाजपा की सबसे प्रमुख चाल सम्राट चौधरी को लेकर है, जो कुशवाहा समुदाय से आते हैं। पार्टी उन्हें संभावित मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में पेश कर रही है, जिससे एन.डी.ए. के भीतर इस समुदाय की उम्मीदें जिंदा रहें।

यह क्यों अहम है? क्योंकि बिहार में कुशवाहा समुदाय 4.21 प्रतिशत और कुर्मी समुदाय 2.87 प्रतिशत है। नीतीश कुमार खुद कुर्मी हैं, लेकिन 1994 की "कुर्मी एकता रैली" के बाद से ही कुर्मी-कुशवाहा, यानी "लव-कुश" गठजोड़ नीतीश के पीछे लामबंद होते रहे हैं। जहाँ कुमार ने लालू यादव द्वारा ओबीसी पदानुक्रम में यादवों को शीर्ष पर रखने की प्राथमिकता पर अपना असंतोष व्यक्त किया था।

हालांकि नीतीश कुमार स्वयं कुर्मी समुदाय के हैं, फिर भी यह मौन सहमति बनी थी कि उनके कुशवाहा समुदाय से किसी नेता को प्राथमिकता दी जाएगी। इसलिए कुशवाहा वोट अब उस नेता के लिए अहम है जो नीतीश की राजनीतिक विरासत संभालना चाहता है।

भाजपा ने सम्राट चौधरी को तारापुर से, जो उनके पिता की पुरानी सीट है, टिकट देकर यह संकेत दिया है कि वह इस वोटबैंक को अपने साथ लाना चाहती है। भले ही चौधरी का प्रशासनिक अनुभव नीतीश जितना न हो, लेकिन भीजपा उन्हें पूरा समर्थन देकर कुशवाहा मतदाताओं को साध सकती है, खासतौर पर प्रशांत किशोर के बढ़ते प्रभाव के बीच।

लेकिन दिक्कत यह है कि प्रशांत किशोर ने लगातार प्रेस कॉन्फ्रेंसों के ज़रिए चौधरी की छवि को नुकसान पहुंचाया है। साथ ही भाजपा का पारंपरिक कार्यकर्ता वर्ग बाहरी नेताओं को पसंद नहीं करता, और उसे आज भी याद है कि चौधरी के पिता ने एक बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जान से मारने की धमकी दी थी।

इससे "प्लान बी" की गुंजाइश बनती है। उपेंद्र कुशवाहा, राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) के अध्यक्ष भी कुशवाहा समुदाय से हैं और उनकी छवि नीतीश जैसी है, ईमानदार, शिक्षित, संगठन पर केंद्रित और बिहार-हितैषी।

वे अपने लचीले लेकिन सिद्धांतनिष्ठ रुख के लिए जाने जाते हैं और कठिन दौर में भी संयम दिखाने के कारण भाजपा नेतृत्व का भरोसा जीत चुके हैं। इस भरोसे से यह संभावना बनती है कि वे अपनी पार्टी को भाजपा में मिला दें और समुदाय का चेहरा बन जाएं।

हालांकि यह एक दूरदर्शी अनुमान है, लेकिन दो बातें इसे मजबूत करती हैं, पहली, सम्राट चौधरी पर किशोर के हमले; दूसरी, भाजपा का इतिहास, जो बताता है कि वह अंतिम क्षणों में चौंकाने वाले निर्णय लेती है और अक्सर ऐसे उम्मीदवारों को चुनती है जो विशेषज्ञों की शॉर्टलिस्ट में भी नहीं होते। भाजपा की दूसरी बड़ी चुनौती, "अतिपिछड़ा वर्ग (ई.बी.सी.)" के 36 प्रतिशत मतदाताओं को अपने साथ बनाए रखना है। नीतीश और मोदी की कल्याण योजनाओं ने इन वर्गों में अच्छी छाप छोड़ी है, लेकिन राज्य इकाई ने ई.बी.सी. मतदाताओं के बीच अपनी पैठ बनाने के लिए बहुत कम प्रयास किए हैं।

नीतीश कुमार के अलावा प्रधानमंत्री मोदी एक लोकप्रिय नाम बने हुए हैं, लेकिन दोनों नेताओं की कल्याणकारी योजनाएं अपनी राजनीतिक उपयोगिता समाप्त होने के कगार पर है। इससे भाजपा के लिए यह चुनौती और कठिन हो जाती है।

एक नए चेहरे को पेश करने के साथ -साथ भाजपा को यह बताना होगा कि केंद्र सरकार की योजनाएं कैसे खास समुदायों के लिए फायदेमंद हैं। जैसे जब किसी योजना का फायदा सैनिकों को मिलता है तो उसे जाट समुदाय के हित में बताया जाता है, उसी तरह योजनाओं को ईबीसी समुदाय के लिए प्रचारित किया जा सकता है।

ईबीसी चेहरे के रूप में भाजपा के पास फिलहाल हरी सहनी हैं, जिनका प्रदर्शन ठीक रहा है, पर उनका प्रभाव सीमित है। इसलिए पार्टी संभवतः मुकेश सहनी की पार्टी को अपने में मिलाने की कोशिश कर सकती है। मुकेश खुद को "मल्लाहों का बेटा" नहीं, बल्कि "ईबीसी का बेटा" कहकर व्यापक पहचान बनाने की कोशिश में हैं और उपमुख्यमंत्री पद की आकांक्षा भी रखते हैं।

जदयू के भीतर भी कई नेता, जैसे पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा (जो कभी अरुण जेटली के करीबी रहे हैं), "भाजपा का आदमी" कहे जाते हैं। इससे यह धारणा मजबूत हो रही है कि भाजपा जल्द ही जदयू को पूरी तरह पीछे छोड़ सकती है।

जदयू दोहरे संकट से गुजर रही है, एक तरफ उसका पारंपरिक वोट बैंक कमजोर हो रहा है, दूसरी तरफ नेतृत्व का अभाव पार्टी को तोड़ सकता है।

जातिगत गणित के अलावा जद (यू) को एक आसन्न नेतृत्व संकट का भी सामना करना पड़ रहा है। हालांकि पार्टी पिछड़े वर्गों की प्रतिनिधि होने का दावा करती है, लेकिन फैसलों में ऊपरी जातियों के नेताओं, ललन सिंह, संजय झा, सम्राट चौधरी और विजय चौधरी, का दबदबा बढ़ गया है। जदयू का मूल कार्यकर्ता वर्ग इस ऊपरी जाति वर्चस्व से नाराज़ है। खासकर इसलिए क्योंकि, इन चार नेताओं में से तीन उच्च जाति पृष्ठभूमि से आते हैं, जबकि जद (यू) का अस्तित्व पिछड़े वर्गों को सशक्त बनाने के कारण है।

भीतरी कलह के चलते कई शिक्षित और सक्षम नेताओं को हाल के वर्षों में बाहर का रास्ता दिखाया गया है। नीतीश अब तक पार्टी को जोड़े रखने में सफल रहे हैं, लेकिन उन्होंने किसी उत्तराधिकारी को तैयार नहीं किया, और यही कमी अब उनके जाने के बाद सबसे बड़ा संकट बनेगी।

2025 का बिहार विधानसभा चुनाव हाल के चुनावों में सबसे अप्रत्याशित चुनाव बनने जा रहा है। नीतीश के धीरे-धीरे पीछे हटने से राजनीति का स्थिर केंद्र खत्म हो रहा है और अब हर खिलाड़ी अपने दांव-पेच आजमा रहा है।

भाजपा विस्तार और कब्जे की दौड़ में है। जदयू अस्तित्व और पुनर्निर्माण की लड़ाई में है और छोटी पार्टियां इस उथल-पुथल में अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश में हैं।

जो भी इस दौड़ में जीतेगा, वह न सिर्फ सत्ता संभालेगा बल्कि भारत के सबसे जटिल और खंडित राजनीतिक परिदृश्य में गठबंधन राजनीति का नया नमूना भी पेश करेगा। और इस बार, पिछले चुनावों के विपरीत, न उम्मीदवारों को न विश्लेषकों को, किसी को नहीं पता कि फिनिश लाइन सबसे पहले कौन पार करेगा।

जैश का महिलाओं के लिए ऑनलाइन जिहादी कोर्स

नयी दिल्ली 22 ,अक्टूबर। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने महिलाओं की भर्ती के लिए ऑनलाइन जिहादी कोर्स तुफात अल-मुमिनात शुरू किया है जिसका नेतृत्व आतंकवादी मसूद अजहर की बहनें और उमर फारूक की पत्नी करेंगी। जैश ने इस कोर्स के प्रत्येक प्रतिभागी के लिए 500 रुपये का चंदा निर्धारित किया है। कुछ समय पहले ऐसी रिपोर्ट सामने आई थी कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा आंतकवादी संगठन घोषित और पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित जैश-ए-मोहम्मद एक महिला ब्रिगेड तैयार कर रहा है और इसे जमात उल-मुमिनात नाम दिया है। अब मीडिया में सामने आए नये दस्तावेज़ों और विवरण से पता चला है कि आतंकी समूह ने धन इकट्ठा करने और अपनी महिला ब्रिगेड में अधिक से अधिक महिलाओं की भर्ती करने के लिए एक ऑनलाइन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम शुरू कर रहा है।

- **आतंकवादी मसूद अजहर की बहनें और उमर फारुक की पत्नी कोर्स का नेतृत्व करेंगी।**

वन क्षेत्र में भारत विश्व में 9 वें स्थान पर

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर। भारत ने वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है और कुल वन क्षेत्र के मामले में देश विश्व स्तर पर 9वें स्थान पर पहुंच गया है।

इंडोनेशिया के बाली में खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के जारी वैश्विक वन संसाधन आकलन (जीएफआरए), 2025 के अनुसार भारत ने वन क्षेत्र के मामले में यह अहम मुकाम हासिल किया है। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में इस प्रगति का ब्योरा साझा किया। यादव ने कहा, " यह सभी भारतीयों के लिए खुशी का एक कारण है।"

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908